A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 1 जून, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 264 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

एग्जिट पोल: कैसे होता है और कितने सटीक रहे अनुमान ?

इक़बाल अहमद

एक जून को सातवें चरण का मतदान खत्म होने के साथ ही 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट डालने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और उसके बाद सभी को चार जून का इंतजार होगा, जब वोटों की गिनती की जाएगी।

लेकिन वोटों की गिनती से पहले एक जून को मतदान ख़त्म होते ही सभी पोल एजेंसियां और न्यूज चैनल एग्जिट पोल जारी कर देंगे।

2024 लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल्स क्या कहते हैं, यह तो एक जून को पता चलेगा लेकिन उससे पहले एग्जिट पोल्स से जुड़ी कुछ अहम बातों को समझने की कोशिश करते हैं और फिर यह देखेंगे कि 2019 लोकसभा चुनाव से लेकर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल्स और असली नतीजे क्या थे।

एग्जिट का मतलब होता है बाहर निकलना। इसलिए एग्जिट शब्द ही बताता है कि यह पोल क्या है। वोट देकर बूथ से बाहर निकलता है तो उससे पूछा जाता है कि क्या आप बताना चाहेंगे कि आपने किस पार्टी या किस उम्मीदवार को वोट दिया है। एग्जिट पोल कराने वाली एजेंसियां अपने लोगों को पोलिंग बूथ के बाहर खड़ा कर देती हैं। जैसे-जैसे मतदाता वोट देकर बाहर आते हैं, उनसे पूछा जाता है कि उन्होंने किसे वोट दिया। कुछ और सवाल भी पूछे जा सकते हैं, जैसे प्रधानमंत्री पद के लिए आपका पसंदीदा उम्मीदवार कौन है वगैरह।

आमतौर पर एक पोलिंग बूथ पर हर दसवें मतदाता या अगर पोलिंग स्टेशन बड़ा है तो हर बीसवें मतदाता से सवाल पूछा जाता है। मतदाताओं से मिली जानकारी का विश्लेषण करके यह अनुमान लगाने की कोशिश की जाती है कि चुनावी नतीजे क्या होंगे।

सी-वोटर, एक्सिस माई इंडिया, सीएनएक्स भारत की कुछ प्रमुख एजेंसिया हैं। चुनाव के समय कई नई-नई कंपनियां भी आती हैं जो चुनाव के खत्म होते ही गायब हो जाती हैं।

रिप्रेजेन्टेशन ऑफ़ द पीपल्स एक्ट, 1951 के सेक्शन 126ए के तहत एग्ज़िट पोल को नियंत्रित किया जाता है। भारत में, चुनाव आयोग ने एग्जिट पोल को लेकर कुछ नियम बनाए हैं। इन नियमों का मकसद यह होता है कि किसी भी तरह से चुनाव को प्रभावित नहीं होने दिया जाए। चुनाव आयोग समय-समय पर एग्जिट पोल को लेकर दिशा-निर्देश जारी करता है। इसमें यह बताया जाता है कि एग्जिट पोल करने का क्या तरीक़ा होना चाहिए। एक आम नियम यह है कि एग्जिट पोल के नतीजों को मतदान के दिन प्रसारित नहीं किया जा सकता है। चुनावी प्रक्रिया शुरू होने से लेकर आखिरी चरण के मतदान खत्म होने के आधे घंटे बाद तक एग्जिट पोल को प्रसारित नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा एग्जिट पोल के परिणामों को मतदान के बाद प्रसारित करने के लिए, सर्वेक्षण-एजेंसी को चुनाव आयोग से अनुमति लेनी होती है।

सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग स्टडीज (सीएसडीएस)-लोकनीति के सह निदेशक प्रोफ़ेसर संजय कुमार इसे मौसम विभाग के अनुमान से जोड़ कर देखते हैं। वो कहते हैं, 'एग्ज़िट पोल के अनुमान भी मौसम विभाग के अनुमान जैसे होते हैं। कई बार बहुत सटीक होते हैं, कई बार उसके आस-पास होते हैं और कई बार सही नहीं भी होते हैं। एग्जिट पोल वोट प्रतिशत का अनुमान लगाता है और फिर उसके आधार पर पार्टियों को मिलने वाली सीट का अनुमान लगाया जाता है।' संजय कुमार कहते हैं, '2004 का चुनाव हमें नहीं भूलना चाहिए। उसमें तमाम एग्जिट पोल्स में कहा गया था कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार दोबारा सत्ता में आएगी लेकिन सारे एग्जिट पोल्स ग़लत साबित हुए और बीजेपी चुनाव हार गई।'

कई बार अलग-अलग एग्ज़िट पोल अलग-अलग अनुमान लगाते हैं, ऐसा क्यों? इस सवाल के जवाब में भी प्रोफ़ेसर संजय कुमार एक उदाहरण देते हुए कहते हैं, 'कई बार एक ही बीमारी को लेकर अलग-अलग डॉक्टर अलग-अलग तरह से जाँच करते हैं। एग्जिट पोल्स के बारे में भी ऐसा हो सकता है। उसका कारण यह हो सकता है कि अलग-अलग एजेंसियों ने अलग-अलग सैंपलिंग या अलग तरह से फील्ड वर्क किया हो। कुछ एजेंसियां फ़ोन से डेटा जमा करती हैं, जबकि कुछ एजेंसियां अपने लोगों को फील्ड में भेजती हैं तो नतीजे अलग हो सकते हैं।'

भारत में दूसरे आम चुनाव के दौरान 1957 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ पब्लिक ओपिनियन ने पहली बार चुनावी पोल किया था। इसके प्रमुख एरिक डी कॉस्टा ने चुनावी सर्वे किया था, लेकिन इसे पूरी तरह से एग्ज़िट पोल नहीं कहा जा सकता है। उसके बाद 1980 में डॉ. प्रणय रॉय ने पहली बार एग्जिट पोल किया। उन्होंने ही 1984 के चुनाव में दोबारा एग्जिट पोल किया था। 1996 में दूरदर्शन ने एग्ज़िट पोल किया। यह पोल पत्रकार नलिनी सिंह ने किया था, लेकिन इसके आंकड़े जुटाने के लिए सेंटर फ़ॉर द स्टडी ऑफ़ डेवेलपिंग स्टडीज़ (सीएसडीएस) ने फ़ील्ड वर्क किया था।

उसके बाद से यह सिलसिला लगातार जारी है। आजकल दर्जनों एग्जिट पोल्स होते हैं।

भारत से पहले कई देशों में एग्जिट पोल होते रहे हैं। सबसे पहला एग्जिट पोल संयुक्त राज्य अमेरिका में 1936 में हुआ था। जॉर्ज गैलप और क्लॉड रोबिंसन ने न्यूयॉर्क शहर में एक चुनावी सर्वेक्षण किया, जिसमें मतदान करके बाहर निकले मतदाताओं से पूछा गया कि उन्होंने किस राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को वोट दिया है। इस तरह से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण करके यह अनुमान लगाया गया कि फ्रैंकलिन डी. रूज़वेल्ट चुनाव जीतेंगे। रूज़वेल्ट ने वास्तव में चुनाव जीता। इसके बाद, एग्ज़िट पोल अन्य देशों में भी लोकप्रिय हो गए। 1937 में, ब्रिटेन में और 1938 में, फ्रांस में पहला एग्ज़िट पोल हुआ।

भारत में 2019 के लोकसभा चुनाव के ज़्यादातर एग्जिट पोल में भाजपा और एनडीए को 300 से ज़्यादा सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था। जबकि कांग्रेस नेतृत्व वाले यूपीए गठबंधन को 100 के आसपास सीटें मिलने की संभावना जताई गई थी। असली नतीजे एग्जिट पोल में लगाए गए अनुमान के अनुरूप ही थे। भाजपा को 303 सीटें मिली थीं और एनडीए को करीब 350 सीटें थीं। वहीं कांग्रेस को केवल 52 सीटें मिली थीं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव, 2021

साल 2021 में केरल, असम, तमिलनाडु, पुदुच्चेरी और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हुए थे। लेकिन सबकी निगाहें पश्चिम बंगाल पर टिकी थीं। ज़्यादातर एजेंसियों ने 292 सीटों वाली विधानसभा में बीजेपी को 100 से ज़्यादा सीटें दी थीं और जन की बात नाम की एक एजेंसी ने तो बीजेपी को 174 सीटें तक मिलने का अनुमान लगाया था। लेकिन जब नतीजे आए तो ममता बनर्जी की टीएमसी एक बार सत्ता में वापस लौटी और बीजेपी 75 सीटों तक ही पहुंच पाई।

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

हर महीने 8000 रुपए का लालच, डाकखाने में 'लाइन'

कर्नाटक में खाता खुलवाने पहुंचीं हजारों महिलाएं, कर्मचारी परेशान

बेंगलुरु (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों ने एक से एक लोकलुभावन वादे किए हैं। वहीं लोगों के बीच कई तरह की अफवाहें भी फैल गई हैं। इसी बीच बेंगलुरु के जनरल पोस्ट ऑफिस पर इन दिनों महिलाओं की भीड़ देखी जा रही है।

रोज इतनी महिलाएं नया खाता खुलवाने पहुंच रही हैं कि भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया। वहीं डाक विभाग को अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात करना पड़ गया। जानकारी के मुताबिक कुछ राजनेताओं ने वादा किया था कि वे महिलाओं के आईपीबी खाते में हर महीने 2 हजार रुपये जमा करवाएंगे। इसी बीच एक अफवाह फैली की डाकखाने की तरफ से महिलाओं के आईपीबी खाते पर 8 हजार रुपये भेजे जा रहे हैं। इसकी आखिरी तारीख भी सोमवार की बताई गई। इसके बाद पोस्ट ऑफिस में महिलाओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई।

देश के 8 राज्यों की 57 सीटों पर वोटिंग आज

वाराणसी से पीएम मोदी मैदान में

कंगना, रवि किशन, पवन सिंह समेत 4 ऐक्टर भी चुनाव लड़ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव-2024 के सातवें और अंतिम फेज में शनिवार (1 जून) को 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर वोटिंग होगी। 2019 में इन सीटों में से सबसे ज्यादा भाजपा 25, टीएमसी 9, बीजद 4, जेडीयू और अपना दल (एस) 2-2, जेएमएम महज 1 सीट जीत सकी थी। कांग्रेस को केवल पंजाब की बदौलत 8 सीटों पर जीत मिली थी। इस फेज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 2 केंद्रीय मंत्री आरके सिंह और अनुराग ठाकुर मैदान में हैं। 4 एक्टर-कंगना रनोट, रवि किशन, पवन सिंह, काजल निषाद भी चुनाव लड़ रहे हैं। इनके अलावा ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी, अफजाल अंसारी, विक्रमादित्य सिंह भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक इलेक्शन के सातवें फेज में 904 कैंडीडेट्स चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 809 पुरुष और 95 महिला उम्मीदवार हैं। इस फेज में सबसे अमीर प्रत्याशी बठिंडा, पंजाब से उम्मीदवार हरसिमरत कौर बादल हैं। उनके पास 198 करोड़ रुपए की संपत्ति है। 542 लोकसभा सीटों के लिए छठे फेज तक 485 सीटों पर मतदान हो चुका है। 1 जून को आखिरी 57 सीटों पर वोटिंग होगी। गुजरात में सूरत से भाजपा के उम्मीदवार रहे मुकेश दलाल निर्विरोध चुनाव जीत चुके हैं, इसलिए वोटिंग 542 सीटों पर ही हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, 199 कैंडीडेट ऐसे हैं, जिन पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं।

बाप रे बाप! गर्मी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

नागपुर में पारा 56 तक पहुंचा, झुलस रहे लोग, देश में खलबली

नागपुर (एजेंसी)। दो दिन पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मुंगेशपुरी में तापमान 52.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। तब दिल्ली समेत पूरे देश में खलबली मच गई थी और तापमान का सर्वाधिक रिकॉर्ड दर्ज किया गया था लेकिन अब महाराष्ट्र के नागपुर ने दिल्ली को पीछे छोड़ दिया है। वहां गुरुवार यानी 30 मई को 56 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया है। यह देश में अब तक का सबसे अधिक तापमान है। इससे पहले दिल्ली में 52.9 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। मौसम विभाग की मानें तो नागपुर में आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिल सकती है। आज से केरल में मानसून के दस्तक देने का अनुमान है। इस दौरान नागपुर सहित विदर्भ के अनेक हिस्सों में बादल छाए रहने की संभावना है, जिसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट देखी जा सकती है। 1 जून को नागपुर सहित विदर्भ के कुछ जिलों में गरज, चमक, तेज हवा की संभावना है अप्रत्याशित तरीके से तापमान में बढ़ोत्तरी से नागपुर आग की भट्टी में तब्दील हो चुका है। लोग गरमी से परेशान हैं और उन्हें ये समझ में नहीं आ रहा है कि आखिरी इतनी गर्मी क्यों और कैसे पड़ रही है। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग चिंतित हो गया है। आईएमडी ने जांच के आदेश दिए थे।

बिहार में गर्मी से 18 लोगों की मौत, चुनाव ड्यूटी पर तैनात 8 अधिकारी भी शामिल

पिछले एक-दो हफ्ते से पूरा देश भयानक गर्मी से भभक रहा है। इसी बीच बिहार में 48 घंटे के भीतर गर्मी से कम से कम 18 लोगों की मौत हुई है। जिनमें चुनाव ड्यूटी पर तैनात आठ अधिकारी भी शामिल हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, गर्मी से संबंधित मौतों में से 11 की पुष्टि रोहतास जिले से हुई है, जबकि भोजपुर में छह और बक्सर में एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली है। अधिकारियों ने बताया कि रोहतास में मरने वालों में से पांच, भोजपुर में दो और बक्सर में एक व्यक्ति चुनाव ड्यूटी पर तैनात थे। सासाराम और काराकाट लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, जिसमें रोहतास जिला शामिल है। आरा निर्वाचन क्षेत्र, जो भोजपुर जिले में है और बक्सर निर्वाचन क्षेत्र बिहार की आठ संसदीय सीटों में से हैं, जहां इस साल के आम चुनाव के अंतिम चरण में शनिवार को मतदान होगा।

गुजरात से होकर गांधी को नहीं जानते, आपको तो गोडसे पसंद

- पीएम मोदी के बयान पर जमकर भड़के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महात्मा गांधी को लेकर दिए बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, पीएम मोदी गुजरात से हैं। अगर गुजरात का कोई व्यक्ति गांधी जी के बारे में नहीं जानता है और उनका प्रचार भी नहीं करता है, तो मैं क्या कह सकता हूं। आरएसस का सदस्य होने के नाते आपने अपनी विचारधारा और सिद्धांतों का प्रचार किया, मगर आपने महात्मा गांधी के लिए कुछ नहीं किया। खरगे ने सवाल उठाया कि आपने बीते 23 बरसों में क्या किया है। जब आप 13 साल तक गुजरात के सीएम थे और अब पीएम हैं। उन्होंने कहा कि आपको गोडसे अच्छा लगता, लेकिन महात्मा गांधी नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा था, महात्मा गांधी महान व्यक्ति थे। क्या इन 75 वर्षों में हमारी जिम्मेदारी नहीं थी कि हम यह सुनिश्चित करें कि महात्मा गांधी को पूरी दुनिया जाने।

सीएम मोहन यादव का कांग्रेस पर तंज, कहा -

जैसे बंदरिया मरने के बाद भी बच्चे को नहीं छोड़ती, वैसे कांग्रेस पहली पीढ़ी को नहीं छोड़ रही

भोपाल (नप्र)। देश भर में लोकसभा चुनाव का प्रचार थमने के बाद सीएम डॉ मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान सीएम ने कांग्रेस नेतृत्व पर और राहुल गांधी पर हमला बोला। साथ ही प्रदेश में नर्सिंग कॉलेज की जांच में हुई गड़बड़ी पर भी पूछे गए सवाल का जवाब भी दिया।

सीएम ने कहा मोदी जी, अमित शाह खुद चुनाव लड़ रहे हैं, और पूरे देश में प्रचार कर रहे हैं। लेकिन, कांग्रेस के नेता एक बार हारे तो मैदान छोड़कर भाग गए। अमेठी से लड़ने की हिम्मत नहीं कर पाए। सीएम ने कहा ये परिवर्तन का दौर है। भाजपा पीढ़ी परिवर्तन कर लोकतंत्र में युवाओं को

के भरोसे पर लोकतंत्र को गौरवान्वित करने का काम करती है।

एक प्रकार से हमारी टीम में तुलनात्मक रूप से तीसरी पीढ़ी आ गई। लेकिन, कांग्रेस पहली पीढ़ी को ही नहीं छोड़ रही। एक प्रकार से जैसे बंदरिया अपने बच्चों को मरने के बाद भी नहीं छोड़ती। ये उनका अपना तरीका हो सकता है लेकिन चुनाव में जब तक आप जनता की भावनाओं समझकर जनता के सामने नहीं आएंगे तब तक रिजल्ट नहीं आएगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम से पूछा गया कि कांग्रेस का आरोप है कि नर्सिंग घोटाला जब हुआ उस वक्त जो मंत्री थे उनकी भूमिका की जांच होनी चाहिए? इसके जवाब में उन्होंने कहा-सुप्रीम कोर्ट-हाई कोर्ट सबके अपने फंक्शन हैं। हम सब कोर्ट का सम्मान करते हैं। कोर्ट के निर्णय के आधार पर सीबीआई की जांच चल रही है।

इस बार का चुनाव तो खुली किताब की तरह

सीएम ने कहा- कल अंतिम चरण में 58 सीटों पर वोट डलेंगे। जब 2014 में मोदी जी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित हुए तो बनारस में गंगा के किनारे चुनाव का झंडा गाड़ा था। उस समय केजरीवाल जी की आंधी थी। पूरे देश में केजरीवाल जी का जलवा था। केजरीवाल जी खुद उनके खिलाफ लड़ने आए थे, तब भी केजरीवाल को पटखनी दी थी। इस बार का चुनाव तो खुली किताब की तरह हो गया। 2014 में पूर्ण बहुमत मिला। 2019 में 300 पार कहा, तो 300 पर हुए और अबकी बार 400 पर कहा तो 400 पार के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। लेकिन, कांग्रेस का मनोबल कितना गिरा हुआ है। आप इसका अंदाजा लगा सकते हैं कि जो तीन बार के सांसद थे उनकी पैतृक सीट अमेठी थी लेकिन एक बार पटखनी खाई तो ऐसे भागे कि केरल के आगे समुद्र आ गया। वर्ना लोग कहते हैं वे अरब में जाकर चुनाव लड़ते। उन्हें चुनाव लड़ने जगह ही नहीं बच रही थी। अब सोनिया जी को क्या कष्ट था। वे जीती हुई सीट छोड़ रहीं हैं। एक हार कर भाग गए। कार्यकर्ताओं का मनोबल कैसे बनाओगे? इसके उलट देखो मोदी जी, अमित शाह जी चुनाव लड़ रहे हैं। पूरे देश में कैंपेन कर रहे हैं। चुनाव लड़ना किसे कहते हैं, चुनाव लड़ने के लिए आपके अंदर की आत्मा आपके साथ है।

सुप्रभात

उसे प्रेम हुआ
जब वह साढ़े अड़तीस की थी,
हां, साढ़े अड़तीस की।
ऐसा नहीं था
धड़का नहीं था दिल उसका
इक्कीस की उमर में,
ऐसा नहीं था
डाले थे उसने जानबूझकर
अपने पैरों में बेड़ियां,
ऐसा नहीं था
हासिल की थी उसने
मुहब्बत की कोई अलग तालीम,
ऐसा नहीं था
आभास नहीं था उसे उस तंज का
जो कसे जाते हैं बढ़ती उम्र पर,
ऐसा नहीं था
पहले तीस, फिर पैंतीस की होने पर
वह घबराई ना हो,
ऐसा नहीं था
उसके अरमान पाले थे
कुछ अलग सा हो प्रेम में।
हां इतना जरूर था
उसने पाया था प्रेम,
वियोग में, उपेक्षा में
मैत्री में, प्रतीक्षा में।
प्रेम अंततः बाध्य होकर
स्वयं चलकर आया उसके द्वार,
समूची शीतलता और ऊष्मा लिए
अपने सबसे मौलिक अवतार में।

- सौरभ

भोपाल का तापमान
अधिकतम 44.5 °c
न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 1 जून 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन से वापस लाया गया देश का 100 टन सोना

- 1991 में भुगतान संकट टालने के लिए चन्द्रशेखर सरकार ने रखा था गिरवी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बीच एक बड़ी खुशखबरी आई है। रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने ब्रिटेन से 100 टन से अधिक सोना देश में वापस मंगा लिया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने वापस लाए सोने को अपने भंडार में ट्रांसफर कर दिया है। बता दें कि 1991 में इस सोने को गिरवी रखा गया था और अब आरबीआई ने इसे वापस मंगा कर अपने स्टॉक में रख लिया है। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई ने आधे से अधिक सोने का भंडार बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ

इंटरनेशनल सेटेलमेंट्स के पास रखे हैं। जबकि इसका एक तिहाई हिस्सा देश में है। रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन से सोना भारत लाने के कारण आरबीआई को स्टॉक कास्ट बचाने में भी मदद मिलेगी। इसका भुगतान हर साल बैंक ऑफ इंग्लैंड को किया जाता है। आरबीआई के ताजा आंकड़ों के अनुसार 31 मार्च 2024 तक केंद्र सरकार के पास 822.10 टन सोना था। जबकि इसके पिछले साल 794.63 टन सोना था। बता दें कि 1991 में चंद्रशेखर सरकार ने भुगतान संकट टालने के लिए सोने को गिरवी रख दिया था।

प्रज्वल रेवन्ना की 35 दिन बाद हुई भारत वापसी

- बेंगलुरु एयरपोर्ट पर एसआईटी ने किया अरेस्ट, मां से आज होगी पूछताछ

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल के मुख्य आरोपी सांसद प्रज्वल रेवन्ना 35 दिन बाद गुरुवार रात जर्मनी से भारत पहुंचे। बेंगलुरु के कैम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर फ्लाइट लैंड होने के बाद रात करीब 1 बजे एसआईटी ने उन्हें कस्टडी में ले लिया। प्रज्वल को टीम अपने ऑफिस ले गई, जहां उन्हें रातभर रखा गया। शुक्रवार को पूछताछ से पहले एसआईटी प्रज्वल को बॉरिंग और लेडी कर्जन हॉस्पिटल में मेडिकल के लिए ले गई। वहीं,

उनके वकील अरुण भी एसआईटी ऑफिस में मौजूद रहे। मेडिकल के बाद प्रज्वल को मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जाएगा। यहां पुलिस उनकी कस्टडी की मांग करेगी। उधर, एसआईटी ने प्रज्वल की मां भवानी रेवन्ना से पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। टीम ने ने उन्हें 1 जून को होलेनरसीपुर में अपने घर पर मौजूद रहने कहा है। प्रज्वल हासन लोकसभा सीट से जेडीएस के उम्मीदवार हैं। उनके खिलाफ 3 महिलाओं से यौन उत्पीड़न के 3 मामले दर्ज हैं। वे 26 अप्रैल को वोटिंग के बाद जर्मनी चले गए थे।

प्रमुख जलाशयों के वाटर लेवल में दिखी बड़ी गिरावट

देश में भीषण गर्मी के बीच चिंता बढ़ाने वाले आंकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्मी के कहर के बीच केंद्रीय जल आयोग के आकड़ों ने चिंता और बढ़ा दी है।

इसके मुताबिक, देश के 150 प्रमुख जलाशयों का जल स्तर 23 फीसदी तक गिर गया है। पिछले साल के स्तर की तुलना में यह 77 फीसदी कम है। बीते हफ्ते इन जलाशयों का स्टोरेज 24 प्रतिशत था।

सीडब्ल्यूसी के मुताबिक, मौजूदा भंडारण पिछले साल के स्तर का महज 77 फीसदी और नॉर्मल स्टोरेज का 94 फीसदी है। आयोग की ओर से बताया गया कि टोटल लाइव स्टोरेज 41.705 बिलियन क्यूबिक मीटर है, जो कुल क्षमता के 23 प्रतिशत के बराबर है। जल आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल तुलना में इस बार गिरावट साफ नजर आ रही है। 2023 में यह आंकड़ा 53.832 बीसीएम और नॉर्मल स्टोरेज 44.511 बीसीएम था।

उड़ान में 20 घंटे की देरी, एयर इंडिया पर ऐक्शन मोड में सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली एयर इंडिया फ्लाइट को 20 घंटे की देरी होने पर उड्डयन मंत्रालय ने नोटिस जारी किया है। बता दें कि उड़ान में इतनी ज्यादा देर होने पर बहुत सारे यात्री बेहोश हो गए थे। यात्रियों ने बताया था कि विमान में एसी भी नहीं चल रहा था। वहीं बहुत सारे लोगों को एयरोब्रिज में ही अपना सामान रखकर लेटना पड़ गया। लोगों ने बताया कि हालात नरक जैसे हो गए थे। इसके बाद मंत्रालय ऐक्शन मोड में दिख रहा है। एयरलाइन ने बताया था कि संचालन संबंधी समस्या की वजह से उड़ान में इतनी देरी हो गई। इसके पीछे उड़ान की समय सीमा को जिम्मेदार ठहराया गया है। दरअसल पायलट्स एक तय समय के बाद विमान नहीं उड़ा सकते।

पीएम मोदी के ध्यान के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची तमिलनाडु कांग्रेस

- विवेकानंद रॉक के ध्यानमंडपम से पीएम की तस्वीरें सामने आईं, 1 जून तक यहीं रहेंगे

कन्याकुमारी (एजेंसी)। पीएम मोदी का कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान करने का शुक्रवार को दूसरा दिन है। सुबह उनके ध्यान करने की तस्वीरें सामने आईं। वे भगवा चोला, हाथ में रुद्राक्ष की माला और माथे पर तिलक लगाए दिखे। उन्होंने सूर्य को अर्घ्य दिया, मंदिर की परिक्रमा की और ध्यान मुद्रा में बैठे। पीएम एक जून सुबह 10 बजे तक विवेकानंद रॉक मेमोरियल में रहेंगे। उधर विपक्ष मोदी के ध्यान को आचार संहिता का उल्लंघन बता रहा है। तमिलनाडु कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पीएम अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसके खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। पीएम गुरुवार शाम को कन्याकुमारी पहुंचे थे। सबसे पहले भगवती देवी अम्मन मंदिर में दर्शन-पूजन किया।

पूजा के दौरान मोदी ने सफेद मुंडु (दक्षिण भारत का एक परिधान) और शॉल पहना था। पुजारियों ने उनसे विशेष आरती कराई।

यूपी से वडोदरा जा रही महिला की ट्रेन में मौत

भोपाल में हुआ पीएम; पति से कहा था- बर्दाश्त से बाहर हो गई गर्मी

भोपाल (नप्र)। गोरखपुर-वडोदरा एक्सप्रेस में सफर के दौरान बीना और विदिशा के बीच एक महिला यात्री की मौत हो गई। महिला गुरुवार को जनरल कोच में सफर कर रही थी, तभी उसकी तबीयत बिगड़ी, और उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद वह बेसुध हो गई।

बैरागढ़ स्टेशन पर डॉक्टर ने चेक किया तब तक महिला आशा देवी (40) की मौत हो चुकी थी। शव को उतारकर हमीदिया हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां शुक्रवार को पोस्टमॉर्ट्म के बाद

परिजन एंबुलेंस से शव लेकर उत्तर प्रदेश स्थित अपने गांव मऊनाथभंजन के लिए रवाना हो गए।

आखिरी कॉल पर बोली गर्मी बर्दाश्त नहीं हो रही

महिला के पति विनोद ने बताया- आखिरी बार कॉल पर आशा से गुरुवार सुबह करीब 11 बजे बात हुई थी। तब उसने बताया था कि ट्रेन में गर्मी बहुत अधिक है, बर्दाश्त के बाहर हो चुकी है। मेरी तबीयत ठीक नहीं लग रही है। मैंने उसे हिम्मत दिलाई थी कि गुजरात आते ही तुम्हारा चेकअप करा देंगे।

परिवार के साथ वडोदरा जा रही थी

जानकारी के मुताबिक आशा देवी उत्तर प्रदेश के मऊनाथभंजन की रहने वाली थीं। पति विनोद ने बताया कि वह गुजरात के वडोदरा जिले में ड्राइविंग जॉब करते हैं। पत्नी और पांच बच्चे वहीं साथ रहते हैं। छुट्टियों के चलते एक महीने पहले पत्नी 7 वर्षीय बेटे शुभम के साथ गांव गई थी। वहां से 29 मई की रात को 12 बजे गोरखपुर-वडोदरा एक्सप्रेस में सवार होकर भाई धर्मेंद्र, भाभी और बेटे शुभम के साथ जनरल कोच में वडोदरा लौट रही थी। गुरुवार को दोपहर 3 बजे करीब 15 घंटे के सफर के बाद आशा की तबीयत बिगड़ गई। ट्रेन में उसने नाश्ता किया था, इसके बाद दोपहर का खाना नहीं खाया। वह लगातार गर्मी के चलते घबराहट की शिकायत कर रही थी।

इसी बीच उसके लूज मोशन हुआ। कुछ ही समय बाद उसे उल्टियां हुई। इससे बीना से विदिशा के बीच वह बेसुध हो गई। बैरागढ़ स्टेशन पर ट्रेन रुकी तब डॉक्टर ने चेक किया। उसकी मौत हो चुकी थी।

पांच महीने में ही घाटी पहुंचे 12 लाख से ज्यादा टूरिस्ट

पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ देगा कश्मीर, विदेशी भी खूब आ रहे

श्रीनगर (एजेंसी)। भारत का केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर इतना खूबसूरत है कि इसे धरती पर स्वर्ग कहा जाता है। यहां हर साल लाखों की संख्या में पर्यटक घूमने जाते हैं। इस साल पर्यटकों की संख्या पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ने वाली है। जी हां, कश्मीर में पर्यटकों की आमद पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तैयार है क्योंकि इस साल अब तक 12.5 लाख से अधिक पर्यटक यहां आ चुके हैं। स्थानीय पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि अब तक 12.5 लाख से अधिक पर्यटक कश्मीर आ चुके हैं और मौजूदा रुझान को देखते हुए, वर्ष 2024 में पिछले सभी रिकॉर्ड टूटने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में, श्रीनगर शहर के सभी स्थानीय होटल, गुलमर्ग के एक रिसॉर्ट

और पहलगाम और सोनमर्ग के हिल स्टेशनों में जून के मध्य तक पूरी तरह से बुकिंग हो चुकी है। यहां एक अधिकारी ने कहा, इन जगहों पर सही में सभी होटल बुक हो चुके हैं। कश्मीर में गेस्ट हाउस, होमस्टे, डल और निगीन झीलों पर हाउसबोट और इस तरह की अन्य ठहरने की सुविधाओं पर भी यही सच्चाई है। इस साल सबसे उत्साहजनक बात यह है कि कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार और शांति के कारण विदेशी पर्यटक भी अच्छी संख्या में कश्मीर आने लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कश्मीर के होटलियर्स क्लब के एक सदस्य ने कहा, विदेशी पर्यटकों के कश्मीर आने से हमें विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है। इसके अलावा, अधिकांश विदेशी अधिक खर्चीले पर्यटक होते हैं, जिनका अपने रुकने के दौरान औसत खर्च औसत घरेलू पर्यटकों से अधिक होता है।

पोर्न स्टार केस

पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प सभी 34 मामलों में दोषी करार

- सजा पर सुनवाई 11 जुलाई को, राष्ट्रपति पद पर रहे पहले व्यक्ति जो दोषी पाए गए

वॉशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रम्प गुरुवार को किसी अपराध में दोषी पाए जाने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए। राष्ट्रपति चुनावों के बीच न्यूयॉर्क में लगभग 6 हफ्तों तक चली सुनवाई में उन्हें 34 आरोपों में दोषी करार दिया गया है। भारतीय समयानुसार सुबह 2 बजे कोर्ट ने ट्रम्प के दोषी होने का फरमान सुनाया। ट्रम्प के खिलाफ पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने और इलेक्शन कैंपेन के दौरान बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के केस चल रहे थे। यह मामला 2016 में उनके अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने से पहले का है। इसके खुलासे के बाद पहली बार ऐसा हुआ था जब अमेरिकी इतिहास में पहली बार किसी प्रेसीडेंट पर आपराधिक केस चलाया गया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, कोर्ट ने 6 सप्ताह में 22 गवाहों को सुना। इनमें स्टॉर्मी डेनियल्स भी शामिल थीं। दो दिनों तक विचार-विमर्श के बाद 12 मेंबर की ज्यूरी ने ट्रम्प के दोषी पाए जाने की घोषणा की। डोनाल्ड ट्रम्प को क्या सजा मिलेगी, इस पर अब 11 जुलाई को सुनवाई होगी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प को सजा सुनाने के वक्त कोर्ट रूम का माहौल काफी संजीदा था। ज्यूरी को फैसला सुनाने के लिए कोर्टरूम के ज्यूरी बॉक्स में बुलाया गया। 7 महीनों में चुपचाप केस को सुन रहे ज्यूर्रस को से पूछा गया कि वो किस नतीजे पर पहुंचे हैं। इसके बाद एक ज्यूरर ने माइक्रोफोन में कहा, दोषी। ये सुनते ही पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी आंखे बंद कीं और ना में सिर हिलाया । ट्रम्प के दोषी पाए जाने का फैसला 2 मिनट तक सुनाया गया। एक सदी पहले यूजीन वी डेब्स एकलौते ऐसे नेता रहे हैं जिन्होंने जेल में रहकर राष्ट्रपति बनने के लिए कैंपेन चलाया था। तब अब तक कोई ऐसा मामला सामने नहीं आया है जिसमें कोई दोषी करार शख्स चुनाव लड़ रहा हो।

विश्व का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र

खतरनाक नाला-पहाड़ भी पार किया

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियां ऐसी हैं, जहां मतदान करवाना चुनौती से कम नहीं। राज्य में एक पोलिंग बूथ ऐसा है, जहां हेलीकॉप्टर से पहुंचा जा सकता है। एक मतदान केंद्र में नाव से साढ़े 5 किलोमीटर का सफर कर पोलिंग पार्टी पहुंच पाई हैं। प्रदेश में दर्जनों ऐसे पोलिंग बूथ हैं, जहां पहुंचने के लिए पोलिंग पार्टियों को ऊंचे-ऊंचे पहाड़, खतरनाक नदी-नाले और बर्फ के पहाड़ पार कर पहुंचना पड़ा। यही नहीं, विश्व का सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थापित मतदान केंद्र भी हिमाचल के लाहौल-स्पीति जिले में है।

राकांपा ने सुजानपुर के उपचुनाव में शांतिपूर्ण मतदान का आव्हान

सुजानपुर। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने सुजानपुर विधान सभा के उपचुनाव में मतदाताओं से शांतिपूर्ण मतदान का अव्हान करते हुए चुनाव मशीनरी और सुरक्षा कर्मियों को सहयोग करने की अपील की है।

मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता व उप चुनाव के स्टार प्रचारक बृजमोहन श्रीवास्तव ने मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने का अनुरोध किया है । उन्होंने कहा कि मतदान से हम लोकतंत्र के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी को पूरा करते है तथा यह दायित्व बोध हमारे समाज के ताने-बाने को मजबूत करता है और देश के सभी नागरिकों के उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है।

प्रेस नोट के माध्यम से एनसीपी ने हमीरपुर के ज़िला निर्वाचन अधिकारी द्वारा की गई चुनाव व्यवस्था पर सन्तोष व्यक्त करते हुये कहा कि प्रशासनिक ने ज़िले में अन्तिम चरण में मतदान को सुचारू रूप से पूरा करने की हर सम्भव कोशिश की है इसका लाभ उठाते हुये शत प्रतिशत मतदान करने की ज़िम्मेदारी मतदाताओं की है। उन्होंने ने मतदाताओं का ध्यान तेज गर्मी की ओर भी दिलाया है।

बृजमोहन श्रीवास्तव ने अन्त में कहा कि चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का मत है कि सभी राजनैतिक दलों का दायित्व है कि वह पार्टी के सदस्यों को शांतिपूर्ण मतदान के लिये कहें जिससे देश में लोकतंत्र मज़बूत हो।

बच्चों के यौन शोषण पर तत्काल शिकायत करें

पॉक्सो एक्ट में पुलिस संवेदनशीलता से करेगी कार्रवाई, नहीं मिलेगी अग्रिम जमानत

भोपाल (नप्र)। पॉक्सो अधिनियम बच्चों को यौन शोषण के अपराधों से बचाने का प्रावधान है। यह कानून न सिर्फ बालिकाओं के यौन शोषण बल्कि नाबालिग लड़कों के साथ भी कोई अश्लील छेड़-छाड़ होती है तो उसे भी अपराध की ही श्रेणी में माना जाएगा। इस अधिनियम के तहत दुष्कर्म की पारंपरिक परिभाषा के अलावा उन कृत्यों को भी दुष्कर्म के संज्ञा दी गई है। जिससे बच्चे के साथ गलत भावना से छेड-छाड़ की जाती है। यदि किसी व्यक्ति का पॉक्सो एक्ट के अन्तर्गत दोष सिद्ध हो जाता है तो उसे अपराधी मानते हुए कड़ी सजा देने का प्रावधान रखा गया है। पॉक्सो एक्ट में संशोधन से पहले अग्रिम जमानत का प्रावधान था। लेकिन संशोधन के बाद आरोपी को अग्रिम जमानत भी नहीं दी जाती।

पॉक्सो अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया– अगर आप या आपका कोई जानने वाला यौन शोषण का शिकार हुआ है तो आप पॉक्सो एक्ट के तहत शिकायत दर्ज करा सकते हैं। पहला कदम पुलिस से संपर्क करना और घटना की रिपोर्ट करना है। आप या तो व्यक्तिगत रूप से पुलिस स्टेशन जा सकते हैं या शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर कॉल भी कर सकते हैं। आपको घटना की तिथि, समय और स्थान के साथ-साथ यदि संभव हो तो अपराधी की पहचान जैसे विवरण प्रदान करने की आवश्यकता होगी। पुलिस दुर्व्यवहार के सबूत इकट्ठा करने के लिए पीड़िता की मेडिकल जांच की व्यवस्था करेगी। अगर पुलिस को पता चलता है कि शिकायत पॉक्सो अधिनियम के दायरे में आती है, तो वे प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करेंगे और जांच शुरू करेंगे। पॉक्सो अधिनियम के तहत एक नामित अदालत में मामले की कोशिश की जाएगी। पीड़िता और गवाहों को कोर्ट में गवाही देनी होगी। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पॉक्सो अधिनियम पीड़ित और गवाहों की पहचान की सुरक्षा के लिए भी प्रावधान करता है।

जल संकट को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची दिल्ली सरकार

याचिका में अपील-हरियाणा, यूपी और हिमाचल प्रदेश को ज्यादा पानी छोड़ने कहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। जल संकट से जूझ रही दिल्ली के लिए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। शुक्रवार को दाखिल की गई याचिका में केजरीवाल सरकार ने अपील की है कि कोर्ट हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश से एक महीने के लिए एक्स्ट्रा पानी देने के लिए निर्देश दे। दिल्ली सरकार ने कहा है कि गर्मी की वजह से शहर में पानी की मांग काफी बढ़ गई है और पड़ोसी राज्यों को एक महीने के लिए और ज्यादा पानी देने का निर्देश दिया जाना चाहिए। राजधानी में पानी की बहुत ज्यादा कमी है और जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा पर

दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं देने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी भाजपा से अपील की है कि वह हरियाणा और उत्तर प्रदेश में अपनी सरकारों से एक महीने के लिए पानी देने के लिए कहे। सीएम केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि भीषण गर्मी में पानी की डिमांड बहुत बढ़ गई है। जो पानी दिल्ली को पड़ोसी राज्यों से मिलता था, उसमें भी कमी कर दी गई है। यानी सप्लाई कम हो गई है। हम सबको मिलकर इसका निवारण करना है। मैं देख रहा हूं कि बीजेपी के साथी हमारे खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

तूफानी तेजी से बढ़ रही देश की इकोनॉमी

मार्च तिमाही में 7.8 फीसदी रही जीडीपी ग्रोथ

नई दिल्ली (एजेंसी। लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर आई है। देश की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत रही जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 7 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के मुताबिक, देश की जीडीपी वृद्धि दर जनवरी-मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत रही जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 6.2 प्रतिशत थी। भारत का ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट वित्त वर्ष 24 की अंतिम तिमाही में शानदार तेजी से बढ़ा है। चुनाव नतीजों से पहले जीडीपी के आंकड़े जारी हुए हैं। देश की जीडीपी मार्च तिमाही में 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी है। अब केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 24 की समग्र विकास दर 8.2 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

भोपाल में लोडेड पिस्टल के साथ हिस्ट्रीशीटर बदमाश गिरफ्तार

दस हजार में दोस्त से खरीदी थी, राहगीरों को डराकर अड़ीबाजी की थी प्लानिंग

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल की क्राइम ब्रांच ने लोडेड देसी पिस्टल के साथ हिस्ट्री शीटर बदमाश को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर की गई है। आरोपी ने दस हजार में पिस्टल दोस्त से खरीदी थी। इस पिस्टल से वह राहगीरों को डराकर अड़ीबाजी के इरादे में था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक गुरुवार की रात को मुखबिर से सूचना मिली कि बीडीए रोड गांधी नगर में युवक संदिग्ध हालात में खड़ा है। वह पिस्टल दिखाकर राहगीरों को डरा रहा है। सूचना के बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान अरबाज शेख पुत्र शफीक शेख (22) निवासी मुर्गी बाजार जहांगीराबाद के रूप में की गई है। उसके खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में एक दर्जन अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

दोस्त से खरीदी थी पिस्टल

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि पिस्टल को उसने तीन महीने पहले जहांगीराबाद के रहने वाले मोहसिन से खरीदा था। वह पिस्टल दिखाकर शहर के आउटरों पर राहगीरों से लूट और अड़ीबाजी करना चाहता था। इसी नियत से गांधी नगर गया था। जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया है।

आरटीओ भोपाल में लाइसेंस फोटो प्रक्रिया

एक की बजाय दो हुए लाइसेंस काउंटर, अब दस मिनट में होगा काम

भोपाल (नप्र)। आरटीओ भोपाल में लाइसेंस के फोटो खिचवाने वाले आवेदकों के लिए सुविधा शुरू की गई है। इसके चलते अब भोपाल में 1 की बजाय 2 काउंटर किए गए हैं। जिसके चलते अब आवेदकों को लंबर इंतजार नहीं करना पड़ेगा। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लगातार लाइसेंस आवेदकों की संख्या बढ़ रही थी, जिसके चलते यह निर्णय लिया गया। बताया जा रहा है कि प्रतिदिन आरटीओ में 250 से 400 तक आवेदक लाइसेंस का फोटो खिंचवाने के लिए आते हैं।

दूसरा आरटीओ जहां 2 काउंटर

इस मामले में बात करते हुए डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर उमेश जोगा बताते हैं कि हर जगह बहुत स्मूदली काम चल रहा है, अगर कहीं काउंटर बढ़ाने की जरूरत पढ़ेगी तो हम वहां बढ़ाएंगे, इससे पहले ग्वालियर में दो काउंटर थे अब भोपाल में भी कर दिए गए हैं। बाकी अन्य जिलों में सामान्यतः एक काउंटर है, कहीं जरूरत पड़ेगी तो इसे हम बढ़ाएंगे। बाकी अभी इसकी जरूरत नहीं नहीं आती है।

कुछ दिन पहले हुई थी दिक्कत

करीब 15 दिन पहले आरटीओ भोपाल में 400 से अधिक आवेदक एक साथ पहुंचे थे, जिसके चलते कुछ आवेदकों को दिक्कत का सामना करना पड़ा था, उसके बाद विभाग के अधिकारियों ने दो काउंटर कर दिए हैं। जिससे कि आवेदक 5 से 10 मिनट में अपना काम करके यहां से रवाना हो सकता है।

विभाग ने यह कहा...

हमारे द्वारा एक काउंटर लाइसेंस आवेदकों के लिए बढ़ाया गया है। इससे अब यहां आने वाले आवेदकों का समय बचेगा, अन्य सुविधाओं को भी जांचा जा रहा है अगर कहीं आवेदकों को समस्या होगी तो उसकी भी व्यवस्था की जाएगी।

– संजय तिवारी, आरटीओ भोपाल

स्पेशल डीजी बने इंदौर में पदस्थ वरुण कपूर

सत्यानंद और सुदीप सिंह बने पीसीसीएफ, केंद्र में पदस्थ तीन आईएफएस को भी प्रोफार्मा पदोन्नति

भोपाल (नप्र)। गृह विभाग ने इंदौर में पदस्थ एडीजी को पदोन्नत कर स्पेशल डीजी बनाया है। वहीं, वन विभाग ने दो आइएफएस अफसरों को पीसीसीएफ (प्रिंसिपल चीफ कन्जर्वेटर फॉरेस्ट) के पद पर पदोन्नत किया है। दोनों ही विभागों में पदोन्नत किए गए अफसरों को 31 मई को रिटायर हुए अधिकारियों के कारण रिक्त हुए पदों पर प्रमोट किया गया है। ये अधिकारी एक जून से पदोन्नत माने जाएंगे। शुक्रवार को जारी आदेश में गृह विभाग ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आरएपीटीसी इंदौर वरुण कपूर को स्पेशल डीजी के पद पर पदोन्नत किया है। कपूर की पदस्थापना इंदौरी में पुराने पदस्थापना स्थल पर ही रखी गई है। कपूर 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और स्पेशल डीजी अनुराधा शंकर सिंह के शुक्रवार को रिटायर होने के चलते उन्हें स्पेशल डीजी के पद पर पदोन्नत होने का मौका मिला है। कपूर एक जून से नवीन पदस्थापना स्थल पर पदोन्नत माने जाएंगे।

ये आईएफएस हुए प्रमोट– दूसरी ओर, वन विभाग के द्वारा जारी आदेश में सुदीप सिंह अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक राज्य वन विकास निगम को प्रधान मुख्य वन संरक्षक पद पर पदोन्नत कर सदस्य सचिव मप्र राज्य जैव विविधता बोर्ड बनाया गया है। इसी तरह सत्यानंद को अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षण वन्य प्राणी से पदोन्नत कर प्रधान मुख्य वन संरक्षक व संचालक राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में पदस्थ किया गया है।

कोरोना के साइड इफेक्ट

बच्चों में मीजल्स तो बड़ों में मम्स बीमारी बढ़ी, जबकि टीकाकरण के बाद इनका असर हो गया था कम

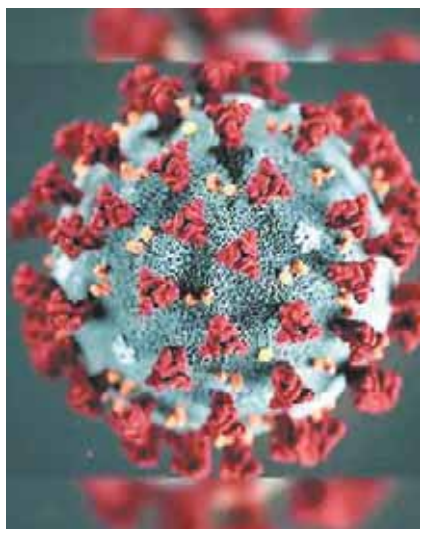

भोपाल (नप्र)। कोरोना महामारी में लगी वैक्सीन और इसके साइड इफेक्ट दिखना शुरू हो गए है। व्यापक टीकाकरण के बाद मीजल्स बीमारी का असर प्रदेश में 2019 तक लगभग खत्म हो गया था, लेकिन कोविड के बाद से बच्चों में अब इसको दोबारा देखा जा रहा है। दूसरी तरफ बड़ों में मम्स बीमारी के केस बढ़ रहे हैं।

प्रदेश के 400 बच्चों पर की गई रिसर्च में यह बात सामने आई है। दरअसल, बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में माइक्रोबायलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुमति रावत ने अपनी रिसर्च में प्रदेश के 400 बच्चों पर पोस्ट कोविड पड़ने वाले असर पर स्टडी की। इसमें यह बात सामने आई है। 2023 में हुई यह रिसर्च हाल ही में अमेरिकन सोसायटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित हुई है। उसके प्रेजेंटेशन के लिए उन्हें जून माह में अटलांटा आमंत्रित किया है। जहां दुनिया भर के वैज्ञानिकों और चिकित्सकों के सामने अपनी रिसर्च को प्रस्तुत करेंगी। भारत सरकार ने उन्हें अनुदान भी दिया है।

सांस की बीमारी से पीड़ित काफी बच्चे आ रहे थे

डॉ. सुमति रावत ने बताया कि सांस की बीमारियों से पीड़ित काफी बच्चे आ रहे हैं। एक ही तरह की बीमारी के लक्षण वाले बच्चों को देखकर उन्होंने इन समेत सांस की बीमारी से पीड़ित 400 बच्चों पर रिसर्च की। इसमें कई तरह के वायरस के लक्षण देखने को मिले। 400 बच्चों में से 96 बच्चे किसी ना किसी तरह के वायरस से पीड़ित थे और कुछ बच्चों में मीजल्स के लक्षण भी देखने को मिले थे। यद्यपि अस्पतालों में भी मीजल्स यद्यपि अस्पतालों में भी मीजल्स के बच्चे आसानी से नहीं मिलते थे।

4 से 5 साल तक के बच्चों को लेकर रखें विशेष ध्यान

डॉ. सुमति रावत ने बताया कि मीजल्स के खतरे को भांपते हुए खासकर 4 से 5 साल के बच्चों को लेकर ये ध्यान रखना होगा कि इनका खान पान अच्छा हो, ताकि उनका वजन घटने न पाए, उनको बार -बार दस्त ना लगे, क्योंकि डायरिया से भी वजन कम हो जाता है। इसके अलावा स्वस्थ बच्चों के लिए भी डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन कहती है कि उनको एक बूस्टर डोज लगना चाहिए। मीजल्स के लिए 12 से 15 महीने की उम्र में बच्चों को वैक्सीन दी जाती है। इसके अलावा जब बच्चा 5 साल का होता है, तो एक बूस्टर डोज लगवा लें क्योंकि ये इन्फेक्शन ज्यादातर बच्चों को चौथे और पांचवे साल में होता है।

लोकसभा चुनाव में लगे नेताओं का परफॉरमेंस रिव्यू करेगी भाजपा

4 जून के बाद होगी समीक्षा बैठक, विधानसभा क्षेत्र में लीड घटी तो विधायकों की टेंशन बढ़ेगी

भोपाल (नप्र)। 4 जून को लोकसभा चुनाव का रिजल्ट आने के बाद बीजेपी अपने नेताओं, पदाधिकारियों का रिव्यू करेगी। भोपाल में सभी लोकसभा की चुनाव प्रबंधन समितियों और विधानसभाओं की चुनाव प्रबंधन समिति के 38 विभागों की समीक्षा की जाएगी।

प्रदेश स्तर पर एमपी की सभी 29 लोकसभा सीटों के लोकसभा प्रभारी, संयोजक, विधायक, चुनाव प्रबंधन से जुड़े नेताओं के काम की समीक्षा की जाएगी। भोपाल में होने वाली रिव्यू मीटिंग में बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, सीएम डॉ मोहन यादव, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे।

विधायक भी टेंशन में– बीजेपी लोकसभा चुनाव के बाद इस बात की समीक्षा करेगी कि, चुनाव प्रबंधन में किस पदाधिकारी को क्या जवाबदारी दी गई थी और उसे जो टास्क दिए गए हैं वे कितने पूरे हुए हैं। इसके साथ ही यह देखा जाएगा कि किसके इलाके में कितने बूथ पार्टी ने जीते, खासकर विधायकों के क्षेत्र में यह तुलनात्मक रूप से रिपोर्ट बनाकर समीक्षा की जाएगी कि 2023 के विधानसभा चुनाव में कितने बूथ जीते थे और लोकसभा चुनाव में उनमें से कितने बूथों पर हार मिली। यदि विधानसभा सीट पर लीड घटी तो विधायक से संगठन जवाब तलब कर सकता है।

कायकर्ता को काम देकर लगातार निगरानी करती है भाजपा– बीजेपी के प्रदेश महामंत्री और विधायक भगवानदास सबनानी कहते हैं भारतीय जनता पार्टी संगठन की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं को देती है और उस कार्यकर्ता के काम की लगातार समीक्षा ये काम का हिस्सा है। चाहे लोकसभा का चुनाव हो या विधानसभा का चुनाव हो, छोटे चुनाव हों, या कोई अन्य दायित्व दिया है। तो उस दायित्व की समीक्षा की जाती है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

भोपाल (नप्र)। हिंदी पत्रकारिता दिवस पर भोपाल प्रेस क्लब के तत्वावधान में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार अजय बोकिल ने की। संगोष्ठी में हिंदी पत्रकारिता की दशा और दिशा पर चर्चा हुई। आज हिंदी पत्रकारिता संघर्ष के दौर से गुजर रही है। अखबारों की स्थिति बहुत चिंताजनक है। हिंदी भाषा के साथ समस्या ये है कि हमारे परिवारों से हिंदी गायब होती जा रही है। बचपन से ही हिंदी अंग्रेजी मिलिजुली भाषा प्रयुक्त की जाती है। हिंदी भाषी राज्यों के स्कूलों में ही हिंदी अच्छी नहीं पढ़ाई जाती। सत्ता हमेशा स्वतंत्र पत्रकारिता के खिलाफ ही रही है। आज अखबारों को बंद करने की साजिश चल रही है। हिंदी पत्रकारों को अपने अपने स्तर पर प्रयास करने की जरूरत है। हिंदी जिंदा रहेगी

तो हिंदी पत्रकारिता भी जिंदा रहेगी। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार अरुण दीक्षित, सतीश सक्सेना, अलीम बज्मी, नासिर हुसैन, प्रकाश कुमार सक्सेना, विजय शर्मा, हाकम सिंह, डीएन पांडे, सैयद नासिर अली, जगत बहादुर सिंह, ओपी श्रीवास्तव, गोपी बलवानी आदि मौजूद रहे। अंत में संजय सक्सेना ने आभार व्यक्त किया।

भोपाल में विवाहिता से ज्यादती, एफआईआर दर्ज

पति के दोस्त ने दिया वारदात को अंजाम, पुलिस हिरासत में आरोपी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बागसेवनिया थाना क्षेत्र में स्थित एक बंगले में काम करने वाले एक युवक ने सहकर्मी की पत्नी को डरा-धमकाकर दुष्कर्म किया। बाद में आरोपी बाहर से कमरे का दरवाजा लगाकर फरार हो गया। पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार 22 वर्षीय महिला बागसेवनिया में रहती है। उसका पति पॉश कॉलोनी में स्थित एक बंगले में नौकरी करता है। बंगले की छत पर बने एक कमरे में वह पत्नी व 2 मासूम बच्चों के साथ रहता है। कुछ माह पहले उसी बंगले में शिवांग त्रिपाठी नाम का युवक भी काम के लिए आया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि कल 30 मई को मैं अपने कमरे में थी, एक बच्चा सो रहा था, जबकि दूसरा बाहर खेल रहा था। तभी शिवांग त्रिपाठी कमरे में घुस आया। पति के साथ काम करने के कारण वह मना नहीं कर सकी। इसके बाद आरोपी ने डरा-धमकाकर महिला के साथ दुष्कर्म किया और जाते समय पीड़िता का कमरा बाहर से बंद कर फरार हो गया। शाम को पति के आने पर महिला ने पूरी घटना बताई और थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया।

6 महीने बाद लौटे पति को घर में आपत्तिजनक सामान मिला

गुस्से में पत्नी पर धारदार हथियार से किया हमला, आई गंभीर चोटें, आरोपी फरार

भोपाल (नप्र)। पति शहर में नहीं रहता था, घर आने पर उसे घर में आपत्तिजनक सामान मिला, जिसके बाद गुस्से में उसने पत्नी के हाथ पर धारदार हथियार से जांघ और हाथ पर वार किया। इस कारण गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसकी शिकायत महिला ने चूना भट्टी थाने में की, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुंरत ही महिला का मेडिकल करवाकर आरोपी की तलाश कर रही है। हालांकि महिला का कहना है कि अभी तक उसके पति को गिरफ्तार नहीं किया गया है। जिसके बाद वह दोबारा जान से मारने की धमकी दे रहा है। महिला का पुलिस पर आरोप है कि अभी तक उसके पति की गिरफ्तारी नहीं हुई।

पहले गर्म पानी डालने की कोशिश की

चूना भट्टी इलाके में रहने वाली एक महिला ने पुलिस को 29 मई रात करीब 11:30 बजे शिकायत कि मेरा पति जो विदिशा में रहता है, आज शाम 6.30 बजे के करीब आया हम लोग रात को 9 बजे जानकी मंदिर भंडारा खाने जा रहे थे तो मैं अपने पति से बोली के आप भी चलो तो वो भंडारा खाने से मना किया एवं बोला कि मैं घर पर ही रहूंगा इसके बाद मैं मोहल्ले की औरतों के साथ भंडारा खाने चली गई। वहां से 10.45 बजे लौट के घर आयी तो मेरे पति घर पर गर्म पानी कर रहे थे मैंने पूछा की ये क्या कर रहे हो तो बोले कि गला दर्द हो रहा है गर्म पानी पीयूंगा। जिसके बाद उन्होंने मेरे ऊपर गर्म पानी डालने की कोशिश की, जिससे मैं खुद बची।

फिर धारदार हथियार से किए वार

इसके थोड़ी देर बाद दीवार पर लगी घडी को देखा जो बंद थी तो घड़ी के पास जाकर एक कागज का पैकेट उठाया एवं बोलने लगे कि यह क्या है, मैं बोली मुझे नहीं मालूम इसी बात को लेकर कहने लगे कि मैं नहीं रहता हूं तो तुम ये क्यों रखी हो और मुझसे उल्टी सीधी बातें करने लगे एवं मुझे दो थप्पड़ भी मारे। इसके बाद आसपास के लोग आ गए तो वहीं पर रखी हसिया उठाई जो धारदार नुकीली थी उससे मारने को हुए तो मैं अपने बाएं हाथ से बचाव करने लगी जो वो हसिया से लगातार मारते रहे जिससे मुझे दो तीन बार बांये हाथ में लगी और जांघ पर भी चोट लगी। तब तक हमारे मकान मालिक के लड़के उसकी माँ बीच बचाव किया एवं घटना देखी है तब मेरा पति बोला कि आज तुम लोग इसे बचा लिए इसका चरित्र ठीक नही है मैं इसे जान से खत्म कर दूंगा ।

भोपाल में द्रोणाचंल स्थित योद्धा स्थल पर लाइट एंड साउंड शो आरंभ होगा

भोपाल के मिलिट्री स्टेशन एरिया में विकसित होगा हर्बल गार्डन और वैलनेस सेंटर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से सुदर्शन चक्र कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने की मुलाकात

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सिविल-मिलिट्री सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए गतिविधियां संचालित की जाएगी। इसके जन सामान्य के लिए शीघ्र ही द्रोणाचंल स्थित योद्धा स्थल पर लाइट एंड साउंड शो आरंभ किया जाएगा। सेना द्वारा प्रदान किए गए दो टैंक शीघ्र ही शौर्य स्मारक पर प्रदर्शन किया जाएगा। इस संबंध में कोर कमांडर सुदर्शन चक्र, लेफ्टिनेंट जनरल पी.पी. सिंह से चर्चा हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भोपाल मिलिट्री स्टेशन क्षेत्र में प्रदेश के आयुष विभाग के सहयोग से

वैलनेस पर केंद्रित हर्बल गार्डन विकसित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। गार्डन के लिए भूमि सेना द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी, हर्बल गार्डन और वैलनेस सेंटर का लाभ भोपालवासियों को भी मिलेगा। मुलाकात में स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर छिब्बर भी समत्व भवन में उपस्थित रहे।

दो महीने में तीन हिरणों का शिकार, वन विभाग मौन

भोपाल में कुत्तों ने जहां गर्भवती काले हिरण को नोंचा, वहां शराब की बोतलें भी मिलीं

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बिशनखेड़ी स्थित भोज वेटलैंड में कुत्तों ने जहां काले हिरण को नोंचा, उसके 200 मीटर के दायरे में 2 महीने के अंदर 2 हिरणों का और शिकार हुआ है। अब तक यहां 3 हिरणों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद शिकार रोकने के प्रयास नहीं हुए। कुत्तों को नहीं खदेड़ा जा सका। दूसरी ओर, जिस जगह हिरण का शव मिला, उसके पास ही शराब, कोल्ड्रिंक्स की बोतलें और नमकीन के रेपर भी मिले हैं। आशंका है कि हिरण के शिकार के पीछे शिकारियों का हाथ तो नहीं।

हिरण की मौत के बाद मीडिया बिशनखेड़ी के बीलखेड़ी स्थित वन विभाग के रेस्ट हाउस के पास पहुंचा। रेस्ट हाउस से कुछ दूर ही गुरुवार को एक काले हिरण का शिकार हुआ था। चौकीदार और नाकेदार ने गर्भवती मादा किरण का शव पड़ा देखा था, जिसका वन विहार नेशनल पार्क में पोस्टमॉर्ट्म भी किया गया। डीएफओ आलोक पाठक ने काले हिरण का शिकार होना बताया। वहीं, चौकीदार जगदीश शर्मा का कहना था कि वह सामान्य हिरण था।

बिशनखेड़ी स्थित भोज वेटलैंड में काले हिरण का शव मिला। मादा हिरण गर्भवती थी। वन विभाग का कहना है कि उस पर कुत्तों ने हमला किया था।

100 मीटर के दायरे में पार्टी की सामग्री मिलीं

वन विभाग का रेस्ट हाउस बड़ा तालाब से सटा है। तालाब के किनारे से रेस्ट हाउस की दूरी करीब 100 मीटर है। जिस जगह कुत्तों ने हिरण का शिकार किया, उसके आसपास ही शराब की बोतलें पड़ी मिलीं। यहां पार्टी की सामग्री भी मिली। इस पर नाकेदार शेकलाल ने बताया कि पहले लोग यहां पार्टी करते थे, अब सख्ती करते हैं, इसलिए कोई नहीं आता।

अफसरों का तर्क– कुत्तों ने शिकार किया

इस मामले में डीएफओ आलोक पाठक का कहा कि कुत्तों ने हिरण का शिकार किया। इसके चलते गुरुवार को ही वन विभाग की टीम पुलिस के साथ मौके पर पहुंची और कुछ दूर भेड़ वालों को खदेड़ा। इन भेड़वालों के साथ कुत्तों के झुंड भी थे। इधर, चौकीदार शर्मा ने बताया कि पांच-छह कुत्ते गांव के ही हैं। वे अब जंगल में ही रहते हैं, जो शिकार देखकर पीछा कर लेते हैं। मार्च में भी हिरण के दो बच्चों का शिकार कुत्तों ने किया था।

इस साल 114 वन्यप्राणियों का हुआ शिकार

वन विभाग की अवैध शिकार प्रकरण रिपोर्ट के अनुसार एमपी में 1 जनवरी 2024 से लेकर अब तक कुल 114 जंगली जानवरों का शिकार प्रदेश के अलग - अलग स्थानों पर हुआ है। शिकारियों ने सबसे ज्यादा 24 तेंदुए, 20 चीतल, 16 नीलगाय और 14 जंगली सुअरों का शिकार किया है। इसके अलावा 3 काले हिरणों का भी शिकार हुआ है। काले हिरण के यह शिकार सीहोर, रायसेन और सागर जिले में हुए हैं।

संपादकीय

मोदी का ध्यान, मनमोहन की चिट्ठी !

लोकसभा चुनाव में मतदान के सातवें और अंतिम चरण के ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक पर 48 घंटों का ध्यान और पंजाब में मतदान के दो दिन पहले वयोवृद्ध पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहनसिंह द्वारा पीएम नरेन्द्र मोदी पर नफरती भाषण देकर पद की गरिमा कम करने का आरोप लगाने वाली चिट्ठी का उद्देश्य केवल वोट बैंक साधना है। मतदान के अंतिम चरण में 1 जून को पश्चिम बंगाल की 9 व पंजाब की सभी 13 सीटों पर वोट डाले जाने हैं। दोनो राज्यों में कांटे की लड़ाई है। भाजपा और प्रतिपक्ष के बीच वार पलटवार जारी हैं। इसकी शुरूआत पीएम मोदी द्वारा तीन दिन पूर्व कोलकाता और बाकी बंगाल में धुंआधार प्रचार के बाद ऐलान किया गया कि वो चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद 48 घंटे कन्याकुमारी में ध्यान करेंगे। इस दौरान वो कोई ठोस आहार ग्रहण नहीं करेंगे। केवल तरल पदार्थ लेंगे। सवाल ये उठा कि पीएम मोदी को अभी कन्याकुमारी में ध्यान करने की याद क्यों आई? वो चाहते तो बाद भी कर सकते थे। ध्यान करने से उन्हें किसने रोका है? लेकिन इस ध्यान का असल मकसद आध्यात्मिक साधना कम पश्चिम बंगाल के उस वोटर को साधना ज्यादा है, जहां बीजेपी इस बार काफी ज्यादा समर्थन की उम्मीद लगाए बैठी है। पीएम और भाजपा का मानना है कि विवेकानंद के बहाने बंगाल के वोटर को अपने पक्ष में किया जा सकता है। उधर विपक्ष ने इस ध्यान के दांव के मद्देनजर चुनाव आयोग से कहा कि वो पीएम के इस ध्यान के मीडिया कवरेज पर रोक लगाए। हालांकि चुनाव आयोग के लिए यह संभव नहीं है, क्योंकि ध्यान करना चुनाव प्रचार की स्थापित परिभाषा में नहीं आता। ध्यान से सबसे ज्यादा परेशान पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी हैं, जो राज्य की एक एक सीट को बचाने के लिए जी जान लड़ा रही हैं। उधर मोदी के इस ध्यान दांव की काट के रूप में कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से एक चिट्ठी लिखवाई है। जिसमें आरोप लगाया गया है कि देश में नरेंद्र मोदी पहले ऐसे पीएम हैं जिन्होंने सार्वजनिक चर्चा की गरिमा को कम किया है। इससे पहले किसी प्रधानमंत्री ने किसी ख़ास वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के लिए इतने नफ़रत भरे और असभ्य शब्द नहीं कहे।

मनमोहन सिंह ने पंजाब के मतदाताओं से 'विकास और समावेशी प्रगति' के लिए वोट करने की अपील की। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, 'पंजाब और पंजाबी योद्धा हैं। हम अपनी त्याग की भावना के लिए जाने जाते हैं। हमारा अदम्य साहस, समावेशिता, सद्भाव, सौहार्द और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास ही हमारे महान राष्ट्र की रक्षा कर सकता है। डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा कि मोदी ने मेरे नाम पर कुछ गलत बयान भी दिए। मैंने अपने जीवन में कभी भी एक समुदाय को दूसरे से अलग नहीं किया। ऐसा केवल भाजपा ही करती है। भारत के लोग यह सब देख रहे हैं। अमानवीयकरण की यह कहानी अब अपने चरम पर पहुंच गई है। हमारा कर्तव्य है कि हम अपने प्यारे देश को इन फूट डालने वाली ताकतों से बचाएं। बीते दस सालों में भाजपा सरकार ने पंजाब, पंजाबियों और पंजाबियत को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। 750 किसान, जिनमें से ज्यादातर पंजाब के थे, दिल्ली की सीमाओं पर महीनों तक लगातार इंतज़ार करते हुए शहीद हो गए। किसानों की एकमात्र मांग थी कि उनसे सलाह किए बिना उन पर थोपे गए तीन कृषि कानूनों को वापस लिए जाएं।' पूरी चिट्ठी से जाहिर है कि वह राजनीतिक है, क्यों मनमोहन राजनीतिक बयान देते ही नहीं हैं और ऐसी चिट्ठी लिखने लायक उनका स्वास्थ्य भी नहीं है।

नजरिया

डॉ. सुधीर सक्सेना

सितारों की सियासत : जब तारे जमीं पर चलते हैं

सिनेमा और सियासत का रिश्ता पुराना है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि सिने-सितारों का सिक्का सियासत में भी चले। सिने आकाश के कई सितारे सियासत की ज़मीन पर लड़खड़ा जाते हैं। कई सितारे फ्लॉप हो जाते हैं और कई राजनीति से तौबा कर लेते हैं। उत्तर के मुकाबले दक्षिण भारत में सिनेमा और सियासत का रिश्ता अधिक सघन और सान्द्र है तथा इन रिश्तों की गाथा भी अधिक चमकीली और गर्वीली है। डेक्कन की राजनीति की पटकथा बिना सिने-सितारों के ज़िक्र के अधूरी है। दक्षिण भारत की राजनीति की रोचक नाटकीयता उसे रूपहले पर्दे के सितारों की देन है। यह सिलसिला आजादी के तुरंत बाद से अब तक मुसलसल जारी है।

दक्षिण भारत की राजनीति के गलियारे में जरा उलटे पांव चलें। सिने उद्योग की हस्तियां आपको वहां चहल-कदमी करती हुई मिलेंगी। मुत्तवेल करुणानिधि से शुरू होकर यह युगल गाथा मलयाली फिल्मों के सुपरस्टार मामूटी तक पहुँचती है। करुणानिधि सन 50 के आसपास सिने जगत में प्रवेश करते हैं। बहैसियत पटकथा लेखक उनका तमिल सिने-उद्योग में पदार्पण टॉलीवुड की दशा और दिशा बदल देता है। युवा करुणानिधि के लिये पटकथाएं लिखना रेनेसां और समाज-सुधार का माध्यम है। जो काम पेरियार आंदोलन से करते हैं, करुणानिधि वही काम कलम से करते हैं। करुणानिधि 14 वर्ष की किशोर वय में ही राजनीति में चले आये थे। छात्रों और युवाओं के संगठन की नींव डाल चुके थे। 'मुरासोली' नामक अखबार निकालते थे। उन्होंने फिल्मों की ताकत को पहचाना। उनकी 'पराशक्ति' की कहानी ने धूम मचा दी। वह बिग हिट साबित हुई। प्रतिबंध ने उसे और ख्याति दी। पनाम और थंगारथनम ने उन्हें बुलंदियों पर पहुंचा दिया। वह कलाईनार कहलाये। एमजी रामचंद्रन और एमएस राजेंद्रन को प्रस्तुत किया। सन 1924 में जनमे करुणानिधि सन 57 में पहले पहल एमएलए बने और सन 69 में अन्नादुरै के देहांत के बाद द्रमुक के मुखिया और मुख्यमंत्री। वह 11 बार विधानसभा और एक बार विधानपरिषद के लिये चुने गये। पांच बार मुख्यमंत्री रहे। संप्रति उनके बेटे स्टालिन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री हैं और प्रांतीय तथा राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस के सहयोगी। राहुल गांधी से उनकी अच्छी निभती है और वह प्रधानमंत्री मोदी की रीतियों-नीतियों के घोर विरोधी हैं।

तमिलनाडु की सियासत में सिने-सितारों की कामयाबी का क्रम आगे एमजीआर और जयललिता में और परवान चढ़ता है। एमजीआर को इंट्रोड्यूस करने का श्रेय जहां करुणानिधि को जाता है, वहीं जयललिता के फिल्मी और राजनीतिक करियर को संवारने का श्रेय एमजीआर को है। एक द्रविड़ राज्य में ब्राह्मण-कुलोत्पन्न जयललिता की शून्य से शिखर तक की यात्रा आश्चर्यजनक है। करीब 130 फिल्मों में अभिनय कत्री जयललिता दो दर्जन से अधिक फिल्मों में एमजीआर के साथ काम किया। सन 1964-80 के कालखण्ड में यह तमिल फिल्मों की लोकप्रियतम जोड़ी थी। तमिलनाडु में एमजीआर ने लोकप्रियता का मानक रचा। उन्होंने सन 1972 में अन्नाद्रमुक की स्थापना की और सन 1977 से सन 1987 तक तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे। जयललिता सन 1982 में अन्नाद्रमुक से जुड़ीं। वह प्रांतीय राजनीति में कांग्रेस की सहयोगी

रही। मार्च, 89 में सदन में लज्जास्पद चीरहरण के उपरांत उन्होंने 'कसम' खाई और सन् 1991 में कांग्रेस के सहयोग से विजयी होकर राज्य की सबसे कम उम्र की मुख्यमंत्री बनीं। अपने आरोह-अवरोह भरे विवादास्पद और आरोपों से बिंधे जीवनकाल में उन्होंने पांच बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सन 84-88 में वह राज्यसभा की सदस्य भी रहीं। उनकी क्रेडल बेबी स्कीम, महिलाकर्मियों के पुलिस थानों की स्थापना, लाटरियों पर पाबंदी, मुफ्त बिजली पर रोक, मंदिरों में पशु-बलि पर रोक, पाँच हजार रुपायों से अधिक आय के लोगों के राशन कार्डों को रद्द करने के फैसले विवादास्पद रहे। दत्तक पुत्र की शादी में अनापशनाप खर्च और भ्रष्टाचरण ने उन्हें अपयश दिया। अदालत से उन्हें चार साल की सजा हुई और 100 करोड़ रुपयों का जुर्माना। अंततः विशेष पीठ ने उनकी सजा रद्द की, किंतु इसके अगले ही साल सन 2016 में वह कार्डियक अरेस्ट से चल बसीं। तमिलनाडु में उन्हें 'अम्मा' ब्रांडेड वस्तुओं के प्रचलन और अन्य उपक्रमों के लिये आज भी याद किया जाता है।

इसी तमिलनाडु में सियासत में 'फ्लॉप शो' के लिए अगर किसी को याद किया जा सकता है तो वह हैं शिवाजी गणेशन। एमजीआर के समवयस्क शिवाजी लंबे समय तक अन्नाद्रमुक से जुड़े रहे। मतभिन्नता और अति उत्साह में उन्होंने 10 फरवरी, 1988 को नये दल की स्थापना की। तमिषगा मुन्नेत्र मुन्नानी नामक इस पार्टी को सन 89 के चुनाव में बुरी पराजय मिली। रूपहले पर्दे का करिश्मा काम न आया। पार्टी सर्वत्र चारों खाने चित हुई। स्वयं शिवाजी थिरूव्यारू में हारे। उनकी पार्टी को लिट्टे का समर्थक माना जाता था। शिवाजी को गहरी हताशा हुई। उन्होंने अपने फैसले को गलत निर्णय बताया। तत्कालीन प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के आग्रह पर उन्होंने तमिषगा मुन्नेत्र मुन्नानी का जनता दल में विलय कर दिया। शिवाजी गणेशन जुलाई, सन् 2001 तक जिये किंतु एकबारगी तौबा के बाद उन्होंने राजनीति की ओर रूख न किया।

सन् 80 के ही घटनाप्रधान दशक में एक और सितारा तेजी से राजनीति के आकाश में उभरा और उसने अपनी चकाचौंध से सबको विस्मित कर दिया। यह थे एनटीआर यानि नंदमूरि तारक रामाराव। करीब एक दशक वह अविभक्त आंध्र प्रदेश की राजनीति में छाये रहे। उन्होंने सन् 1982 में तेलुगूदेशम पार्टी की स्थापना की। सिने-अभिनेता, निर्माता और निदेशक एनटीआर ने देखते ही देखते कांग्रेस का किला ध्वस्त कर दिया। सन् 1982-95 के दरम्यान वह तीन बार आंध्र के मुख्यमंत्री रहे। उनके बाद उनके दामाद चंद्रबाबू नायडू ने उनका उत्तराधिकार संभाला। चुनाव 24 में चंद्रबाबू आंध्र में सत्ता में वापसी के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। लोस और विस चुनाव में बीजेपी के साथ उनका गठबंधन है। सिने-कलाकार पवन कल्याण की जन सेना पार्टी भी इस गठबंधन में शरीक है। प्रसंगवश उल्लेनीय है कि तेलुगु (और हिन्दी भी) फिल्मों के एक अन्य पापुलर अभिनेता चिरंजीवी (पूरा नाम कोणिदेल शिवशंकर वर प्रसाद) ने सन् 2008 में प्रजा राज्यम पार्टी की स्थापना की थी, लेकिन जल्द उन्हें अपनी भूल-गलती का एहसास हो गया और वह कांग्रेस से जुड़ गए। यह फैसला उन्हें फला। सन 2009 में वह तिरुपति से विस के लिये निर्वाचित हुये और सन 2012 से 2018 तक आंध्र से राज्यसभा के सदस्य रहे। सन 2012-14 में वह डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार में पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रहे। आंध्र और तमिलनाडु के विपरीत केरल में, फिल्म उद्योग को कामयाबी की खुशखबर के लिये बरसोंबरस इंतजार करना पड़ा। इस शुभ संवाद के संवाहक बने केरल फिल्म उद्योग में अभिनेता, निर्माता, गायक और लेखक इन्नोसेंट। जी हाँ, इन्नोसेंट! मूलतः हास्य कलाकार वरीद थेक्कथला इन्नोसेंट के नाम से ही जाने और सराहे गये। चार मार्च, 1998 को जनमे इन्नोसेंट ने अपने पांच दशकों से भी अधिक के फिल्मी करियर में 700 से अधिक फिल्मों में काम किया माझविकावड़ी, पोनमुत्तायी दुन्ना थरावु और गणमेला में वह अपनी सकारात्मक भूमिकाओं के लिए जाने गये। सन् 1972 में वह अभिनय की दुनिया में आये और अंतिम सांस तक सक्रिय रहे। उन्हें केरल राज्य का फिल्म अवार्ड और केरल फिल्म्स क्रिटीक अवॉर्ड मिला। यूं तो वह इंरिंजालाकुडा में 1999 में ही पार्षद चुन लिये गये थे, अलबत्ता वह सन् 2014 में बतौर निर्दलीय प्रत्याशी चलकुडी से लोकसभा के लिये चुने गये। उन्हें ध्रुवीकृत केरल में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट का समर्थन हासिल था। सन् 2019 में वह यूडीएफ के बिन्नी बहेनन से चुनाव हार गये। मार्च, 23 में उनकी गले के कैंसर और कोविड के साझा असर से मृत्यु हुई। उन्होंने सात किताबें लिखीं और उन्हें केरल राज्य अकादेमी का पुरस्कार भी मिला। दिलचस्प तौर पर चुनाव 24 में केरल में तीन सिने-सितारे भाग्य आजमा रहे हैं। प्रारंभ में अभिनेत्री शोभना के बीजेपी की टिकट पर तिरुअनंतपुरम से लड़ने की खबर थी, मगर उन्होंने इंकार कर दिया। इस बार कोल्लम से माकपा की टिकट पर मुकेश चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला यूडीएफ के मौजूदा सांसद एनके प्रेमचंद्रन से है। मुकेश सन् 2016 और 2021 में माकपा की टिकट पर असेंबली के लिए चुने जा चुके हैं। इसी क्रम में अभिनेता सुरेश गोपी त्रिशूर से बीजेपी के प्रत्याशी हैं। उनका सामना कांग्रेस के के. मुरलीधरन और भाकपा के वीएस सुनील कुमार की दोहरी चुनौती से है। सन 2019 में कांग्रेस के टीएन प्रतापन से सुरेश मात खा गये थे। फिल्मी दुनिया के चुनाव में भाग्य आजमाने वाले तीसरे कलाकार हैं जी. कृष्णकुमार। 2021 में विस चुनाव में तिरुअनंतपुरम से विफलता के बावजूद वह कोल्लम से चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव 24 ऐतिहासिक चुनाव है। अतीत के चुनावों से सर्वथा भिन्न। प्रतिपक्ष की मानें तो यह लोकतंत्र बनाम अधिनायकवाद के द्वंद्व की घड़ी है। घटनाक्रम दर्शाता है कि सिने-सितारे सियासत की दुनिया में आने का लाभ-संवरण नहीं कर सके हैं। बिलाशक राजनीति का माध्यम वृहत्तर है और वह नियंता है। यही वजह है कि भारतीय फिल्मोद्योग के यशस्वी कलाकार कमल हासन ने अपनी पार्टी मक्काल निधि माइम के प्रत्याशी मैदान में नहीं उतारे हैं और तमिलनाडु के मतदाताओं से स्तालिन के नेतृत्व के गठबंधन को विजयी बनाने की अपील की है। यदि सब राजीखुशी रहा तो कमल हासन के प्रशंसक उन्हें जल्द राज्यसभा में देखने की उम्मीद कर सकते हैं।

राजनीति

रमेश कुमार 'रिपु'

लेखक पत्रकार हैं।

कयास सच हुए तो कौन होंगे सियासी तारणहार

कयास लगाए जा रहे हैं कि सरकार की तस्वीर बदलने वाली है। सोशल मीडिया में यही शोर है। वैसे मोदी बनाम अन्य का मुकाबला अबकी बार दिलचस्प रहा। सवाल यह है कि बीजेपी को बहुमत नहीं मिलने पर वो बीमार हो गयी तो उसके इलाज के लिए किस- किस दल के नेता डॉक्टर की भूमिका में होंगे?क्यों कि बीजेपी की हर राज्य में सीटें कम हो रही है। ऐसे में गुजरात लॉबी करेगी क्या? मोदी ने एएनआई को दिये गये साक्षात्कार में कहा कि हिन्दुस्तान में हमारे सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ दोस्ती है। लोकतंत्र में दुश्मनी नहीं,दोस्ती ही होती है। जाहिर है कि उनके मन में संदेह है। एक डर है। घबराहट है। मोदी का रथ यूपी में ही फंस गया तो धक्का देने कौन आगे आएगा? क्यों कि अबकी बार विपक्ष बीजेपी के वोट बैंक में सेंध लगाने में कामयाब रहा। मतदान का रूझान देखकर इडिया गठबंधन उत्साहित है।

अपनी-अपनी रणनीति - नरेन्द्र मोदी तीसरी बार चुनाव के सिकंदर नहीं बने तो बीजेपी के पंडाल में भगदड़ मच सकती है। गुजरात लॉबी की नजर है कि नवीन पटनायक कमजोर हो तो उन्हें फांस लिया जाए। विधान सभा चुनाव से पता चलेगा कि ओड़िसा की राजनीति की दशा और दिशा। वैसे सीताराम येचूरी से नवीन पटनायक कह चुके हैं कि मोदी पर भरोसा नहीं किया जा सकता। जो लोग न्यूटल हैं,उन्हें बीजेपी के पंडाल में लाने हर सियासी प्रयास होंगे। मसलन बसपा,बीजद,वाईएसआर कांग्रेस, बीआरएस आदि। इन सब के बीच तेजस्वी यादव कह रहे हैं पिछड़ों की राजनीति को बचाने और अपनी पार्टी को बचाने नितिश कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। नितिश एक बार फिर पलटी मार सकते हैं। सरकार बनाने के लिए राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के 28 दलों की बैठक एक जून को कर रहे हैं। इसमें शरद पवार,अखिलेश यादव,उद्धव ठाकरे,केजरीवाल आदि इस बैठक में बताएंगे उनकी पार्टी को कितनी सीटें मिल सकती है। सवाल यह भी आएगा,कि यदि बहुमत नहीं मिला तो कौन नवीन पटनायक को लाएगा। एक दो सीट अकाली दल को मिला तो कौन उनसे मिलेगा। ममता बनर्जी कह ही चुकी हैं,कि वो इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनना पसंद करेंगी। आंन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन रेड्डी और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.सी. आर. दोनों न्यूटल है।लेकिन केसीआर ये नहीं भूले हैं,कि मोदी की वजह से उनकी बेटी कविता जेल में है। ये किसका साथ देंगे। चन्द्रबाबू नायडू किसका साथ जाएंगे। इस पर भी बात होगी। सरकार बनाने के लिए एक तरफ बीजेपी की चाणक्य मंत्रणा होगी तो दूसरी ओर इंडिया गठबंधन की अपनी रणनीति होगी।

इस समय सोशल मीडिया में चर्चा है कि अपने बूते पर बीजेपी की सरकार नहीं बन रही। हर राज्यों में उसकी सीट घट रही है। सवाल है,कि घट रही सीट की पूर्ति किस राज्य में होगी? यूपी, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र को मिलाकर कुल 248 सीट होती है। सन् 2019 बीजेपी अपने सहयोगी दलों की मदद से 215 सीट जीती थी। लेकिन जिन सहयोगी दलों के बूते बीजेपी सत्ता की सीढ़ी चढ़ी थी,वो उससे अलग हो गए हैं। यूपी,महाराष्ट्र,और बिहार सबसे अधिक सीट वाले राज्य हैं। इन राज्यों में बीजेपी के खिलाफ खेला होने पर बीजेपी बीमार हो सकती है। गुजरात लॉबी को सरकार को लेकर संशय में है। दुविधा है। यदि चुनाव पलटा तो किसके हाथ में होगी सत्ता। संघ की भी नजर 4 जून की चुनाव परिणाम पर है, यदि सरकार नहीं बनी तो संघ नितिन गडकरी को आगे कर सकता है। एक जून को अंतिम चुनाव है। मोदी एक जून को खुद पर फोकस कराने के लिए वे कन्याकुमारी में 48 घंटे का ध्यान कर रहे हैं। ये भी वोट पाने का हथकंडा है। पिछले एक पखवाड़े से अस्थिर सरकार के अंदेशे में शेयर बाजार गिर रहा है। सोने-चांदी की कीमतें बढ़ रही है।

चुनाव परिणाम से पहले आज तक के राजनीतिक विश्लेषक प्रदीप गुप्ता का दावा है 2019 जैसी बीजेपी की स्थिति है। प्रशांत किशोर कह रहे हैं 303 सीट बीजेपी को मिलेगी। वहीं एबीपी न्यूज के यशवंत देशमुख कह रहे हैं,बीजेपी की सरकार बनेगी। जबकि योगेन्द्र यादव कह रहे हैं बीजेपी को 240-250 सीट मिलेगी। चूंकि इस बार हर राज्यों के क्षत्रप 2019 की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हैं। वो बीजेपी से सीटें छीन रहे हैं। महाराष्ट्र में गुजराती और मराठी अस्मिता का सवाल है। वहीं बिहार में मोदी से पूरे चुनाव में नितिश नाराज रहे । मोदी ने उनके साथ मंच साझा नहीं किया। नितिश धर्म निरपेक्षता और सामाजिकता की बात की। जबकि मोदी ने चुनाव में जाति धर्म को ले आए। जेडीयू का वोटर बीजेपी में शिफ्ट हुआ नहीं। यदि नितिश इस बार 16सीट में 10-12 सीट जीत गए और बीजेपी को बहुमत के लिए इतनी ही सीट की जरूरत पड़ने पर क्या वो पलटी मार सकते हैं? उनका कहना था,जो 2014 में आए हैं,वो 2024 में नहीं आएंगे। जैसा कि तेजस्वी ने कहा कि चार जून को चचा कोई बड़ा फैसला लेंगे। वैसे जेडीयू में दो खेमें हैं। लल्लन सिह और विजेन्द्र यादव आरजेडी के साथ जाना चाहेंगे। कुछ लोग बीजेपी के पक्षधर हैं। जबकि सामाजवादी विचारधारा वालों का जेडीयू में बहुमत है। नितिश को जरा भी संदेह हुआ कि उनकी पार्टी को खत्म करने की साजिश हो रही है तो वो पाला बदल देंगे।

मोदी ने ज्यादातर दलों के घर ईडी,सीबीआइ और आइटी भेजकर परेशान किया। यानी मोदी के समय राज्यों के क्षत्रपों की राजनीति बुरे दौर में थी। उत्तराखंड,गोवा,कर्नाटक,मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की राजनीति को विपक्ष भूला नहीं है। राहुल जिस आरोप के बूते खड़े रहे पूरे चुनाव में,उसने विपक्ष को ताकत दिया है। हिम्मत दिया है। माना जा रहा है कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा के साथ न्याय गारंटी न लाते तो वोटर का नजरिया न बदलता। वैसे भी मोदी के शासन में 651 योजनाओं को पैसा लाभार्थियों तक गया नहीं।

देश की राजनीति में तीन नेताओं ने अपनी रेखाएं खींच दी है। अखिलेश यादव,उद्धव ठाकरे और तेजस्वी यादव। इन तीन नेताओं की वजह से बीजेपी और एनडीए की रफ्तार धीमी हुई है। मोदी ने उद्धव ठाकरे की पार्टी तोड़ दी। उनकी सरकार गिरा दी। उनकी पार्टी का सिंबल छीन लिया। ऐसे में मोदी का साथ उद्धव नहीं देंगे। शरद पवार चार जून के बाद अपनी पार्टी का विलय कांग्रेस में कर देंगे। कांग्रेस यह मानकर चल रही है कि उसे 100-120 सीट मिल रही है।

बीजेपी की सरकार नहीं बनने की वजह स्वयं बीजेपी के नेता चार जून के बाद गिनाने लगेंगे। लेकिन देखा जाए तो बीजेपी के नेताओं से कई गंभीर चूक हुई है। मसलन बीजेपी राम मंदिर को लेकर अति आत्मविश्वास में आ गयी। राम मंदिर मुद्दा नहीं बना तो वो कांग्रेस के घोषण पत्र में मुस्लिम लीग की छाया बताकर वोटरों को मोदी ने दिग्भ्रमित किया। पूरे चुनाव को हिन्दू-मुस्लिम में बदलने की कोशिश किया। चुनाव का ध्रुवीकरण करने की कोशिश की गयी लेकिन सफल नहीं हुए। हिन्दू को डराने की कोशिश किया। मोदी ने इस चुनाव में भाषा का संस्कार भूल गए। मुजरा तक आ गए। इस बार पुलवामा कांड जैसा कुछ नहीं हुआ। इस वजह से बीजेपी को राष्ट्र भक्ति का वोट नहीं मिला। विपक्ष जनहित के मुद्दों को आधार बनाया। संविधान बचाने की बात से लेकर बेरोजगारी और महंगाई को मुद्दा बनाया।

बहरहाल मोदी को शिकस्त देने मोदी विरोधी दल इस चुनाव में लामबंद हुए हैं। और अपनी ताकत की नुमाइश भी किये हैं।वहीं मोदी की छवि को इस चुनाव में उनके बयान से जबरदस्त धक्का लगा है। हिलोरें मारता विपक्ष का आत्मविश्वास बीजेपी के चार सौ पार के नारे के बीच लोकतंत्र की एक नयी तस्वीर बनाने आतुर है।

टिप्पणी

विनोद नागर

लेखक स्तंभकार हैं।

उनके 'ध्यान' पर आपका इतना ध्यान क्यूं !

देश भर में पिछले एक डेढ़ माह से चल रही चुनावी रेलमपेल ने राज नेताओं को थका कर रख दिया है। पहली बार सात चरणों में संपन्न होने वाले लोकसभा चुनाव की गहमा-गहमी के चरमोत्कर्ष पर पहुंचते-पहुंचते गर्मी ने भी वो रौद्र रूप दिखाया कि नेताओं को मंच पर माइक थामते ही सिर पर पास रखी पानी की बोतल ऊंडेलनी पड़ी।

दिन-रात एक कर चुके स्टार प्रचारकों को भले ही अब उतनी धूल नहीं फांकना पड़ती, लेकिन मैराथन चुनाव रैलियों , रोड शो और लगातार चुनावी दौरों की हवाई यात्राओं ने उन्हें थकाकर चूर कर दिया है। न समय पर खाना खाने का ठिकाना न आराम और विश्राम का अता-पता। कहने वाले कह सकते हैं कि लोकतंत्र के इस महारणक्षेत्र में महाविजय हासिल करने के लिए महाआहुति तो देनी ही पड़ेगी। इसमें अचरज की क्या बात..!

पर अगर यदि किसी ने सवा महीने से बिना थके, बिना रुके अपने संकल्प की सिद्धि के लिए स्वयं को अहर्निश भाव से अनवरत झोंके रखा है, तो यह कर्मयोग आलसी, आराम तलब, सुविधाभोगी राजनीतिज्ञों को अटपटा लग रहा है। यदि कोई मुखर, निर्भीक, वाकपटु जन नेता अपने मिशन के अगले चरण के लिए स्वयं को ऊर्जित कर 48 घंटे के लिए मौन धारण कर ध्यान योग साधना में लीन हो जाए तो विरोधियों को इतनी चिल्ल-पों मचाने की क्या जरूरत है? जब सातवें और अंतिम चरण का चुनाव प्रचार ही थम चुका है तो किसी राजनेता के एकांत में जाकर ध्यान योग करने से.. मौन रहने से.. भला आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कैसे हो रहा है ? क्या 'एकांत' और 'मौन' को भी चुनाव प्रचार का हिस्सा माना जा सकता है? इस तरह की बहकी दलील 'खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे' से ज्यादा महत्व नहीं रखती। अगर चुनाव के दौरान आपने इतनी गर्मी सही है तो दिमाग को ठंडा रखना भी सीखिए। हताश-निराश होकर इतना बौखलाने की क्या जरूरत है? सातवें चरण का मतदान इत्मीनान से हो जाने दीजिए। थोड़ा धैर्य तो रखिए। चुनाव परिणाम कहीं भागे नहीं जा रहे.. ! दक्षिण पश्चिमी मानसून इस बार केरल में समय से पहले दस्तक दे चुका है। कन्याकुमारी में 48 घंटे के 'ध्यान' योग और 'मौन' तप के बाद जब बादल गरजेंगे और बिजली कड़केगी तो 'हम लोग' मौसम का मिज़ाज कितना बदला हुआ पाएंगे? बस इसका इंतजार है सबको.. ! और आपको कहीं लंबी छुट्टियां मनाने का तो नहीं..? जिन बेचारी ईवीएम पर बार-बार गड़बड़ी की तोहमतें लगाई जाती रहीं वे भी अपना काम ईमानदारी से पूरा

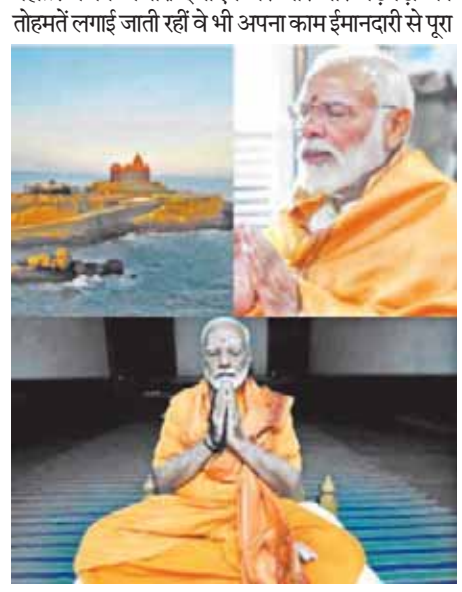

कर आपकी ओर मुंह बिचकाते हुए दड़बों में लौट जाएंगी। पर आपको शर्म न आएगी।

चलते-चलते एक बिन मांगी सलाह देने का लोभ संवरण नहीं हो पा रहा कि यदि चार तारीख तक आपको भी बेचैनी के कारण नींद न आए और बार बार करवटें बदलते रहें तो चंद्रमा पर चंद्रयान की लकीरें गिनने का उपक्रम अवश्य करें, क्योंकि मौन रहना आप सरीखे बड़बोले लोगों के बस में कहां? 'हाथ कंगन को आरसी क्या.? और पढ़े लिखे को फारसी क्या..??' जल्दी ही 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो ही जाएगा। तब तक 'रघुपति राघव राजा राम सबको सन्मति दे भगवान..।'

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

भगवानों के देश में नए अवतार

खिड़की से धूप और प्रकाश आ रहा है । प्रकाश मुझे अच्छा लगता है । प्राकृतिक हो तो और भी ज्यादा । मन मुदित हुआ तो आँखें बंद हो गईं । अभी कुछ पल ही गुजरे थे कि आवाज आई- आँखें खोलो भक्त । मैं भगवान हूँ ।

चौंक कर देखा । सामने एक आकृति थी, पाषाण प्रतिमा सी । मुझे डर लगा । प्रायः डर के समय भगवान को याद करता हूँ । अब भगवान सामने हैं तो समझ में नहीं आ रहा है कि किसका स्मरण करूँ !

'डरो मत । मैं तुम्हें कुछ देने आया हूँ ।' वे बोले ।

'क्या दोगे ?' डर काम नहीं हुआ, भगवान हैं, पता नहीं क्या दे दें ।

'एक आइडिया दूंगा जिससे तुम काम के आदमी समझे जाओगे।'

'काम !! ... काम तो चाहिए मुझे भगवान । बेरोजगार बैठा हूँ। महंगाई कितनी है ! हाथ हमेशा तंग रहता है । स्कूल वाले बोरी भर भर के फीस मांगते हैं । खाना कपड़ा दवाई सब मेरे बस के बाहर है ।'

'रुको रुको, शिकायत पुराण मत खोलो भक्त । मैं तुम्हें काम नहीं आइडिया देना चाहता हूँ ।'

'आइडिया का क्या करूंगा भगवान ! देने वाले ने बहुत दिए हैं । पूरा शहर चाय बनाने वालों से अंटा पड़ा है । मुट्ठी भर पीने वाले और गाड़ी भर पिलाने वाले ! आइडिया तो रहने ही दो, काम की बात हो तो कहो ।'

'काम, नौकरी, रोजगार ये सब दकियानूसी विचार हैं भक्त । तुम्हें इन सब बातों से परे रहते हुए आत्मनिर्भर हो जाना चाहिए ।'

'आत्मनिर्भर क्या होता है भगवान ?'

'जब तुम्हारे आसपास कि सारी निर्भरताएं बेमानी हो जाएं । संगी साथी असहयोग की मुद्रा मे आ जाएं । समाज मे तुम्हारी विश्वसनीयता खत्म हो जाए । तुम हंसी और उपेक्षा के पात्र होने लगो। चौतरफ निराशा घिरने लगे तो एक ही उपाय बचता है ...'

'मेरे साथ यही सब हो रहा है । कौन सा रास्ता बचत है प्रभु ?'

'तुम अपने को भगवान का अवतार घोषित कर दो ।'

'मजाक मत करों भगवान । मेरे अवतार होने की बात कौन मानेगा!'

'ये तुम्हारी नहीं लोगों की समस्या है । पूरे विश्वास से कहो कि तुम पैदा नहीं हुए हो अवतरित हुए हो। डायरेक्ट भगवान का अवतार।'

'इससे क्या होगा प्रभु!'

'लोग गाली देना बंद कर देंगे । सोचो भगवान को कौन गाली दे सकता है ? तुम्हारी आरती करेंगे लोग, कीर्तन होंगे । तुम्हारे किये धरे को भगवान का किया धरा मना जाएगा । तुमसे कोई सवाल नहीं कर सकेगा । गलत निर्णयों के लिए भी तुम जिम्मेदार नहीं ठहरए जाओगे । कुछ ही दिनों में तुम पूजे जाने लगोगे, तुम्हारे मंदिर बनेंगे । हार माला फूल चंदन अगरबत्ती सब होगा । गरीब आएगा और दूर से हाथ जोड़ कर चल जाएगा, उस पर ध्यान देने कि जरूरत नहीं है । अमीर छपन भोग लाएगा, रेशमी वस्त्र और स्वर्ण मुकुट पहनाएगा । महंगे मौसमी फलों के रस से रोज स्न

पर्यावरण

आयुषी दवे

लेखिका इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियर हैं।

क्या तपती धरती बीमारों और अशक्त लोगों की दुनिया बनेगी?

दुनिया और कितनी गर्मी झेलने को तैयार है? यह सवाल बेहद गंभीर है और लोग इससे कब तक बेखबर रहेंगे यह समझ से परे है। अब तो इंसान क्या दूसरे जीव, जन्तु भी गर्मी से बेहाल होकर इस कदर बेकाबू हो रहे हैं कि कई तरह की तबाहियों का कारण बने हुए हैं। लेकिन हम हैं कि अपनी प्यारी धरती की तपिश को बजाए कम करने के और बढ़ाए जा रहे हैं। दुनिया में क्या धरती का तापमान बढ़ाकर ही विकास की कहानी लिखी जा सकती है?

क्या दुनिया में अबकी बार साल 2023 से अधिक गर्म 2024 कहलाएगा? जलवायु शोधकर्ता इसी पर चिंतित हैं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि वैज्ञानिकों ने ही खुलासा किया था कि पिछले साल उत्तरी गोलार्ध में इतनी गर्मी पड़ी कि करीब 2,000 साल का रिकॉर्ड टूटा और इसीलिए 2023, धरती पर अब तक का सबसे गर्म वर्ष कहलाया। अब इंग्लैंड में रोहेम्पटन विश्वविद्यालय का सामने आया नया शोध बेहद चिंताजनक है जो बताता है कि जब पृथ्वी का बाहरी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पार हो जाता है तो इंसान का शरीर इससे ज्यादा गर्मी सहन करनी की शक्ति खोने लगता है। इसके चलते कई अंग प्रभावित होने लगते हैं। अनेकों चिकित्सकीय शोधों से भी साफ हो चुका है कि मानव शरीर अनुकूल परिस्थितियों तक ही तापमान सहजता से सहन कर पाता है। प्रतिकूल परिस्थितियों में कई अंगों के प्रभावित होने या शिथिल या काम बंद कर देने के खतरे बढ़ जाते हैं। सबको पता है कि शरीर का 70 फीसदी से ज्यादा हिस्सा जलतत्व से निर्मित है। यही शरीर के तापमान को स्थिर बनाए रखने के लिए गर्मी से मुकाबला करते हैं। इसका साधारण उदाहरण शरीर में गर्मी लगते ही पसीना आना है। लेकिन जब शरीर में मौजूद जलतत्व, पसीना बनकर उड़ जाएगा तो

स्वाभाविक है कि शरीर में पानी की कमीं होगी। यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। वहीं शरीर के कई ऐसे संवेदनशील आंतरिक अंग हैं जो पानी या जलतत्व के निश्चित मात्रा में रहे आने पर ही सुचारू पूर्वक काम करते हैं। जब भीषण गर्मी में लगातार शरीर में पानी की आवश्यक मात्रा को बनाए रखना अनजाने या मजबूरी में संभव नहीं हो पाता है तब इसका असर हमारे आंतरिक अंगों पर भी पड़ता है। इससे शरीर कई गंभीर बीमारियों का अनायास शिकार हो जाता है।

शरीर में जलतत्व की कमीं का प्रभाव लोगों पर सेहत के हिसाब से अलग-अलग पड़ता है। किसी को चक्कर आता है तो कोई सिरदर्द की शिकायत करता है। कई बेहोश हो जाते हैं तो किसी की नाक से खून आ जाता है। कई लोगों को सांस में दिक्कत होने लगती है। कई कारण हैं जो बाहर से तो समझ आ जाते हैं लेकिन आंतरिक अंगों पर पड़ने वाले गंभीर दुष्परिणाम बाहर न तो दिखते हैं और न ही जल्द समझ आते। यही बहुत हानिकारक होते हैं। सांस फूलने से हृदय में रक्त का प्रवाह अनियमित हो जाता है। फेफड़ों पर भी बुरा असर पड़ता है। रक्तचाप भी अनियंत्रित हो जाता है और मौत तक संभव है।

हम भारत के संदर्भ में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी को देखें तो इससे जहां आम मध्यम लोगों में गुर्दों पर बुरा असर पड़ने के साथ हृदय या सांस संबंधी बीमारियां एकाएक बढ़ सकती हैं। वहीं गरीबों या आर्थिक रूप से कमजोर बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, किसान और रोजाना कमाने खाने वाले मजदूर इसके ज्यादा शिकार होते हैं। अब भारत में गर्मियों में पहाड़ों वह भी ठण्डे इलाकों के जंगलों में लगातार आग की घटनाएं और भी ज्यादा चिंताजनक हैं।

ऐसा नहीं है कि गर्मी को लेकर चिंता केवल भारत में ही सबसे ज्यादा है। यूरोप के तो आंकड़े सामने हैं जब 2022 की गर्मियों में करीब 61,000 लोगों की मौत हुई। वहां भी कुछ वर्षों में तेज गर्मी के चलते जंगलों में भीषण आग लग रही है। बड़े पैमाने पर सूखा पड़ रहा है। यह सब बेहद चिंताजनक है।

सोचिए, इस स्थिति में पहुंचने के बाद भी हम कब तक अनजान रहेंगे? सबको पता है कि विकास के नाम पर हो रहे ताबड़तोड़ निर्माण और प्राकृतिक संरचनाओं से लगातार छेड़छाड़ के अलावा बेतहाशा कार्बन उत्सर्जन जिनमें प्राकृतिक संसाधनों जैसे जीवाश्म ईंधन जलाने, जंगलों को काटने और पशुधन की खेती से जलवायु और पृथ्वी के तापमान पर तेज प्रभाव पड़ रहा है। इससे वायुमंडल में प्राकृतिक रूप से मौजूद ग्रीनहाउस गैसों में भारी मात्रा में प्रदूषित गैसें, धुंआ आदि जुड़ जाती हैं और ग्रीनहाउस प्रभाव और 'भूमण्डलीय ऊष्मीकरण' यानी ग्लोबल वार्मिंग बढ़ जाती है। प्राकृतिक गैसों, पेट्रोलियम, कोयला, खनिज व दूसरे तत्वों के लगातार दोहन और उपयोग से निकलती प्रदूषित गैसों और दूसरे हानिकारक तत्वों से दूषित होते वायुमण्डल के अलावा निरंतर छलनी होते जंगल, पहाड़, नदियां अन्य अनेकों प्राकृतिक संपदाओं का क्षरण, दोहन तापमान बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हैं।

इसी बेतरतीब दोहन से निरंतर बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भूतल से लेकर नभ तक प्रदूषित कर रहा है। प्रकृति का सारा का सारा प्राकृतिक नियंत्रण डगमगाया हुआ है। जलवायु परिवर्तन पर नजर रखने वाले 99 प्रतिशत से ज्यादा वैज्ञानिक मानते हैं कि इसका सबसे अहम कारण इंसानी करतूते हैं जो कंक्रीट के विकास के दिखावे के लिए विनाश की गाथा लिख रहे हैं।

ग्लोबल वॉर्मिंग से निपटने के लिए दुनिया के क्षत्रपों के पास बड़ी-बड़ी कागजी योजनाएं हैं। पेरिस जलवायु समझौता-2015 अहम है जो उत्सर्जित ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा को सीमित करने पर केन्द्रित है। लेकिन इसे 10 साल होने को हैं पर लगता है कि क्या किसी भी देश ने इस पर ठोस काम किया? जवाब आपके पास भी है। ऐसे में भला कैसे बढ़ता तापमान नियंत्रित होगा, कैसे प्रकृति से इंसाफ होगा और कैसे हम अपनी भावी पीढ़ी को न्याय की गारंटी दे पाएंगे? निश्चित रूप से जब तक पूरी दुनिया में एक-एक इंसान इसे नहीं समझेगा, तब तक विनाश की ओट में विकास की पल-पल लिखी जा रही गाथा भी नहीं रुकेगी। लगता नहीं कि फिर हम जानते हुए, भविष्य में रुग्ण, अशक्त मानव बस्तियों के कंक्रीट महलों की तैयारी में हैं।

शिक्षा

श्याम कोलारे

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

अंकों के चक्रव्यूह में उलझा अभिभावक

स्कूल ने बच्चों के परीक्षा परिणाम दिखाने एवं बच्चों की प्रोग्रेस पर चर्चा करने के लिए अभिभावकों की मीटिंग बुलाया था। मीटिंग में एक माँ अपने बच्चा के सामने ही रो पड़ी। कारण ! बच्चा अच्छा परीक्षा परिणाम नहीं ला पा रहा था। चालीस से पचास विद्यार्थियों के साथ लगभग तीस अभिभावक बैठे हुए थे। विषयवार शिक्षक के अलावा प्राचार्य भी मीटिंग में बैठी थीं। देखते ही देखते वह बच्चा भी रो पड़ा। विषयशिक्षक को उठकर माँ के पास जाना पड़ा। शिक्षक को बच्चे की माँ को दिलासा देना पड़ा कि सारे दिन एक समान नहीं होते। पढ़ाई में आगे बढ़ना और पीछे रहना बच्चों की एक सामान्य प्रक्रिया है। यह घटना शायद एक आम घटना की तरह समझ में आ रही होगी लेकिन मैं इसे दूसरी नजर से देखता हूँ। हर बच्चे के लिए उसकी माँ दूसरे बच्चों की माँ से अद्वितीय होती है, हर बच्चा यह मानता है । यदि बच्चे की मानसिकता को ध्यान में रखते हुए सोचे तो यह सही भी है। क्या वह बच्चा माँ के ऐसे व्यवहार से आहत न हुआ होगा? क्या बच्चा और उसकी माँ के लिए यह एक अवसर मात्र था? क्या यह घटना दोनों के लिए कभी न भूलने वाली घटना नहीं है?

वही स्कूल ने एक विद्यार्थी के पिता को बुलाया और बच्चा का रिपोर्ट कार्ड दिखाते हुए प्रिंसिपल ने कहा कि आपका बच्चा यूनिट टेस्ट को हल्के में लेता है। यहाँ तक कि परीक्षाओं में भी गंभीरता नहीं दिखता है, वह इन परीक्षाओं को भी वह मजाक जैसा महसूस करता है, वह बड़ी लापरवाही में रहता है। परीक्षा में कम अंक आने पर भी इसके चेहरे में किसी तरह की चिन्ता और भाव नहीं दिखाई देते। ऐसा लगता है कि वह अपने इस प्रकार के प्रदर्शन को लेकर सजग नहीं है। प्राचार्य की बात ध्यान से सुन रहे पिता ने बड़ी गंभीरता एवं संजीता से जवाब दिया, ''मैं भी अपने बच्चे के अंकों और उसकी पोजिशन को लेकर चिंता नहीं करता। मैं बस आपसे यह चाहता हूँ कि उसे सीखने के भरपूर अवसर मिलें। वह जो जानना चाहता है उसे उसमें मदद की जाए। प्राचार्य ने आश्चर्य भरी विस्मित आँखों से देखते हुए कहाँ; यदि वह फेल हो गया तो? तब पिता ने जवाब दिया, ''आप उसके लिखे हुए पर ही अंक देंगे न? हम संतुष्ट रहेंगे।'' इस पिता के जबाब का मतलब जैसा मैं समझता हूँ ऐसा साहस हर पिता (और माँ) को करना चाहिए। बच्चों का भविष्य एवं उसकी सीख उनके नंबर से नहीं चलती वल्कि यह सीख क्या रहा है उस पर चलता है । हम सभी जानते है कि स्कूल का बहुत से सबक हमरे व्यक्तिगत जीवन में बहुत बार उपयोग में नहीं आते है परन्तु इस सबक से जीवन कौशल से सम्बन्धी सबालों को सुलझाने एवं समझ के लिए उपयोगी होते है । जरुरी नहीं कि स्कूल के सभी सबक को नंबरों में आकाँ जाए। कुछ बच्चे अंकों के चक्रव्यूह में उलझ जाते है परन्तु वास्तविक जीवन में उनकी समझ बहुत अच्छी है । वह जीवन में अपने कार्यों में अपने आप को बेहतर साबित करते है । यह बातों को शिक्षक एवं अभिभावक दोनों को समझने की आवश्यकता है ।

एक बच्चे की डायरी में स्कूल ने लिखा, 'ये बहुत बोलती है। सवाल पर सवाल करती है। शान्त रहना इसे नहीं आता। अपनी मर्जी से सवालों के जवाब लिखती है।' बच्ची की माँ ने स्कूल से बात की और अपना पक्ष रखा कि, 'हम चाहते हैं हमारी बच्ची सवाल का एक ही जवाब न माने। वह अपने अनुभवों से चीजों के प्रति अपना नजरिया बनाए। शान्त रहना हमने सिखाया नहीं। हम चाहते हैं कि वह सपने देखते समय भी बोले। हमें पता तो चले कि हमारी बच्ची सपनों में क्या-क्या देखती है।' इस बच्ची के बारे मुझे भी यह लगता है कि स्कूल बच्चे को विस्तार देने के लिए है कि संकुचित करने के लिए है? ऐसा क्यों है कि अधिकतर स्कूल बच्चे को एक ही दायरा में बने रहने देना चाहते हैं। बच्चा तभी बोले जब उसे बोलने को कहा जाए। भले ही स्कूल में बोलने के अवसर देने वाला कोई पीरियड ही नहीं होता। होमवर्क करके न लाने पर एक अभिभावक ने साफ कह दिया कि हमारे बच्चों को गृहकार्य न दिया जाए। वह स्कूल में जितना पढ़ता है, लिखता है, वही बहुत है। हम हमारे बच्चों को घर में घर का काम जानने में मदद करते हैं। हम नहीं चाहते कि हमारे बच्चे स्कूल बैग के साथ पूरा स्कूल घर लेकर आएँ। इसका मतलब है यह प्रगतिशील और बच्चे की नैसर्गिक परवरिश करने वाला परिवार है। अभिभावक बच्चों को स्कूल के पढ़ाए जाने बाली शिक्षा के आलावा भी अन्य कार्य एवं समझ पर कार्य करने कप सोचते है । स्कूल एक ऐसा स्थान होता है जहाँ बच्चा पुस्तक के एवं शिक्षक से जीवन कौशल सीखता है, परन्तु परिवार उनको सजीव क्रियाकल्पों के माध्यम से जीवन कौशल सीखता है जो आमतौर पत बच्चों को उनके जीवन पर्यंत काम आते है । जरुरी नहीं कि वही बच्चा स्कूल में

बेहतर सीखेगा जो अपने स्कूल के काम को घर में लेकर आयें और उसे घर पर भी करे । स्कूल यदि चाहे तो स्कूल का काम स्कूल में ही पूरा कराये उनको घर में अपने घर की सीख सीखने दीजिये । आम परिवार ऐसा कब सोचेगा?

परीक्षा नजदीक थी, अगले ही महीने परीक्षा शुरू होने वाली थी। एक स्कूल के कई विषयों के शिक्षक बोर्ड की परीक्षा में अपना भाविष्य देख रहे थे। एक शिक्षक ने कहा, 'इस बार मेरा रिजल्ट पचास फीसद ही रहने वाला है।' दूसरे शिक्षक ने कहा, 'ये तो बहुत कम हो रहा है। मुझे लगता है कि साठ तक रहेगा।' तीसरे शिक्षक ने कहा, 'नहीं, अस्सी तो रहना ही चाहिए', चौथे ने कहा, 'अस्सी परसेंट वाले तो दो ही बच्चे हैं।' पाँचवे ने कहा, 'दस बच्चे तो निश्चित फेल हैं। कहे देता हूँ।' परीक्षा उपरांत परीक्षा परिणाम आया। एक भी बच्चा फेल न था। पचास फीसद की घोषणा करने वाले शिक्षक के विषय का परिणाम अस्सी फीसद रहा था। जिसने अस्सी परसेंट की घोषणा की थी उसके विषय में तीस फीसद बच्चे ही पास हुए थे। वहीं अस्सी परसेंट अंक लाने वाले बच्चे बीस से अधिक थे। इसका मतलब है, क्या शिक्षक साल भर की पढ़ाई कराते-कराते विद्यार्थियों को पूरा समझ पाते हैं? क्या पहले से ही परिणाम पर बात करना समझदारी है? क्या शिक्षक हर बार अपने बच्चों का सटीक नहीं तो औसत मूल्यांकन कर लेते हैं?

ऐसे कई उदाहरण हैं जो रोजमर्रा के जीवन में हमारे आसपास मिल जायंगे। वैसे मैं आज तलक नहीं समझ पाया हूँ कि इम्तिहान, एग्जाम, परीक्षा, पोजिशन, रैंक, परसन्टेज, ग्रेड आदि का असल जिन्दगी से जुड़ाव है भी या नहीं। यदि 'कुछ तो प्रगति के आँकने और जांचने का तरीका हो' के मसले को एक तरफ रख दें तो मुझे लगता है कि ये भारी-भरकम शब्द खुशी से अधिक गम देते हैं, बेचैनी पैदा करते हैं। घबराहट का ग्राफ बड़ाते हैं। निराशा के घाव देते हैं। कुण्ठा का घेरा डालते हैं। मनोबल को गिराते हैं। खुद को कायर मान लेने वालों की तादाद बढ़ाते हैं। इससे आगे देखें तो यह अवसाद से आगे जाकर घर छोड़ने से लेकर जीवनलीला तक समाप्त करा देते हैं। हर साल खासकर बोर्ड परीक्षा के परिणाम आने के एक दिन बाद टीवी चैनल रोते-बिलखते परिजनों को दिखाते हैं, जिनके बच्चे फेल होने के चलते अपनी अनमोल जिन्दगी को अलविदा कह देते हैं। तमाम अखवार और न्यूज़ चैनल चीख-चीखकर परिणामो का उतार-चढ़ाव के बारे में प्रदर्शन करते नजर आयेंगे । बच्चों को परीक्षा परिणामों के आधार पर परखा जाने लग जाता है, बच्चे के परीक्षा के अंकों के आधार पर अभिभावकों को अपनी प्रतिष्ठा से जोड़ा जाने लग जाता है । अखबारों के मुखपृष्ठों पर ऐसी कई खबरें पढ़ने को मिलती हैं जिसमें परीक्षा के परिणामों से खिन्न विद्यार्थी आत्महत्या कर लेते हैं। समाज की संवेदनाएं बस अफसोस जताने से आगे नहीं बढ़ पातीं। परीक्षा के परिणामों के आते ही अंकों की अन्तहीन दौड़ में शामिल विद्यार्थी क्या, अभिभावक क्या शिक्षक भी सीना फुलाते नजर आते हैं। मैं सबसे पहले इस व्यवस्था को बदस्तूर जारी रखने वाले नीति-नियंताओं से, इस कुव्यवस्था में बच्चों के साथ खुद को झोंकने वाले अभिभावकों से और इस बेशरम पौधे की तरह बढ़ने वाली कुपरिपाटी को खाद-पानी देने वाले शिक्षकों से कुछ पूछना चाहता हूँ। वे अभिभावक जिनकी चिन्ता पूरे साल भर अपने बच्चों को अंकों की दौड़ में सबसे आगे दौड़ाने की रहती है। जो एक ऐसी चिन्ता में घुले रहते हैं, जिसका कोई अंत नहीं। जो अपने बच्चों को हर रोज यह सबक घुट्टी की तरह पिलाते रहते हैं, जिन्हें अपनी हिदायतें एक टॉनिक या एक जरूरी कड़वी दवा की तरह लगती हैं। जिन्हें लगता है कि अक्सर सख्ती से पेश आने का उनका नजरिया चाहे उसमें चेतावनी-धमकी भी शामिल हो, बच्चे के विकास के लिए जरूरी है। जो ए ग्रेड से नीचे समझौता नहीं करना चाहते। क्या वह कभी इस ओर भी ध्यान देते होंगे कि उनके अपने रिपोर्ट कार्ड जीवन के थपेड़ों से सामना करने के लिए कितना उपयोगी रहे हैं?

सम्भव है यहाँ तक पढ़ने की यात्रा में असहमतियों के बिन्दु ज्यादा होंगे। मैं तो उस दिन की प्रतीक्षा कर रहा हूँ जब यह परीक्षा का नजरिया में बदलाव आयें । इम्तहान केवल अंक का खेल न होकर बच्चों में किस दिशा में और मदद करने की आवश्यकता है पर फोकस किया जाएँ । परीक्षा को बच्चों की मदद करने का टूल के रूप में इस्तेमाल किया जाये न कि उनकी अंकों के आधार पर कम या अधिक आँकना । युवावस्था तक दो बोर्ड झेलते हुए अब तक के इतिहास में न जाने कितने प्रतिभाशाली उम्मीदों वाले बच्चे इस खतरा परीक्षाओं के आतंक से ग्रसित होकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं। इस ओर कोई ठोस आँकड़ा मेरे पास नहीं है। यदि दो के साथ और तीन-तीन बोर्ड की वकालत हो रही है तो इसके परिणाम भयावह ही होंगे ।

दृष्टिकोण

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर है।

खाली समय में भी व्यस्त रहने का दिखावा

विदेश की बातें और विदेशी सामग्री दिखाने में उसे गर्व महसूस होता है । उसे लगता है कि वह भी बड़ा आदमी है और बड़ी बड़ी दुनिया में घूमता रहता है । इसीलिए कोई भी मौका हो वह विदेश जाने का अवसर नहीं छोड़ता । और थैला उठाकर चल देता है विदेश । ऐसा क्या है विदेश में जो वह विदेश चला गया ? भला ऐसे भी कोई जाता है ? किसी को कुछ नहीं बताया और विदेश जाकर फोन कर रहा है कि यहां तो दुनिया एकदम अलग है । यहां तो रहने लायक है । जिंदगी तो यहीं जीते हैं । भीड़ नहीं है, किसी तरह का शोर नहीं है । चारों तरफ शांति और स्वच्छता का वातावरण है । कोई कूड़ा नहीं करता । सब अपने काम से काम मतलब रखते । किसी को भी किसी के पीछे नहीं पड़ना चाहिए ।

हर आदमी अपना हिसाब न रख दूसरे का हिसाब रखने में अपने को व्यस्त रखता हैं। कौन कहां चला गया? क्यों गया? वह कहां चला गया? आजकल वह बार बार विदेश जाता है? यह भी भला जाना होता है कि चल दिए। जैसे कि सब्जी मंडी जा रहे हों वैसे ही ये साहब विदेश चलें जाते हैं। विदेश जाकर खुश हो जाते हैं । दो पांच दिन वहां की कहानियां सुनाते रहते हैं। आदमी देश घूमे या न घूमें पर उसकी इच्छा में विदेश होता है। विदेश की बातें और विदेशी सामग्री दिखाने में उसे गर्व महसूस होता है। उसे लगता है कि वह भी बड़ा आदमी है और बड़ी बड़ी दुनिया में घूमता रहता है। इसीलिए कोई भी मौका हो वह विदेश जाने का अवसर नहीं छोड़ता। और थैला उठाकर चल देता है विदेश। ऐसा क्या है विदेश में जो वह विदेश चला गया? भला ऐसे भी कोई जाता है? किसी को कुछ नहीं बताया और विदेश जाकर फोन कर रहा है कि यहां तो दुनिया एकदम अलग है । यहां तो रहने लायक है । जिंदगी तो यहीं जीते हैं। भीड़ नहीं है, किसी तरह का शोर नहीं है। चारों तरफ शांति और स्वच्छता का वातावरण है। कोई कूड़ा नहीं करता। सब अपने काम से काम मतलब रखते। किसी को भी किसी के पीछे नहीं पड़ना चाहिए।

अपने यहां तो बस भाग रहे हैं। सुबह से शाम तक दौड़ रहे हैं। हर आदमी बस व्यस्त दिख रहा है। काम हो या न हो पर वह व्यस्त ही दिखेगा। खाली बैठा रहेगा पर किसी के आते ही मोबाइल में ऐसे व्यस्त हो जायेगा कि उससे बड़ा दुनिया में कोई आदमी हो ही नहीं। तरह तरह से उपाय कर लोग-बाग खाली समय में भी व्यस्त रखते हैं। व्यस्त दिखने की यह आदत गजब की होती है। जब कोई काम न हो तो किसी न किसी को पकड़ कर लड़ाई ही कर लेते हैं। यह कला भी यहां खूब फलती फूलती है। किसी बात के लिए समय हो या न हो पर दो? लोग लड़ रहे हों तो उसे देखने के लिए पचास लोग जुट जायेंगे। सुबह दोपहर शाम कोई सा भी समय हो अवसर निकाल ही लेंगे। यह धंधा यहां खूब फलता है कि दो लोग लड़ाई कर रहे हों तो देखने के लिए हर कोई खड़ा हो जाता है। इस कार्यक्रम में सब लोग अपने को सामाजिक सिद्ध करते हैं। यह अपने ढ़ंग की सामाजिकता है। यदि आप ऐसे महान अवसर पर नहीं निकले तो तुरंत हर कोई आपको असामाजिक सिद्ध करने में लग जायेगा। इसीलिए जिनकी रूचि नहीं होती वे भी सामाजिक होने के फेर में लड़ाई झगड़े को बड़े मन से देखते हैं फिर सब मिलकर उस अवसर की कहानी सुनाते और अपने ढ़ंग से विश्लेषण करते हैं । इस कार्य को सभी मन से करते हैं।

क्या कर लिया? इस तरह पूछते हैं कि हमारे कर्म में इन्हें कोई खास रूचि हो, जबकि ऐसा नहीं है। इनके पूछने का मकसद होता है कि कौन क्या कर रहा है यह पता चल जाये। कुछ करें या न करें पर दूसरे क्या कर रहे हैं इसकी पूरी जानकारी रहनी चाहिए। इसके लिए बकायदा आदमी भी रखना पड़े तो वह भी रख लेते हैं। इसे वे सांसारिक होना कहते हैं। संसार में होने का अर्थ यह नहीं है कि आप संसार में हैं। संसार के किसी कोने में या किसी बड़ी कालोनी में रहते हैं या किसी मकान में रहते हैं या कोई घर है और उस घर में रहते हैं। यह रहना काफी नहीं है और न ही इस तरह रहने को दुनियादारी में रखा जाता है। इस तरह तो कोई भी जीव रह लेता है। आप जहां रहते हैं उसके आसपास आपके रहने का जब तक शोर न हो जब तक लोग यह न कहने लगे कि यहां फलां आदमी रहते हैं तब तक भला क्या रहना। रहना, होना और अपनी उपस्थिति के साथ होना ही सही मायने में होने को परिभाषित करते रहते हैं। कुछ लोग अपना कदम रखते ही अपने को परिभाषित करते हैं । आपको पूछने की जरूरत नहीं पड़ेगी उनका होना ही काफी होता है। वे हर समय अपने आपको परिभाषित करते हैं। सब कुछ शांत चल रहा हो तो अचानक ही इस तरह बौखला जायेंगे कि पारा यदि 21 डिग्री पर हो तो अचानक से 51 डिग्री वाले पारे का माहौल बन जायेगा। सब ठीक-ठाक चल रहा हो तो दो चार लोगों से यूं ही चलते चलते लड़ लेंगे। कोई लड़ नहीं रहा था। भाई कब तक चुप रहते। मुझसे चुप रहा ही नहीं जाता। हम तो साहब मुंह में हाथ डालकर बुलवाते हैं इसके बाद भी कोई नहीं बोलता तो ठोकने पीटने का काम कर लेते हैं। यह पुरानी आदत है। इसके बिना मन लगता ही नहीं। इसी तरह चलते चलते अपने कदमों का हिसाब रखें या न रखें हमें तो औरों का हिसाब रखना पड़ता है।

अपना नहीं पर दूसरों के कदमों का हिसाब रखना ही पड़ता है...

1. क्या कर रहे हैं और क्या नहीं कर रहे हैं इसका वॉच करते रहे। लोग क्या कर रहे हैं, लोगों की फील्ड क्या है? कौन किस फील्ड से आकर सफल हुआ और तुम सफल नहीं हुए तो इसमें तुम्हारी क्या कमी है इसे जानों। यदि तुम कमियां नहीं जानोगे तो सफल कैसे हों सकते हो। सफल होने के लिए अपनी कमियों के साथ साथ दूसरों की कमियों पर निगाह रखनी पड़ती है.....सफल होने के लिए अपने साथ साथ अन्य के बारे में जानना जरूरी होता है। प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाना पड़ता है। दूसरे आपको कुछ नहीं देंगे। आपको अपनी जरूरत की दुनिया खूद हासिल करनी होती है।

2. खुद कुछ न करें और औरों को दोष देते रहे। आजकल दूसरों के माथे मढ़ देने की कला तेजी से विकसित होती जा रही है। आज हर कोई दूसरे को अपनी उपस्थिति और अनुपस्थिति में जोड़ लेता है। यदि सफल नहीं हैं तो फिर इस दिशा में कोई और काम करेगा।

3. इस तरह चलें कि कोई न कोई आधार हो। यह अपने क्षेत्र, अपनी भूमि और अपने आधारभूत जीवन में रूचि रखने से आता है। जब इस तरह कार्य करते हैं तो निश्चित ही आप सफल होते हैं। यह लगे कि यह कार्य तो आप ही कर सकते हैं।

4. थोड़ा सामाजिक बने। अपना कार्य भी करें पर अपने साथ साथ अन्य के लिए भी कुछ करते हैं तो आपकी दुनिया बड़ी होती है। अपने ही स्वार्थ में उलझे रहे तो सुंदर दुनिया निरस सी हो जाती है।

5. अपने आसपास की दुनिया पर भरोसा रखें और लोगों के भीतर सामाजिक परिवर्तन लाने की कोशिश करते रहे। यह कोई एक दो दिन की बात नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है। यदि आप अच्छा करते हैं अच्छा सोचते हैं तो यह आप ही कर सकते हैं। इसे कोई और नहीं करेगा। आपको आगे आना ही होगा। सामाजिक हस्तक्षेप के लिए हमेशा से अपने साथ अन्य सामाजिक हस्तक्षेप के आदमी को लेकर उससे जीवन की पहल करना सीखना पड़ता है। तब जाकर आप सफल होते हैं।

डीजे वाहन पलटने से दो की मौत, पुलिस ने वाहन चालक पर किया मामला दर्ज

बारातियों ने डीजे वाहन में लगाई आग

बैतूल। शाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम जामुढाना में बीती रात एक शादी समारोह में डीजे में गाना बजाने को लेकर विवाद हुआ था, विवाद के चलते डीजे वाहन रिवर्स लेने के समय उससे कुछ लोग टकरा गये और डीजे वाहन पलट गया। डीजे वाहन के नीचे तीन लोग दब गये थे, जिसमें 17 वर्षीय युवती की तत्काल मृत्यु हो गई थी, एक अन्य महिला भी गंभीर रूप से घायल हुई थी। जिसे जिला अस्पताल बैतूल भेजा गया था, जिसकी आज उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं एक अन्य घायल शांता उम्र 30 वर्ष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर में भर्ती किया गया है जिसकी हालत अब स्थिर है।

इस संबंध में शाहपुर थाना प्रभारी जयपाल इवनाती ने बताया कि घटना के बाद आक्रोश में ग्रामीणों ने डीजे वाहन में आग लगा दी थी। घटना की सूचना पुलिस को लगते ही शाहपुर थाना प्रभारी व एसडीओपी शाहपुर मयंक तिवारी घटनास्थल पर पहुंचे और घटनाक्रम को समझ कर उपद्रवियों पर काबू पा लिया था। इस पूरे घटनाक्रम में अब तक दो लोगों की मौत हुई है और एक घायल हुआ है। उक्त घटना गाना बजाने को लेकर ग्रामीणों में और डीजे संचालक में विवाद के कारण प्रारंभ हुई। जिसके बाद डीजे चालक ने गुस्से में पीछे गाड़ी ली तो वह ढलान में होने के चलते उससे कुछ लोग टकरा गए और डीजे वाहन पलट गया। जिसके बाद शादी में शामिल हुए ग्रामीणों में आक्रोश उत्पन्न हो गया और इस घटना को उन्होंने अंजाम दिया। फिलहाल पूरे मामले को पुलिस ने शांत करवा दिया है। मामले में अज्ञात डीजे चालक पर मर्ग कायमी पश्चात अप.क्र. 224.24 कायम किया गया है।

खंबारा टोल के पास पलटी अनियंत्रित कार, कार के परखच्चे उड़े, चार घायल

बैतूल/मुलताई। मुलताई नागपुर नेशनल हाईवे 47 खंबारा टोल के पास उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक तेज गति से आती कार अनियंत्रित होकर अनेक पलटी खाकर एक लाइन से दूसरी लाइन पर जाकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना की भीषणता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि कार के पूरी तरह से परखच्चे उड़ गए हैं। और कर में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार मुलताई की ओर से नागपुर की ओर जा रही एक कार खबांरा टोल के पास अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिससे कार में सवार 4 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि कार चालक को अचानक से झपकी आ गई। जिससे कार अनियंत्रित होकर हवा में तीन गोते खाकर लेन बदलकर पलट गई। कार में सवार लोग उज्जैन महाकाल के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। तभी रास्ते में हादसा हो गया। घायलों को एंबुलेंस से मुलताई अस्पताल लाया गया। जहां उपचार किया जा रहा है। वहीं दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़ गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार धामोरी छत्तीसगढ़ निवासी रत्ना पति रत्नाकर 52 वर्ष, जय पुत्र सुरेश 17 वर्ष, चंद्रहास पुत्र संजय 18 वर्ष तथा भास्कर पुत्र रत्नाकर 25 महाकाल उज्जैन से वापस धामोरी जा रहे थे। इसी दौरान खंबारा टोल के पास चालक को झपकी आने से कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। दुर्घटना में रत्ना को छाती पर अधिक चोट आई है। दुर्घटना में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होना बताया जा रहा है। जो डिवाइडर से टकराकर दूसरे लेन पर जा पलटी। कार पलटने के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। कार के कांच तोड़कर घायलों को बाहर निकला गया। टोल पर तैनात एंबुलेंस में घायलों को शिफ्ट कर प्राथमिक उपचार देकर सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

कोतवाली ने फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

बैतूल। थाना कोतवाली में दिनांक 12-04-24 को पीड़िता ने थाना कोतवाली में आकर आरोपी शेख सिकंदर पिता शेख बाबू निवासी आर्य वार्ड कंपनी गार्डन बैतूल के द्वारा दिनांक 08-04-24 को उसके घर में घुसकर जबरदस्ती छेड़छाड़ की, जिस पर आरोपी शेख सिकंदर के विरुद्ध धारा 452, 354, 354(क), 506 भादवि का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी शेख सिकंदर की तलाश की जा रही थी। उक्त आरोपी घटना दिनांक से फरार चल रहा था, जिसने अपनी फरारी के दौरान जिला एवं सत्र न्यायालय बैतूल एवं उच्च न्यायालय जबलपुर में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया। जिसके विरोध में कोतवाली पुलिस के द्वारा भेजे गए विरोध पत्र से संतुष्ट होकर उसकी अग्रिम जमानत खारिज की गई। जिसे आज दिनांक 30-05-24 को गिरफ्तार कर न्यायालय बैतूल में पेश किया गया, जिसका न्यायालय बैतूल से जेल वारंट पर उसे जिला जेल भेजा गया।

ईटीपी बनखेड़ी जिला नर्मदापुरम की और रेत भरी जा रही शाहपुर से

निशाना रैयत जांच चौकी में हुआ खुलासा

बैतूल। जिले में रेत माफिया का बोलबाला नजर आ रहा है। रेत माफियाओं के हौसले इतने बुलंद है कि वह पुलिस और प्रशासन को भी ताक पर रखे हुए हैं। इसका उदाहरण बीती रात शाहपुर क्षेत्र में निशाना रैयत जांच चौकी नजर आया। जहां रेत के चार वाहनों पर ईटीपी नहीं थी। खनन कंपनी ने जल्दबाजी में इन वाहनों पर ईटीपी जारी की, जिनमें से तीन वाहनों को बैतूल की ओर भगा दिया गया। इस मामले में शाहपुर नगर परिषद के अध्यक्ष विक्की नायक ने अवैध रूप से रेत का परिवहन करने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने इस संदर्भ में घोड़ाडोंगरी विधानसभा क्षेत्र की विधायक गंगा उइके, कलेक्टर एवं खनिज विभाग को पत्र लिखकर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करने का आग्रह किया है। नायक ने इस मामले की जानकारी मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव एवं अनुविभागीय अधिकारी शाहपुर को भी दी है।

दरअसल मामला यह है कि 26 मई 2024 को रात लगभग 10:30 बजे स्थल खनिज जांच चौकी निशाना रैयत पर ग्रामीणों द्वारा सूचना देकर नप अध्यक्ष विक्की नायक को बुलाया गया। नायक ने वहां पहुंचकर पुलिस और एसडीएम को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। जांच में पाया गया कि चार वाहनों पर ईटीपी नहीं थी। खनन कंपनी ने जल्दबाजी में इन वाहनों पर ईटीपी जारी की, जिनमें से तीन वाहनों को बैतूल की ओर भगा दिया गया।

अवैध गतिविधियाँ और प्रशासनिक लापरवाही उजागर- जांच में यह भी पाया गया कि दो वाहनों की ईटीपी बनखेड़ी जिला नर्मदापुरम से जारी की गई थी जबकि इन वाहनों में रेत गुवाडी, सातलदेही तहसील शाहपुर से भरी जा रही थी। इन वाहनों में दर्शाई गई मात्रा से अधिक रेत का परिवहन हो रहा था, जिससे शासन को राजस्व की करोड़ों रुपये की हानि हो रही थी।

कार्रवाई की मांग- विक्की नायक ने पत्र में अनुरोध किया है कि उपरोक्त वाहनों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और आगामी समय में ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने बताया कि रेत कंपनी के कर्मचारी काले रंग के वाहनों का उपयोग करके ग्रामीण क्षेत्रों में मार्च निकालकर धमकी देकर जनता में भय का माहौल पैदा कर रहे है। नायक ने मौके पर पाए गए वाहनों की ईटीपी और फोटोग्राफ्स भी संलग्न किए हैं। नायक ने अवैध रेत परिवहन के मुद्दे पर प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। नायक के अनुसार इस मामले में प्रशासन की तत्परता और सख्ती से कार्रवाई करने से ही रेत के अवैध परिवहन पर रोक लगाई जा सकती है, जिससे शासन को होने वाली राजस्व हानि को कम किया जा सकेगा।

नशा शरीर, बुद्धि और पैसों का नाश करता है मंजु दीदी

तंबाकू एक धीमा जहर: बीके अर्चना बहन

रेल्वे स्टेशन पर चलाया नशा मुक्ति अभियान

बैतूल। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय भाग्य विधाता भवन द्वारा नशा मुक्ति जागृति अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी ने सभी को तंबाकू से होने वाले नुकसान के बारे में बताया और किस प्रकार से आज तंबाकू जैसा जहर मनुष्य के जीवन को खत्म कर रहा है। लोग टेंशन और डिप्रेशन में आकर तंबाकू, गुटखा, जर्दा बीड़ी, सिगरेट का सेवन करते जा रहे है और अपने शरीर को कैंसर जैसी बीमारियों से ग्रस्त करते जीवन को खत्म कर रहे हैं। मंजु दीदी ने कहा कि नशे से शरीर, सामाजिक प्रतिष्ठा और बुद्धि के नाश के साथ आर्थिक नुकसान भी होता है। जिसके कारण परिवार को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होने बताया कि जीवन को राजयोग मेडिटेशन के द्वारा तंबाकू से मुक्त कर सकते हैं। इस अवसर पर उपस्थित सभी ने स्वयं और समाज के हर लोगों को तंबाकू और उससे बने पदार्थ से मुक्त बनाने का संकल्प किया।

बैतूल। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर शुक्रवार को ब्रह्मा कुमारीज द्वारा रेलवे स्टेशन बैतूल में नशा मुक्ति प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में चित्रों के द्वारा तंबाकू के नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताया गया। शुभारंभ अवसर पर बीके अर्चना बहन ने बताया कि तंबाकू एक धीमा जहर है जिसमें निकोटिन पाया जाता है। इसको तो गधा जानवर भी नहीं खाता और मनुष्य जैसा समझदार प्राणी अपने हाथों की लकीरों को मिटा-मिटा कर खाता है। सिगरेट पीने में अपनी शान समझते हैं और बीड़ी से अपने कलेजे को जला रहा है जिससे कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियां होती है और वे अकाल मृत्यु के गर्त में जा रहे है। इसलिए इस तंबाकू को आज से ही न लेने का संकल्प करें। ब्रह्मा कुमारीज द्वारा सिखाए जाने वाले राजयोग मेडिटेशन से संकल्पों को बल मिलता है। इसे सीख कर सदा के लिए नशे से मुक्त हो जाए। रेलवे स्टेशन पर इस व्यसन मुक्ति प्रदर्शनी का शुभारंभ स्टेशन प्रबंधक वीके पालीवाल, निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल राजेश बनकर, बीके सविता, बीके प्रतिभा, एवं बीके अर्चना के उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर बीके अर्चना ने सर्व को संबोधित किया एवं बीके सविता बहन ने सभी को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया। स्टेशन पर अनेक यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों ने इस प्रदर्शनी को देखकर नशा मुक्त होने का संकल्प लिया। स्थानीय रेल अधिकारियों, कर्मचारियों एवं रेल यात्रियों ने ब्रह्मकुमारीज द्वारा मानव हित में आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना की।

बैतूल की नर्सिंग छात्रा के साथ ग्वालियर में चलती कार में गैंगरेप

नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर छात्रा को बेहोश किया, आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। ग्वालियर शहर में रहकर नर्सिंग की पढ़ाई कर रही बैतूल निवासी छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता को नौकरी दिलाने के बहाने उसका दोस्त अपने साथ ले गया। उसने कार सवार तीन युवकों के हवाले कर दिया। तीनों युवकों ने नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर छात्रा को बेहोश किया और इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। फिर उसे कार से उतारकर भाग गए। इस मामले में मुरार थाना पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म, धमकाने सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनसे पूछताछ की जा रही है।

नौकरी दिलाने के बहाने से बुलाया- मूल रूप से बैतूल की रहने वाली 26 वर्षीय युवती ग्वालियर से नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। वह गोला का मंदिर स्थित काल्पी ब्रिज कालोनी में रहती है। छात्रा की मुलाकात लैब असिस्टेंट कृष्णा शर्मा से हुई थी। कृष्णा शर्मा से छात्रा ने कहा था कि उसे नौकरी की जरूरत है। नौकरी की बात करने के लिए कृष्णा ने छात्रा को मुरार के सात नंबर चौराहा पर बुलाया। यहां छात्रा पहुंच गई। इसके बाद उसने छात्रा को नरेश राजपूत, मोहर सिंह त्यागी और लाल सिंह से मिलवाया। यह लोग कार से यहां आए थे। तीनों ने उसे नौकरी दिलाने की बात कही। फिर कार में बैठा लिया। इसके बाद बातचीत करने की कहकर उसे अपने साथ ले गए। कृष्णा वहीं रह गया।

कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद छाया छात्रा की आंखों के सामने अंधेरा- कार सवार युवकों ने उसे कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए दी। कोल्ड ड्रिंक पीते ही छात्रा की आंखों के सामने अंधेरा छाने लगा। फिर उसके साथ तीनों ने दुष्कर्म किया। उन्होने उससे मारपीट भी की। काफी देर बाद छात्रा को वहीं छोड़कर भाग गए। यह लोग कार को मुरार से सिरोल हाइवे की तरफ ले गए थे। यहां सिकरोदा से पहले कार में दुष्कर्म किया। छात्रा को जब कार से उतारा तो वह चल भी नहीं पा रही थी वह किसी तरह थाने पहुंची। उसने पुलिस को पूरी घटना बताई। घटना की गंभीरता को देखते हुए रात में ही नाकेबंदी की गई। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुरार से छात्रा को तीन लोग अपने साथ ले गए थे। छात्रा का दोस्त ही नौकरी दिलाने के बहाने उसे लाया था। इस मामले में एफआईआर दर्ज कर कुछ ही देर बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों से पूछताछ चल रही है।

फिजियोथेरेपी और पैरामेडिकल विद्यार्थियों का भविष्य संकट में

बैतूल। मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (एमपीएमएसयू), जबलपुर विद्यार्थियों ने शीघ्र परीक्षा कराए जाने की मांग द्वारा फिजियोथेरेपी सत्र 2021-22 की परीक्षा अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिए जाने से सैकड़ों छात्रों का भविष्य संकट में है। एनएसयूआई के कार्यकर्ता संकल्प मिश्रा ने बताया कि यदि जल्द से जल्द परीक्षा नहीं करवाई गई तो सभी पैरामेडिकल छात्र भूख हड़ताल पर बैठेंगे। संकल्प मिश्रा ने बताया कि सत्र 2021-22 के पैरामेडिकल छात्र-छात्राओं की परीक्षा अभी तक नहीं हो पाई है, जिससे वे और उनके परिवारजन मानसिक एवं आर्थिक रूप से परेशान हैं। यह परीक्षा 29 मई 2024 से प्रारंभ होने वाली थी, लेकिन कुछ अपरिहार्य कारणों से इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। छात्र-छात्राओं ने बताया कि 10 नवंबर 2021 को निर्धारित प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर उन्होंने चोइथराम कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंस इंदौर में प्रवेश लिया मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के नियम अनुसार महाविद्यालय द्वारा पाठ्यक्रम पूर्ण पूर्ण हो चुका है उसके पश्चात 2 साल हो चुके हैं लेकिन अभी तक के परीक्षा नहीं हो पाई है।

पीपल ढाना में पेयजल के लिए मचा हाहाकार

कुएं के डोबरे से गंदा कीटाणुयुक्त पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

बैतूल। जिला मुख्यालय के समीपस्थ गांव खेड़ीसांवलीगढ़ के गावों में पीने के पानी की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। लोग दूर दूर से पीने का पानी जुटा रहे है लेकिन सरकारी नुमाइंदे इस विकराल समस्या को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नही है। जिला मुख्यालय से महज 15 किलो मीटर दूर विकासखंड की ग्राम पंचायत सराड के पीपलढाना गांव के आदिवासी पीने के पानी के लिए कुएं के गंदे और कीटामुयुक्त पानी पर आश्रित हो गए है। इसके लिए भी ग्रामीणों को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। कुएं में भी पानी कम होने की वजह से बाल्टी डूब नही पाती, ऐसे में कुएं में उतरकर ग्रामीण बाल्टी भरते है, फिर ऊपर खड़े लोग उसे खींचते है और इस दुर्गंधयुक्त पानी को पीने योग्य बनाने कपड़े से छानकर पानी जुटाते है। ग्रामीण बताते है की इस पानी में सूक्ष्म कीटाणु भी है। पानी मट्टमेला है, फिर भी उन्हे इस पानी को ही उपयोग में लेना पड़ रहा है।

खेतो में ट्यूबवेल पर 200 रुपए माह में बेचा जा रहा पानी- ग्रामीणों ने बताया कि गांव के आसपास कुछकिसानों के खेत में ट्यूबवेल है, लेकिन वे भी 200 रुपए प्रति माह लेकर पानी बेच रहे है। गरीब आदिवासी पानी खरीद कर पानी नहीं पी सकते। पीपलढाना में हेडपंप नही है, बोरवेल में मोटर फंसी है, इन सब समस्याओं के बावजूद जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी को नही समझ पा रहे और ग्रामवासी बूंद-बूंद पानी को तरस रहे है। इन गावों को जल जीवन मिशन में भी नही जोड़ा गया। बैतूल विकासखंड में यह एक ऐसा गांव है जहां ग्रामीणों के सुख सुविधा की चिंता किसी को नही है, ग्रामीणों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। विगत दिनों भीमपुर विकासखंड के ग्राम उत्तरी में पेयजल संकट की खबर पर वास्तविकता जानने कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी भरी दोपहर में उत्तरी पहुंच गए थे। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि साहब उनके गांव में लोग सच में बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे है, उनकी समस्या का निराकरण भी शीघ्र करें।

नगर पालिका ने दिखाई सख्ती, अब अतिक्रमण करने वालों पर होगा 500 रु. जुर्माना

शनि सरोवर के पास लगेगी चौपाटी, चौपाटी संघ की मांग, सुविधा उपलब्ध कराए नगर पालिका

बैतूल/मुलताई। नगर पालिका ने लंबे समय बाद ताप्ती परिक्रमा क्षेत्र और मुख्य मार्ग से अतिक्रमण हटाने की मुहिम तेज कर दी है। आज भी परिक्रमा मार्ग से व्यापारियों द्वारा किया गया स्थाई अतिक्रमण हटाया गया। दसवां घाट के सामने व्यापारियों ने पक्का अतिक्रमण कर लिया था जिसे नगर पालिका कर्मचारियों ने तोड़कर हटाया इसके साथ ही अतिक्रमण करने वालों से 5000 रुपए जुर्माने की वसूली भी की गई है। अब मुख्य मार्ग सहित राष्ट्रीय स्मारक एवं शिलालेख भी अतिक्रमण मुक्त दिखाई देने लगे हैं। राष्ट्रीय स्मारक एवं शिलालेख सहित रेलवे मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण कर लगाई गई पानी पुरी एवं फल फरूट की दुकान को हटा दिया है । अब अतिक्रमण करने वालों पर नगर पालिका 500 रुपए जुर्माना करेगी। जिन चार्ट पानी पुरी के खोम्चो को नगर पालिका ने हटाया है उन सभी दुकानों को शनि सरोवर के सामने चौपाटी के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है।

शनि सरोवर पर सुविधा उपलब्ध कराए नगर पालिका- इधर शनि तालाब चौपाटी यूनियन ने अनुविभागीय अधिकारी तृप्ति पटैरया के नाम ज्ञापन सौंप शनि तालाब चौपाटी पर सुविधा प्रदान करने एवं शहर की सभी खाद्य पदार्थ के ठेले चौपाटी पर लगाए जाने की मांग की है। सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि शनि तालाब चौपाटी पर पीने के पानी की व्यवस्था की जाए, बिजली की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही लोडिंग वाहन का प्रवेश निषेध करवाए, शनि तालाब की जाली लगाकर बैठने की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। शहर के अलग-अलग जगह लगने वाले ठेले जिस पर खाद्य पदार्थ विक्रय किया जाता है सभी को चौपाटी स्थल पर एक साथ लगाया जाए।

परिक्रमा क्षेत्र हुआ अतिक्रमण मुक्त-पवित्र नगरी का ताप्ती परिक्रमा क्षेत्र नगर का धार्मिक और पवित्र श्री क्षेत्र है। जहां बड़ी संख्या में हर धार्मिक पर्व पर श्रद्धालु आते हैं किंतु कुछ वर्षों से इस परिक्रमा क्षेत्र में अतिक्रमण मकड़ जाल की तरफ फैल रहा है। यहां तक की लोगों को परिक्रमा क्षेत्र में पैदल चलने में दिक्कत होने लगी थी एक ही परिवार के कई लोगों ने अलग-अलग अतिक्रमण कर दुकान लगा रखी थी । हद तो यह थी कि अतिक्रमण करने वालो ने देश की आजादी 15 अगस्त 1947 के यादगार जय स्तंभ राष्ट्रीय स्मारक तक को नहीं छोड़ा था और ना ही ताप्ती परिक्रमा क्षेत्र के शिलालेखों को जिसे नगर पालिका ने पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त कर लिया है।

शनि सरोवर के पास चौपाटी नगर पालिका का सराहनीय प्रयास- रेलवे स्टेशन मुख्य मार्ग पर जहां हमेशा आवागमन बना रहता था यहां कभी भी गंभीर हादसा हो सकता था इसे देखते हुए नगर पालिका ने शनि सरोवर के पास चौपाटी स्थल बनाने का निर्णय लिया है। भेलपुरी एवं चार्ट तथा फोल्डिंग ग्रुप के राजू साहू एवं अरुण पवार ने इसे नगर पालिका का सराहनीय कदम बताया है। पूर्व भाजपा पार्षद हनी सरदार कहते हैं कि ताप्ती परिक्रमा श्री क्षेत्र से अतिक्रमण हटाया जाना उचित कदम आवश्यक है किंतु जो गरीब छोटी-छोटी दुकान लगाकर अपने आदमी का चलते हैं उनकी उचित व्यवस्था की जानी चाहिए पुराने अस्पताल में जहां पार्किंग की सुविधा है या सभी प्रकार की दुकान लगाई जा सकती है मुख्य मार्ग पर होने से व्यापारियों को भी इसका लाभ मिलेगा।

इनका कहना--

शनि सरोवर पर हमने चौपाटी लगाने का निर्णय लिया है दुकान लगना प्रारंभ होने के साथ ही न.पा. लाइटिंग आदि सभी व्यवस्था करना प्रारंभ कर देगी।

- आर के इवनाती, मुखय नपा. अधिकारी मुलताई

समीक्षा

राजेश शर्मा

समीक्षक

वैश्विक मानवता का सार तत्व है महात्मा चरित काव्यांजलि

महान विचारक कार्ल इमर्सन ने कहा था - अतीत ही वर्तमान को प्रभावित नहीं करता अपितु वर्तमान भी अतीत को प्रभावित करता है यह बात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के संदर्भ में शत प्रतिशत सही है। महात्मा गांधी के जीवन पर अनवरत शोध करना व उनके जीवन को कालक्रमानुसार छंद विधान में लिखना भागीरथी प्रयास ही है। सच पूछा जाए तो यह महाकाव्य महात्मा चरित काव्यांजलि न केवल इतिहास व साहित्य का सुंदर समन्वय है अपितु इसमें मानवता, विश्व बंधुत्व, जाति, धर्म, सम्प्रदाय, भाषा, संस्कृति एवं मानवीय सभ्यता के समन्वय की विराट चेष्टा है। पुस्तक की भूमिका में मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने लिखा है - मंचीय कविता के ओजयुक्त इस स्वर का शांतिदूत की जीवन गाथा का गायक बन जाना उनको जानने वालों को चौका देगा। मैं इसे राष्ट्रीय चेतना के ज्वालामुखी के शीतल झरने की परकाया में प्रवेश की प्रक्रिया मानता हूँ। अखिल भारतीय मंचों पर ओज के शीर्षस्थ कवियों में शुमार राष्ट्रीय ओज कवि यशवंत चौहान के इस महाकाव्य महात्मा चरित काव्यांजलि में कुल 12 सर्ग है। जिसमें गांधीजी का साध्यन्त जीवन एवं जीवन दर्शन समाहित है। छंद विधान में लिखे गये इस महाकाव्य में दोहा, चौपाई एवं मनहरण घनाक्षरी का सुंदर समन्वय है। प्रत्येक सर्ग का प्रारंभ मनहरण घनाक्षरी एवं दोहे का के साथ किया गया है। आवरण और प्रत्येक सर्ग के प्रारंभ में विषय वस्तु के अनुरूप विश्व प्रसिद्ध चित्रकार संदीप राशिनकर के रेखा चित्रों से सुसज्जित यह महाकाव्य पढ़कर एक सुखद अनुभूति होती है।

प्रथम सर्ग में महाकाव्य परंपरा का अनुसरण करते हुए मंगलाचरण में श्री गणेश, माँ सरस्वती, गुरु, शब्द एवं शब्द साधकों का वंदन किया गया है। प्रथम सर्ग में ही उनके बचपन व प्रारम्भिक शिक्षा को कलमबद्ध किया गया है।

हर अक्षर हर शब्द समर्पित।
अंतर्मन मनोभाव अर्पित।।
मंगलाचरण में सुमिरन है।
श्री गणेश शारदा नमन है।।

द्वितीय सर्ग में उनके बैरिस्टर की शिक्षा हेतु इंग्लैंड प्रवास का वृतांत है। इस हेतु उनके संघर्ष की कहानी को सुंदर तरीके से उकेरा गया है। समुद्र यात्रा के लिए जाति से बहिष्कृत कर देना, बैरिस्टर की शिक्षा हेतु मावजी दवे की सलाह, इंग्लैंड में शिक्षा, शाकाहार क्लब का गठन आदि का प्रमुखता से उल्लेख किया गया है। गांधी साहित्य में प्रायः उपेक्षित रहे उनके बड़े भाई लक्ष्मीदास गांधी के योगदान को सुंदर तरीके से उकेरा है।

मावजी दवे सलाह पायी।
पितृतुल्य भूमिका निभायी।।
परिवार ने राय स्वीकारी।
ब्रिटेन जाने की तैयारी।।

तृतीय सर्ग में परिवार के लिए जीविकोपार्जन की कहानी है। बैरिस्टर के रुप मे आशातीत सफलता प्राप्त न होने पर उन्होंने अर्जियां लिखी, शिक्षक के रुप मे कार्य करने का भी विचार किया। उन्होंने काठियावाड़ रियासत में भी कार्य किया किंतु रास नहीं आया।

शिक्षक पद देखा विज्ञापन।
देखते ही किया आवेदन।।
पचहत्तर रुपये वेतन था।
अर्जन बिन सूना जीवन था।।

महाकाव्य का चतुर्थ सर्ग गांधीजी की उस महान यात्रा से संबंधित है जो उनके वैश्विक महामानव बनने की ओर प्रथम कदम है। दक्षिण अफ्रीका में मेमन फर्म के प्रस्ताव को स्वीकार किया। उन्होंने यहाँ पर कदम-कदम पर अपमान के घूंट पिये। वकालात में उन्होंने दोनों पक्षों में समझौता करवा कर इस पेशे में एक नई मिसाल प्रस्तुत की। उन्होंने गिरमिटिया बालसुन्दरम की घटना को संज्ञान में लेते हुए उसे विश्व पटल पर रखा।

बालसुन्दरम की आजादी।
गिरमिट प्रथा बंद करवा दी।।
गांधी की चर्चा यूँ फैली।
गांधी बन गये एक पहेली।।

पंचम सर्ग में भारत प्रवास का वर्णन है। वे परिवार को लेने के लिए यहाँ आये व कुछ समय यहाँ रुके। इस दौरान उन्होंने अनेक प्रतिष्ठित अखबारों के संपादकों से सम्पर्क साधा एवं दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों की व्यथा का वर्णन किया। भारत यात्रा का महत्वपूर्ण कार्य था हरि पुस्तिका का प्रकाशन। इसमें गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद नीति एवं भारतीय गिरमिटियाओं का विस्तृत वर्णन किया।

हरी पुस्तिका में चित्रण था।
पीड़ाओं का सब वर्णन था।।
भारत जन का दर्द बताया।
रंगभेद का सच समझाया।।

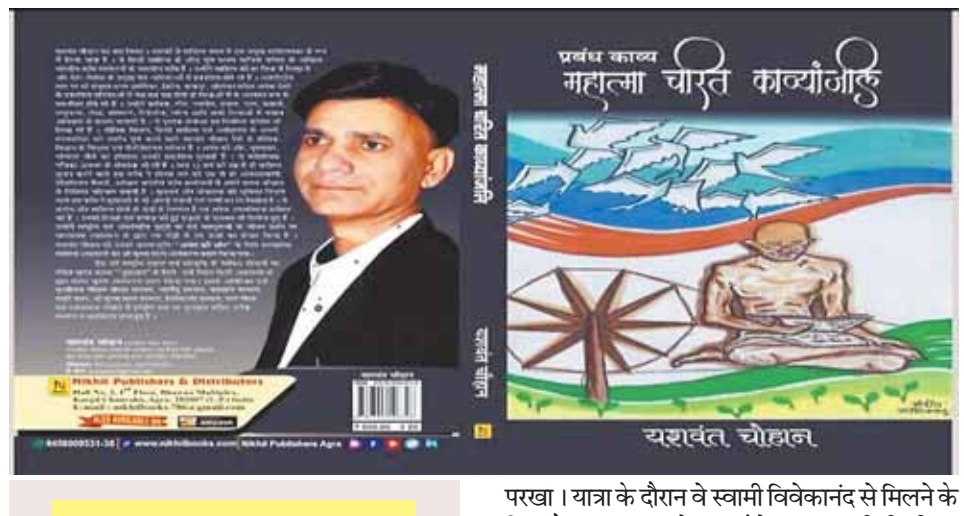

पुस्तक

पुस्तक - महात्मा चरित काव्यांजलि
लेखक - यशवंत चौहान
संस्करण - 2023
प्रकाशक - निखिल प्रकाशन आगरा
मूल्य - 500 रुपये

षष्ठम सर्ग में दक्षिण अफ्रीका की द्वितीय यात्रा का वर्णन किया गया है। अफ्रीका पहुंचने पर उन पर प्राणघातक हमला हुआ।

गांधीजी ने विकट परिस्थितियों में यहाँ पर कार्य किया। जब वे यहाँ से विदा हो रहे थे तब अनेक उपहारों के साथ बा को एक सोने का हार मिला था। गांधीजी ने उसे यह कहते हुए अस्वीकार करने को कहा कि सेवा का कोई मोल नहीं होता है। उन्होंने मिले उपहारों से एकत्र धन के लिए एक ट्रस्ट बनाया और उसे जन सेवा में समर्पित कर दिया।

बा को अनुपम हार मिला था।
सेवा का उपहार मिला था।।
गांधी में यह भाव समाया।
सेवा का मोल नहीं पाया।।

सप्तम सर्ग में पुनः भारत आने का वृतांत है। उन्होंने भारत भ्रमण किया व यहाँ की समस्याओं को देखा और परखा। यात्रा के दौरान वे स्वामी विवेकानंद से मिलने के लिए पैदल चलकर बेलूर पहुँचे मगर स्वामीजी बीमार होने के कारण कलकत्ता आये थे। हाँ उनकी भेंट भगिनी निवेदिता से अवश्य हुई।

सारे अनुभव साथ थे, गांधी के इस बार।
देश सेवा का जज़्बा, मन मे अपरंपार।।

अष्टम सर्ग में दक्षिण अफ्रीका की तृतीय व अंतिम यात्रा का वृतांत है। इस सर्ग में मगनलाल गांधी और केलनबेक हरमन के अभूतपूर्व योगदान है। इस यात्रा में उन्होंने सत्याग्रह का सफल प्रयोग भी किया। टॉलस्टॉय व फीनिक्स आश्रम की स्थापना भी की। उन्होंने 21 वर्षों तक दक्षिण अफ्रीका की सेवा की।

सदाग्रह शब्द मन में आया।
मगनलाल ने शब्द सुझाया।।
सत्याग्रह को ही अपनाना।
जीवन में जागृति था लाना।।

नवम सर्ग में गांधीजी के भारत में आगमन और यहाँ पर किये गये विविध रचनात्मक कार्यों का उल्लेख है। इस महत्वपूर्ण सर्ग में साबरमती आश्रम की स्थापना, अछूतोद्धार, चंपारण में नील विद्रोह, जलियांवाला बाग की घटना आदि का उल्लेख है।

भारत स्वाभिमान का चरखा।।
स्वदेशी सम्मान का चरखा।।
साबरमती संत का चरखा।
श्रम शक्ति आनंद का चरखा।।

दशम सर्ग में असहयोग आंदोलन सहित अनेक घटनाओं का चित्रण किया गया है। खादी धारण, आजीवन लंगोटी धारण, मीरा बेन और सरलादेवी का वृतांत, भगतसिंह के शहादत की कहानी, नेहरू रिपोर्ट आदि का उल्लेख है। असहयोग आंदोलन स्थगित करने पर एक दौर ऐसा भी रहा जब उनके निकटतम सहयोगी भी उनसे विमुख रहे।

रूठे सुभाष दास जवाहर।
दृढ़ इरादे हो गये जर्जर।।
लालाजी ने रोष जताया।
हिमालय तुल्य दोष बताया।।

एकादश सर्ग में नमक आंदोलन का सजीव चित्रण कवि यशवंत चौहान द्वारा किया गया है। यंग इंडिया में अपनी 11 मांगे रखी व 12 मार्च 1930 को दांडी मार्च प्रारंभ किया। वर्धा में सेवाग्राम की स्थापना एवं कार्यों का विस्तृत वर्णन किया गया है। न केवल भारत में अपितु सम्पूर्ण एशिया में भी गांधीजी के आंदोलनों का व्यापक प्रभाव रहा।

मॉरीशस बापू के पथ पर।
स्वतंत्रता के बापू रहबर।।
आज़ादी दिवस यूँ मनाया।
दांडी मार्च दिवस अपनाया।।

द्वादश या अंतिम सर्ग में भारत की आजादी का विशद वर्णन है। गांधीजी के महाप्रयाण का मार्मिक चित्रण किया गया है। भारत छोड़ो आंदोलन, मनु का त्याग व समर्पण, विभाजन की विभीषिका, रियासतों का एकीकरण, आदि घटनाओं का उल्लेख है।

नेहरू पटेल का निमंत्रण।
किंतु बैठे आमरण अनशन।।
देश जले मैं खुशी मनाऊँ।
ऐसा कैसे मैं कर पाऊँ।।

अनेक विशेषताओं को लिए इस महाकाव्य में कवि ने हर उन प्रश्नों और आरोपों के भी उत्तर दिए हैं जो गांधीजी पर लगते रहें हैं। इस महाकाव्य में रस, छंद एवं अलंकारों का सुंदर प्रयोग किया गया है। अनुप्रास का प्रयोग करते हुए उन्होंने अपना महाकाव्य राष्ट्र को समर्पित करते हुए अंतिम दोहे में लिखा है -

समर्पित है जन-जन को, मन से हो स्वीकार।।
महाकाव्य महात्मा का, मानवता का सार।।

पुस्तक के अंत में पृष्ठ एवं प्रसंगानुसार प्रत्येक सर्ग के लिए परिशिष्ट दिये गये हैं। जो पाठक वर्ग के लिए अत्यंत उपयोगी है।

आरटीओ से सेवानिवृत्त हुए बाबू बीपी शर्मा को दी भावभीनी विदाई ..

नर्मदापुरम। आरटीओ कार्यालय में कार्यरत परमिट सेक्शन प्रभारी बड़े बाबू बद्री प्रसाद शर्मा (बीपी शर्मा) अपने कार्य काल को पूरा करते हुए आरटीओ स्टाफ, सहयोगी, बस संचालकों तथा अपने परिवार की मौजूदगी में भावभीनी विदाई समारोह में उपस्थित होकर विदाई ली, इस विदाई कार्यक्रम में आरटीओ अधिकारी श्रीमति

निशा चौहान के द्वारा श्रीफल, शॉल, गिफ्ट तथा फूल गुच्छ देते हुए आने वाले अच्छे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिए तथा उनके अच्छे कार्यकाल को स्मरण किया गया, तत्पश्चात सभी मौजूद सदस्यों ने भी बाबू शर्मा जी को आने वाले भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उनके अच्छे कार्यकाल को याद किया, सेवानिवृत हुए बाबू बीपी शर्मा हमेशा बस संचालकों को परमिट तथा अन्य कार्य में सहयोग करते रहे है, अपने निर्विवाद कार्यकाल में उन्होंने आरटीओ कार्यालय के प्रत्येक कार्य में बड़ चढ़कर कार्य किया तथा चुनाव कार्य में प्रमुखता से 24 घंटे अपनी सेवाएं प्रदान की।

स्थापना शाखा का पत्र थमाकर सेवानिवृत्त कर दिया नगरपालिका ने..

नर्मदापुरम। नगरपालिका को 30 वर्ष सेवा देने वाले सूबेदार पिता दुखीराम विनिमित कर्मचारी को उसकी सेवाओं के बदले आज शाम तीन बजे स्थापना शाखा का पत्र देकर मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने सेवानिवृत्त कर दिया। कर्मचारी संघ अधिकारी की इस हरकत पर न केवल दुखी बल्कि खासे नाराज हैं। सेवानिवृत्त हुए सूबेदार को वे सम्मान पूर्वक अपने कार्यालय लाए उसे फूल माला पहनाकर स्वागत किया और घर तक छोड़ आए। घर जाने से पहले सूबेदार हमसे मिलने आए वो दुखी थे क्योंकि जैसा नियम होता है नगरपालिका ने विनिमित कर्मचारी को सेवानिवृत्त के पूर्व ऐसी कोई प्रकिया नहीं अपनाई जिससे महसूस हो वह अब इस कार्यालय से सदा सदा के लिए बिदा हो रहा। सेवानिवृत्त के 6 माह पहले संबंधित कर्मचारी को विधिवत सूचित किया जाता है। स्थापना शाखा सेवानिवृत्त के दिन उसे अग्रिम वेतन और जो उसके क्लेम एनपीएस का भुगतान, ग्रेच्युटी, अंशदान राशि देकर सम्मान स्वागत सत्कार के साथ घर तक खुशी खुशी भेजते हैं। लेकिन आज नगरपालिका कार्यालय में ऐसा कुछ नहीं.. विनिमित कर्मचारी सूबेदार अपने को असहाय और बेसहारा महसूस कर रहे पुराने और स्वाभिमानी होने के कारण वे बस रो नहीं पाएं लेकिन उनकी आंखें चश्मे के पीछे वह सब कहानी कह रही थी जो एक बेबस इन्सान कह देता..

प्राचीन श्री सत्यनारायण मंदिर में मूर्ति पुर्नस्थापना पर नवनिर्मित मंदिर में 28 से 30 जून तक धार्मिक आयोजन

सकल पंच राठौर समाज की बैठक में हुआ निर्णय

धार। जिला मुख्यालय पर स्थित श्री सकल पंच राठौर समाज के एक शताब्दी प्राचीन भगवान श्री सत्यनारायण के मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो चुका है। नवनिर्मित मंदिर में भगवान की मूर्ति की पुर्नस्थापना जून माह में की जाएगी। विधिविधान एवं समाज बंधुओं की उपस्थिति में इस महत्वपूर्ण धार्मिक कार्य को पूर्ण करने के लिए तीन दिवसीय आयोजन किए जाएंगे। कार्यक्रम को लेकर समाज अध्यक्ष गिरीश राठौर सेनापति के नेतृत्व में उटावद दरवाजा स्थित समाज धर्मशाला में समाजजनों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें निर्णय लिया गया है कि 28 से 30 जून तक तीन दिन मूर्ति स्थापना पूजन सहित अन्य धार्मिक गतिविधियां आयोजित की जाएगी। धार्मिक आयोजन के माध्यम से समाज की संगठन क्षमता और एकजुटता को प्रदर्शित करने के लिए धार जिले ही नहीं बल्कि प्रदेश के अन्य जिलों से भी समाज के गणमान्य लोगों को आमंत्रित करने पर विमर्श हुआ है।

यह थे बैठक में मौजूद....

बैठक में मुख्य रूप से नवयुवक मंडल अध्यक्ष विजेन्द्र राठौर, मंदिर एवं धर्मशाला निर्माण समिति अध्यक्ष सन्नी विशाल राठौर, महिला मण्डल अध्यक्ष पूनम मुकेश राठौर सहित अंतिम राठौर, सुरेश राठौर, श्याम राठौर, दिनेश राठौर, कमल राठौर, राजू राठौर, हरीश राठौर, विजय राठौर, अमित राठौर, मनोहर राठौर, सोनू राठौर, मुरली राठौर, विष्णु राठौर, विजय राठौर, चयन राठौर, धर्मेंद्र राठौर पत्रकार, चंदू राठौर, लोकेंद्र राठौर, गौरव राठौर, अनिल राठौर, धर्मेंद्र राठौर, अजय राठौर सहित समिति के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

सागर जिले के खुरई में अंजना अहिरवार की साजिश रचकर हत्या से अहिरवार समाज में आक्रोश ज्ञापन सौंपा

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

सागर जिले के खुरई के पास नौना भदोरिया गांव के अहिरवार समाज की बेटी अंजना अहिरवार एवं परिवारजनों को दबंग लोगों के द्वारा पिछले एक वर्ष के दौरान साजिश रचकर, बारी-बारी से मौत के घाट उतारे से सोहागपुर के अहिरवार समाज में आक्रोश व्याप्त है। इसी संदर्भ में आज अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत को अहिरवार समाज के समाजसेवी गणेश अहिरवार के नेतृत्व में राज्यपाल को संबोधित करते ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पीड़ित परिवार को न्याय ,सुरक्षा एवं मुआवजा राशि की मांग की गई है। इस अवसर पर गणेश अहिरवार के अलावा भाईजी अहिरवार, कैलाश खुराना, गोपाल खरे,भागीरथ अहिरवार, भागमल अहिरवार, हरिदास दिवाकर, राहुल खुराना, बालकिशन अहिरवार, सोनू खुराना, चंदन परमार,गौतम डोगरे, त्रिलोचन अहिरवार, अनिल अहिरवार,आदि सजातीय बन्धु उपस्थित थे।इस संबंध में समाजसेवी गणेश अहिरवार ने सुबह सवेरे संवादाता को बताया कि प्रदेश में अहिरवार समाज के नागरिकों पर अत्याचार बढ़ता जा रहा है। इसके प्रमाण यह है कि अंजना अहिरवार से 2019 में छेड़छाड़ की घटना हुई थीं। जिसका मामला पुलिस में दर्ज कराया गया था। लेकिन दबंगों ने उक्त मामला वापिस लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। लेकिन नहीं मानने पर अंजना अहिरवार के भाई की हत्या 2023 में बहिन की आंखों के सामने कर दी गई। लेकिन अडिग अंजना अहिरवार ने कोई समझौता करने से इन्कार कर दिया। इसके बाद दबंगों ने उसके चाचा राजेश अहिरवार से 25 मई अत्यधिक मारपीट की गई। जिसे अंजना भोपाल एंबुलेंस से भोपाल इलाज हेतु ले गई थी। कहा जाता है एंबुलेंस से वापिस आते समय अंजना एंबुलेंस से गिरकर मौत हो गई। लेकिन यह बात किसी गले नहीं उतर रही है। समाजसेवी गणेश अहिरवार ने आरोप लगाया है साजिश रचकर एक के बाद एक परिवार के सदस्यों की हत्या कर दी गई है। आपने यह भी आरोप लगाया कि अंजना पर दबंगों के द्वारा दबाव बनाया जा रहा था कि न्यायालय में विचाराधीन मामले में बयान बदल दें। लेकिन निर्भीक अंजना ने उनके सामने घुटने नहीं टेके। इसी कारण परिवार में केवल अंजना की मां एवं भाई विष्णु ही जीवंत बची है। आपने राज्यपाल महोदय से आग्रह किया है कि परिजनों को सुरक्षा के अलावा 50 लाख रुपये मुआवजा राशि देने एवं आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने दी थी सांत्वना

उल्लेखनीय है इस प्रदेश स्तरीय गंभीर मामले के कारण 2023 में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने पीड़िता के निवास पर जाकर सांत्वना दी थी। वहीं प्रदेश सरकार से परिवार को सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया था।

प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राहुल गांधी से बात कराई

इसी संदर्भ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी पीड़ित लड़की की मां एवं भाई विष्णु से वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मोबाइल पर बात कराई थी। वहीं प्रदेश कांग्रेस कमेटी की तरफ से दो दो लाख रुपए देना की बात कही थी। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने नौ सदस्यीय जांच कमेटी भी बनाई थी।

चश्मदीद गवाह थीं

अपने छोटे भाई नितिन उर्फ लल्लू की हत्या 25अगस्त 2023को दबंगों ने कर दी थी।जिसकी चश्मदीद गवाह थीं अंजना।

मुख्यमंत्री मोहन यादव भी ग्राम बड़ोदिया पहुंचे

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव 29 मई को सागर के बड़ोदिया नोनागिरी गांव पहुंचे थे। यहां मृतका अंजना अहिरवार के परिजनों से मुलाकात की। उनके परिजनों को 8 लाख 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया था। इसके साथ मुख्यमंत्री ने कहा था कि बड़ोदिया नोनागिर में पुलिस चौकी खोली जाएगी। ताकि भविष्य में ऐसा घटनाएं न हों ।इसका इंतजाम किया जाएगा। पीड़ित परिवार परिवार के साथ सरकार खड़ी है।

युवती की मौत को लेकर..

परियोजना अधिकारी नगरीय प्रशासन ने नपाधिकारी को नोटिस थमाया

नर्मदापुरम। आरटीआई विंग जिलाध्यक्ष आम आदमी पार्टी सीताशरण पाण्डेय ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज कर न्यायादिष्ट किए जाने के संबंध में कलेक्टर, आयुक्त नगरीय प्रशासन, पुलिस अधीक्षक और देहात थाने में आवेदन देकर खलबली मचा दी, इस संबंध में परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण नर्मदापुरम ने आज बकायदा मुख्य नगरपालिका अधिकारी को पत्र देते हुए इस मामले में तीन दिन में अपना प्रतिवेदन देने को निर्देशित किया है जिससे पूरे मामले की जानकारी कलेक्टर को दी जा सके लिखा है। गंदगी से पटे रहने वाले नगर की दिनों दिन हो रही खराब हालत और नाले नालियों की सफाई कर कचरा सड़क पर फैंक रखने की लापरवाही रविवार को एक युवती की मौत का कारण बनी, इस मौत ने नगरवासियों को झकझोर दिया, नगरपालिका की लापरवाही के चलते हुई इस घटना के लिए संपूर्ण रुप से श्रीमती हेमश्वरी पटले मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम की अकुशल प्रशासनिक छवि को व्यक्तिगत रूप से जवाबदार माना है। सीताशरण पाण्डेय ने अपनी जागरूकता का परिचय देते हुए अनुरोध पत्र में घटना पर प्रकाश डालते हुए घटना के बाद उसी दिन दो घंटे के अन्दर पोकलेन मशीन से नगरपालिका अमले द्वारा घटना स्थल से सम्पूर्ण कचरा/ मलवा तत्काल हटवाकर साक्ष्य मिटाने का कारित कृत्य करना बताया है। आम आदमी पार्टी आरटीआई विंग जिलाध्यक्ष सीताशरण पाण्डेय की इस कार्रवाई से नगर का अधिकांश वर्ग उनकी प्रसन्नता जाहिर कर रहा है, सोशल मीडिया पर इस संदर्भ में लिखी जा रही टिप्पणियां पाण्डेय जी का हौसला बढ़ा रही उसके दूसरी ओर नगरपालिका की प्रशासनिक अकुशल कार्य-प्रणाली को लेकर लोग चिंता महसूस कर रहे।

जिला स्काउटर-गाइडर ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया

रैली निकालकर जागरूकता का संदेश दिया

देवास। भारत स्काउट एवं गाइड मध्य प्रदेश जिला संघ देवास के जिला संगठन आयुक्त मनोज पटेल ने बताया कि, जिला पंचायत देवास के सी ई ओ हिमांशु प्रजापति के मार्गदर्शन में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस का आयोजन किया गया। कार्यालय जिला पंचायत देवास में स्काउट के जिला पदाधिकारीगण व स्काउटर गाइडर एकत्रित हुए। वहा पर उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग संगीता यादव एवं जिला कमिश्नर स्काउट व जिला शिक्षा अधिकारी देवास हरिसिंह भारतीय ने उपस्थित सभी को शपथ दिलाई। तत्पश्चात विशाल वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए रैली का समापन शा नूतन उ मा वि देवास में हुआ। समापन अवसर पर जिला संगोष्ठी कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कमिश्नर स्काउट एवं जिला शिक्षा अधिकारी देवास हरिसिंह भारतीय थे।अध्यक्षता मनोज जोशी, संघ के जिलाध्यक्ष ने की। विशेष अतिथि के रूप में अजय सोलंकी, विकास खंड शिक्षा अधिकारी देवास एवं देवास जिला स्काउट संघ के सचिव, हेमेन्द्र निगम काकू थे। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी की पूजा अर्चना कर ईश प्रार्थना की। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत स्काउटर गाइडर ने किया।

म.प्र.में निजी स्कूलों की मनमानी फीस पर सख्ती

सभी कलेक्टर्स को कार्रवाई के निर्देश, हाईकोर्ट का जांच-कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार

भोपाल/जबलपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश में प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ मनमानी फीस वसूली को लेकर की जा रही कार्रवाई जारी रहेगी। हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। प्राइवेट स्कूल संचालकों ने गिरफ्तारी, जांच और कार्रवाई पर रोक लगाने के लिए याचिका लगाई थी। गुरुवार को सुनवाई के दौरान जस्टिस विशाल धगट ने इसे खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट ने कहा कि मामला बेहद गंभीर है। जांच शुरुआती दौर में है। लिहाजा, कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई जा सकती। हालांकि हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से कार्रवाई को लेकर विस्तृत जवाब मांगा है। इस मामले में अगली सुनवाई 4 हफ्ते बाद होगी।

इधर, स्कूल शिक्षा विभाग ने गुरुवार को प्रदेश के सभी कलेक्टरों को अपने जिले में प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ इस तरह कार्रवाई के आदेश दिए हैं। साथ ही, सभी स्कूलों का फीस स्ट्रक्चर और अन्य जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करने के लिए कहा है।

11 स्कूल संचालकों समेत 51 लोगों पर की थी एफआईआर- 27 मई को जबलपुर कलेक्टर ने दीपक आर्य ने 11 प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ न केवल कार्रवाई की, बल्कि 11 स्कूल संचालकों समेत 51 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई। साथ ही, ऐसे स्कूलों से अभिभावकों को 81.30 करोड़ रुपए की फीस वापस कराई गई। इन स्कूलों पर 22 लाख रुपए की पेनाल्टी भी लगाई गई है। 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया। कलेक्टर

का दावा है कि 240 करोड़ की वसूली का खेल उजागर हुआ है।

प्रशासन ने पुलिस के साथ मिलकर इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया था। 27 मई को कलेक्टर दीपक सक्सेना और एसपी आदित्य प्रताप ने सिंह ने मीडिया के सामने जानकारी दी थी।

कोर्ट में स्कूल संचालकों का तर्क- बुधवार को पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई को स्कूल संचालकों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याचिका में स्कूलों की ओर से कहा गया कि एफआईआर दर्ज हो चुकी है। वो जांच में सहयोग करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन पर पुलिस कार्रवाई नहीं की जाए।

कोर्ट ने कहा- बच्चों का अनहित करने जैसा अपराध- हाई कोर्ट ने कहा- स्कूलों ने अवैध रूप से अतिरिक्त फीस ही नहीं वसूली है, बल्कि बुक सेलर्स से साठगांठ कर फर्जी किताबें सिलेबस में लगाने का अपराध भी किया है, जो कि बच्चों का भी अनहित करने जैसा है। सरकार की ओर से यह भी कहा गया कि अगर आरोपी स्कूल संचालकों और उनके गठजोड़ पर पुलिस कार्रवाई नहीं की जाती है, तो वो जांच को प्रभावित कर सकते हैं, क्योंकि पुलिस और प्रशासन को उनके स्कूलों से और भी दस्तावेज जब्त करने हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग का आदेश- पोर्टल पर दर्ज कराएं जानकारी- इधर, सरकार ने गुरुवार को सभी कलेक्टरों को जिलों में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने मध्य प्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2018 और नियम 2020 के प्रावधानों का पालन सख्ती से कराने के लिए कहा है। इसे लेकर वे जिले के सभी विद्यालयों की फीस और अन्य जानकारी पोर्टल पर दर्ज कराएं।

कलेक्टरों से कहा गया कि लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा 20 मई को जारी पत्र में फीस और अन्य विषयों की जानकारी अशासकीय विद्यालयों से पोर्टल पर 8 जून तक जमा कराने के निर्देश जारी किए गए थे।

30 जून तक फर्जी व डुप्लीकेट पुस्तकों संबंधी अभियान चलाएं- कहा गया है कि फर्जी व डुप्लीकेट आईएसबीएन पाठ्यपुस्तकों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। इसे ठीक करने के लिए 30 जून 2024 तक विशेष अभियान चलाकर जांच कराएं। चिन्हित करें कि कितने विद्यालयों द्वारा किन कारणों से ऐसी गड़बड़ी की गई है? गड़बड़ी करने वाले प्रकाशक और बुक सेलर्स के विरुद्ध कार्रवाई भी की जाए। इसकी जांच रिपोर्ट भी कलेक्टरों को दी जाए।

हरदा में 9 स्कूलों पर दो-दो लाख का जुर्माना- जबलपुर के बाद हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह ने मनमानी फीस लेने वाले 9 प्राइवेट स्कूलों पर दो-दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। जिले में अब तक कुल 15 निजी स्कूलों पर हो जुर्माना लगाया जा चुका है। सभी स्कूल संचालकों को 15 दिन में अतिरिक्त फीस वापस करने के निर्देश गए हैं।

रेत खदानों का ड्रोन सर्वे कराएगी सरकार

जियो फेंसिंग से रेत की मात्रा और एरिया का होगा आकलन, एआई चेक गेट भी लगेंगे

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में रेत खदानों से अवैध खनन, परिवहन पर सख्ती से रोक लगाने के लिए अब रेत खदानों के ड्रोन सर्वे करने की तैयारी है ताकि सरकार को यह पता रहे कि ठेकेदार को जिस रेत का ठेका दिया गया है उसका एरिया कितना है और उसमें कितनी रेत उपलब्ध है जिसका खनन ठेकेदार करेगा। इसके साथ ही खदानों की जियो फेंसिंग भी तेजी से करके रेत खदान के आसपास के इलाकों में अवैध खनन रोकने का काम किया जाएगा।

कलेक्टरों से कहा है कि राज्य शासन द्वारा रेत नियमों में व्यापक संशोधन कर मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम के माध्यम से रेत खदानों की परमिशन लेकर खदानों से रेत खनन एवं बिक्री के लिए ग्रुप बनाकर माइन डेवलपर कम ऑपरेटर की नियुक्ति की गई है। प्रदेश के 36 जिलों में रेत खदानों का एग्रीमेंट कर खदानों का संचालन आरंभ किया जा चुका है। कलेक्टरों को निर्देश है कि एमडीओ को मध्यप्रदेश रेल (खनन, परिवहन, भण्डारण तथा व्यापार) नियम 2019 के प्रावधानों के अनुरूप खदान संचालित करने में सहयोग दें तथा राजस्व और पर्यावरण हित में अवैध उत्खनन व परिवहन पर कंट्रोल करें। कलेक्टरों से कहा गया है कि खनिज प्रावधानों से लोगों को अवगत कराने के लिए जिला स्तर पर कार्यशाला आयोजित कराएं।

इनको है कार्यवाही का अधिकार- प्रमुख सचिव खनिज साधन विभाग ने चार दिन पहले जारी आदेश में कहा है कि अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन, अवैध भण्डारण के मामलों में कार्यवाही कलेक्टर, अपर कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कर सकेंगे। इनके अलावा तहसीलदार व नायब तहसीलदार, सीईओ जिला पंचायत व जनपद पंचायत, उप संचालक (खनिज प्रशासन), प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा, सहायक खनिज अधिकारी, खनि निरीक्षक, प्रभारी अधिकारी (उड़नदस्ता) भी कार्यवाही कर सकेंगे। ये अधिकारी जरूरत होने पर संबंधित पुलिस थाने से लिखित में पुलिस सहायता की मांग करेंगे और पुलिस अधिकारी ऐसी सहायता उपलब्ध कराएंगे जो कि खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण को रोकने के लिए जरूरी हो। खनिज विभाग की जानकारी में आया है कि प्रदेश में 40 स्थानों पर रेत का सर्वाधिक परिवहन होता है, इसलिए यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिये चेक गेट लगाए जाएंगे और जांच कराई जाएगी।खनिज साधन विभाग के प्रमुख सचिव ने खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण की व्यवस्था को लेकर सभी कलेक्टरों को जारी निर्देश में यह बातें कही गई हैं और इसका कड़ाई से पालन करने के लिए कहा गया है।

तीन जगह आगजनी

भोपाल स्टेशन के पास 5 दुकानें, सिंधी कॉलोनी में दो गुमठी जलकर खाक

भोपाल (नप्र)। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात शहर में एक के बाद एक दो जगहों पर आगजनी की घटना हो गई। पहली भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक की ओर शॉर्ट सर्किट से 5 दुकानों में आग लग गई। वहीं सिंधी कॉलोनी के मछली बाजार के पास कबाड़ की गुमठी में आग लग गई।

प्लेटफार्म नंबर 1 की और बाहर बनी 5 दुकानों में बुधवार गुरुवार दरमियानी रात 2 बजे आग लग गई। आग पर काबू पाने पुल बोगदा और फतेहगढ़ से कुल 7 फायर वाहन मौके पहुंचे। ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाया जा सका। फायरकर्मी मोहम्मद फुरकान उद्दीन ने बताया कि जिन दुकानों में आग लगी उनमें 2 किराना दुकान, एक किराना सामान का गोदाम, एक सांची पार्लर और एक सैलून शॉप शामिल थी।

तीनों फायर वाहनों ने डेढ़ घंटे में पाया काबू- इधर, सिंधी कॉलोनी के पास मछली बाजार में रात करीब एक बजे आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए फतेहगढ़ फायर स्टेशन से मौके पर 3 फायर वाहन रवाना हुए। आग मछली बाजार के सामने कबाड़ की गुमठियों और कचरे में लगी। आग में 2 गुमठियों के जलने के साथ कुछ पेड़ भी झुलस गए। फायरकर्मी नितिन ने बताया कि मछली बाजार के पास करीब डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाने के बाद तीनों फायर वाहन रेलवे स्टेशन के पास लगी आग की ओर तत्काल रवाना हो गए।

पार्क की झाड़ियों में लगी आग तेजी से फैल रही थी, समय पर सूचना मिली तो पाया काबू- बुधवार शाम 7 बजे बैरागढ़ के बोरवन पार्क की झाड़ियों में आग लग गई। आग की सूचना पार्क में टहलने गए लोगों ने फायर स्टेशन को दी। जिसके बाद बैरागढ़ फायर स्टेशन से दो दमकल मौके पर पहुंची। आग पर पूरी तरह काबू पाने में 2 घंटे का समय लगा। आग पार्क के किनारे लगी। जिससे पार्क में लगे पेड़ों को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। फायरकर्मियों ने बताया कि पार्क में सूखे पत्ते होने के कारण तेजी से फैल रही थी। समय पर सूचना मिलने से पार्क में लगे पेड़ों तक आग को पहुंचने से रोका जा सका।

रतलाम कारोबारी के घर से मिले डेढ़ करोड़ रुपए, आईटी टीम रवाना

रतलाम (नप्र)। रतलाम में हवाला कारोबारी के यहां से इनकम टैक्स की टीम को डेढ़ करोड़ रुपए नगद मिले हैं। आईटी की कार्रवाई खत्म हो गई है। शुक्रवार तड़के टीम रवाना हो गई। इससे पहले आईटी विभाग के अधिकारी गुरुवार को हवाला कारोबारी को रतलाम की अलग-अलग बैंकों में लेकर भी पहुंचे। बैंकों के रिकॉर्ड खंगाले। लॉकर भी चेक किए।

जबलपुर के गंजताल तालाब में डूबने से दो की मौत

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के सिहोरा में गंजताल तालाब में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई। दोनों मृतक आसर खान और नासिर खान राजस्थान भरतपुर के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार दोनों बीएसएनएल की पाइप लाइन बिछाने का कार्य कर रहे थे। उसी दौरान पानी की गहराई समझ न आने के कारण डूब गए। सिहोरा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी हैं।

भोपाल में आज और कल नहीं चलेगी हीट वेव

मंदिरों में भगवान को गर्मी से बचाने हो रहे जतन, कूलर और एयर कंडीशनर लगाए गए

भोपाल (नप्र)। नौतपा के सातवे दिन सूरज के तेवर तीखे हैं। सुबह हल्की ठंडी हवा चली। सुबह 5.30 बजे पारा 31 डिग्री दर्ज किया गया। साढ़े आठ बजे ये 33.4 डिग्री पर पहुंच गया। इसके बाद पारा साढ़े 11 बजे 38.डिग्री पर पहुंच गया। छह घंटे में पारे में सात डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि आज और कल भोपाल में हीट वेव नहीं चलेगी।

भोपाल में नौतपा 5 दिन से जमकर तपा। छठें दिन यानी, गुरुवार को तेवर थोड़े 'ठंडे' पड़े। इस दिन टेम्प्रेचर सबसे कम 42.4 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने अगले 3 दिन ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान जताया है। इस सीजन नौतपा में पहली बार शुक्रवार को भीषण गर्मी का कोई अलर्ट भी नहीं है।

नौतपा 25 मई से शुरू हुआ था, जो 2 जून तक चलेगा। शुरुआती 5

दिनों तक नौतपा जमकर तपा, लेकिन गुरुवार को नौतपा के तेवर थोड़े कमजोर हो गए। बुधवार को पारा 44.1 डिग्री था, जो गुरुवार को 42.4 डिग्री पर पहुंच गया। यानी, पारे में 1.7 डिग्री की गिरावट हुई। शुक्रवार को भी तापमान के इसी प्रकार रहने का अनुमान है।

छह दिन में टूटे रिकॉर्ड : इस नौतपा में गर्मी के रिकॉर्ड भी टूटे हैं। 26 मई को 40 साल में दूसरी बार भोपाल सबसे हॉट रहा था। इस दिन टेम्प्रेचर रिकॉर्ड 45.4 डिग्री पहुंच गया था। वहीं, 28 मई को पारा 45.1 डिग्री दर्ज किया गया था। गर्मी का ओवरऑल रिकॉर्ड 21 मई 2016 के नाम है। तब टेम्प्रेचर रिकॉर्ड 46.7 डिग्री पहुंचा था।

भगवान के लिए लगाए गए कूलर व एयर कंडीशनर

मां वैष्णो धाम आदर्श नोदुर्गा मंदिर के व्यवस्थापक पंडित चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि प्लेटिनम प्लाजा स्थित मंदिर में मां भगवती एवं समस्त देवी देवताओं को नोतपा की गर्मी से बचने के लिए कुलर एवं एयर कंडीशनर की व्यवस्था की गई है। बाबा खाटु श्याम के लिए नया एयर कंडीशनर भी लगाया जा रहा है। राजधानी के लोगों के लिए ये खबर थोड़ी राहत देने वाली है। मौसम विभाग ने कहा है कि 31 मई और 1 जून को भोपाल में हीट वेव नहीं चलेगी। प्रदेश के अन्य जिलों में मौसम कैसा रहेगा इसकी भी जानकारी मौसम विभाग ने दी है।

तेज धूप में सड़कें सूनी

आज नौतपा का सातवां दिन है। हालांकि सूरज के तेवर कुछ नरम हैं। ये वीडियो अरेरा हिल्स स्थित अदालत जाने वाली सड़क का है। रोज काम पर जानें वाली महिलाएं धूप और गर्म हवाओं से बचने के लिए दुपट्टा ओढ़े नजर आईं।

भोपाल में दिन चढ़ने के साथ बढ़ रही गर्मी

भोपाल में जैसे-जैसे दिन चढ़ रहा है, गर्मी बढ़ती जा रही है। सड़कों पर लोगों की आवाजाही घटने लगी है। वाहनों की आवाजाही कम हो गई है। हवा तो गर्म है लेकिन, लू जैसी स्थिति नहीं है। तापमान 11.30 बजे 38.0 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार शाम तक तापमान 44 डिग्री के आसपास रह सकता है।

शताब्दी एक्सप्रेस में एसी फेल

यात्री गर्मी से बेहाल, 5 घंटे उमस में करना पड़ा सफर

भोपाल (नप्र)। भीषण गर्मी के बीच 12002 शताब्दी एक्सप्रेस की एक बोगी में शुक्रवार को एसी फेल हो जाने से यात्री बेहाल रहे। नई दिल्ली से रानी कमला पति जा रही शताब्दी एक्सप्रेस की चेयर कार बोगी सी- 11 में एसी नहीं चलने की यात्रियों ने शिकायत की। कुछ प्रयास के बाद टेक्नीशियन ने भी हाथ खड़े कर दिए। बताया जा रहा है कि ट्रेन में ग्वालियर से ही एसी नहीं चला जिसके चलते यह दिक्कत हुई। कुछ देर तक कर्मचारियों ने इसको मैनेज करने की कोशिश की मगर एसी नहीं चलने के चलते यात्रियों को भोपाल और आरकेएमपी तक इसका सामना करना पड़ा।

मौजूद रेल यात्रियों की माने तो ट्रेन में मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि यहां पर ट्रेन में एसी की शिकायत के बाद करीब आधे घंटे बाद कर्मचारियों ने बताया कि एसी ठीक नहीं हो सकता है, इसके लिए गाड़ी रोककर ही काम करना होगा, इसलिए यात्रियों ने करीब 5 घंटे तक बिना एसी के यात्रा की, यहां मौजूद यात्रियों की माने तो उमस से अंदर हाल बेहाल है, वहीं भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल एसी को दुरस्त करने का प्रयास रेलवे द्वारा किया जा रहा है।

इस तरह से ले सकता है अपना रिफंड- आईआरसीटीसी के रिफंड रूल के मुताबिक, एसी कोच में एसी नहीं चलने पर यात्री अगर क्लेम करता है, तो उसे रिफंड (अतिरिक्त पैसा वापस) मिल जाता है। यानी भारतीय रेलवे वातानुकूलित कोच में एसी सुविधा प्रदान करने में विफल होने पर कुछ किराया राशि की वापसी कर देता है। हालांकि, इसमें कुछ शर्तें भी जुड़ी हैं। इसके लिए यात्री को टिकट पर या अन्य किसी कागज पर अपने पीएनआर के साथ टीटी से एसी नहीं चलने को लेकर लिखवाना पड़ता है।

अशोकनगर की घटना पर टीआई सस्पेंड,एसपी पर होगा एक्शन

सीएम मोहन यादव ने कहा-अपराधियों को छोड़ो मत, प्रदेश को भय मुक्त माहौल दो

भोपाल (नप्र)। अशोक नगर में एक युवती और उसके परिजनों के साथ हुई मारपीट के मामले सीएम डॉ. मोहन यादव ने गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने घटना में लापरवाही पर अशोक नगर एसपी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही और थाना प्रभारी को सस्पेंड करने के निर्देश दिए हैं। सीएम यादव ने शुक्रवार को अचानक पुलिस मुख्यालय पहुंचकर अफसरों की बैठक ली, और कानून व्यवस्था के पालन में हो रही ढिलाई के रवैये को दुरुस्त करने के लिए कहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कानून का पालन कराने के लिए पुलिस को खुली छूट है। अपराधियों को छोड़ो मत, प्रदेश को भय मुक्त माहौल दो। बैठक में सीएम मोहन ने कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के साथ पिछले दिनों घटित गंभीर घटनाओं को लेकर अफसरों से सवाल-जवाब भी किए।

धीरेन्द्र शास्त्री के भाई शालिगराम की दबंगई का वीडियो आया सामने

पीड़ित बोले- 50 लोगों के साथ आए; महिलाओं और बच्चियों को पीटा

खजुराहो (नप्र)। छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम के महंत और कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिगराम गर्ग पर एक बार फिर मारपीट के आरोप लगे हैं। शालिगराम गर्ग का एक वीडियो सामने आया है। बताया जा रहा है कि वह अपनी कार से गड़ा गांव में किसी जीतू तिवारी के घर के बाहर खड़े नजर आ रहे हैं, साथ में उनके साथी भी मौजूद है। वीडियो में दोनों पक्षों में विवाद और गाली-गलौज सुनाई दे रहा है।

बताया जा रहा है कि शालिगराम गर्ग का जीतू तिवारी से लेनदेन का विवाद हुआ था, जिससे बात बढ़कर मारपीट तक पहुंच गई। इस मामले में पीड़ित पक्ष बमीठा थाने पहुंचा है। पुलिस ने उन्हें मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा है।

पीड़ितों ने कहा- छोटी-छोटी बच्चियों से भी की मारपीट- पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया कि शालिगराम गर्ग उनके घर पर रात में आए थे। इसके बाद शुक्रवार दिन में लगभग 50 लोगों के साथ आए और उन्होंने हमारे परिवार के साथ मारपीट की। हमारे हाथ-पैर तोड़ दिए और हमारी छोटी-छोटी बच्चियों के साथ भी मारपीट की हैं। शुक्रवार को एक वीडियो सामने आया है। आरोप है कि धीरेन्द्र शास्त्री का भाई शालिगराम अपने साथियों के साथ कार से गड़ा गांव आया। जहां उन पर मारपीट के आरोप लगे हैं।

दोपहर की घटना कार्रवाई जारी- बमिठा थाना प्रभारी पुष्पक शर्मा ने बताया घटना शुक्रवार दोपहर 12 बजे से 1 बजे के बीच की है। परिजन बमीठा थाने पहुंचे है। कार्यवाही की जा रही है।

काउंटिंग के पहले छिंदवाड़ा कलेक्टर की कम्प्लेन

8 आईएएस, 4 आईपीएस, दो आईएफएस के विरुद्ध भी चुनाव आयोग पहुंचीं शिकायतें

भोपाल (नप्र)। लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक 10 शिकायतें कांग्रेस ने छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेंद्र सिंह के खिलाफ की हैं और अब 4 जून को होने वाली मतगणना के 5 दिन पहले फिर उनके विरुद्ध चुनाव आयोग से शिकायत की गई है। इस बार छिंदवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी नकुल नाथ ने चुनाव आयोग दिल्ली में कलेक्टर की कम्प्लेन की है। नाथ ने कलेक्टर को हटाने की मांग रखी है। इधर, 16 मार्च से लागू चुनाव आचार संहिता के दौरान दर्जन भर आईएएस, आईएफएस और आईपीएस अफसरों के खिलाफ नामजद शिकायतें की गईं। हालांकि, इस पूरे चुनाव में आयोग ने किसी कलेक्टर, एसपी को हटाने की कार्यवाही नहीं की है।

छिंदवाड़ा से कांग्रेस उम्मीदवार नकुल नाथ ने तीस मई को चुनाव आयोग से की गई ताजी शिकायत में कहा है कि छिंदवाड़ा कलेक्टर निष्पक्ष होकर काम नहीं कर रहे हैं। उनके द्वारा मतदाताओं को बीजेपी को सपोर्ट करने की बात कही गई है। इसके पहले चुनाव प्रचार के दौरान छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेंद्र सिंह के विरुद्ध कांग्रेस चुनावी सभा के लिए परमिशन देने के बाद उस स्थान पर सुरक्षा के लिहाज से परमिशन रद्द करने और एक दिन बाद उसी स्थान पर सीएम की सभा के लिए परमिशन देने के मामले में कम्प्लेन कर चुकी है।

छिंदवाड़ा कलेक्टर के अलावा बालाघाट कलेक्टर गिरीश कुमार मिश्रा के विरुद्ध बालाघाट में मतदान होने के पहले तक दो-तीन शिकायतें की गई थीं। एक शिकायत जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना के विरुद्ध भी हुई थी। तीन पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास, अभिषेक तिवारी और समीर सौरभ की भी कम्प्लेन हुई है। व्यास अलीराजपुर एसपी हैं जबकि अभिषेक सागर और सौरभ बालाघाट एसपी हैं।

अधिकांश शिकायतें पदस्थापना के विरोध में

जिन अफसरों के विरुद्ध कम्प्लेन की गई है उसमें से अधिकांश की कम्प्लेन उनकी पोस्टिंग किए जाने से संबंधित है। इसके अलावा कुछ अफसरों के विरुद्ध बीजेपी का प्रचार करने और मतदाताओं को प्रभावित करने के भी आरोप के साथ चुनाव आयोग और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में कम्प्लेन की गई हैं।

इन आईएएस, आईपीएस और आईएफएस की शिकायत

जेएन कंसोटिया, एसीएस वन विभाग
रश्मि अरुण शमी, प्रमुख सचिव
अमित तोमर, एमडी पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी
आईएएस आलोक कुमार सिंह पूर्व पंजीयक सहकारिता
अभिजीत अग्रवाल आयुक्त आबकारी
आईपीएस उपेंद्र जैन
वन संरक्षक नर्मदापुरम अनिल कुमार शुक्ला
डीएफओ भोपाल
ये राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर भी जांच के घेरे में
नीतू माथुर, सीईओ स्मार्ट सिटी ग्वालियर
नीलमणि अग्निहोत्री, अपर कलेक्टर
एसडीएम पंकज मिश्रा, जबलपुर
जेपी गुप्ता डिप्टी कलेक्टर शिवपुरी
तहसीलदार ताल
एसडीएम आलोट
सोनल सेडाम, एसडीएम मंडला

इन आबकारी अफसरों की कम्प्लेन

दीपम रायचूरा, सहायक जिला आबकारी अधिकारी
प्रणय श्रीवास्तव, सहायक जिला आबकारी अधिकारी सिवनी
मनीष खरे सहायक जिला आबकारी अधिकारी इंदौर
संजय गुप्ता, सहायक जिला आबकारी अधिकारी शिवपुरी
अंशू सिंह, सहायक जिला आबकारी अधिकारी ग्वालियर

आरटीओ भी रहे शिकायतों में शामिल

रीवा आरटीओ मनीष त्रिपाठी
सीहोर आरटीओ
संजय तिवारी, प्रभारी आरटीओ भोपाल
देवेश बाथम, एआरटीओ, सिवनी

ये एसपीएस भी जांच के दायरे में आए

धनंजय शाह, एसपी ईओडब्ल्यू इंदौर
कर्णिक श्रीवास्तव, एसडीओपी भांडेर
महेंद्र सिंह चौहान प्रभारी डीएसपी
उमाशंकर शर्मा, एसडीओपी गोहद
महेंद्र तारणेकर, एएसपी खंडवा

इनके विरुद्ध भी चुनाव आयोग पहुंचे शिकायतकर्ता

एमएल गजभिये, उपायुक्त सहकारिता इंदौर
पीएस बरोठिया, प्रभारी उपायुक्त अशोकनगर
संयुक्त आयुक्त सहकारिता विनोद सिंह
धर्मेंद्र चौहान, खनिज अधिकारी इंदौर